सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक

GS प्वाइंटर 4

(पूर्वावलोकन सार)

निःशुल्क
जनवरी, 2018
अंक के साथ

सामान्य भूगोल

(भारत का भूगोल)

Website : http//www.ssgcp.com/
https://www.facebook.com/ssgcpl
https://www.facebook.com/ssgc.gs.qa
https://plus.google.com/+Ssgcpssgcp
https://twitter.com/SamsamyikGhatna

श्रृंखला का अगला अंक - **सामान्य भूगोल** (विश्व का भूगोल)

GS प्वाइंटर 4

भारत का भूगोल

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ निःशुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर 'GS प्वाइंटर' क्रमशः प्रस्तुत किया जाएगा।

भारत का भूगोल

सामान्य परिचय

i. क्षेत्रफल

✷ भारत के बारे में सही कथन हैं
—(i) यह स्थलमंडल के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.4 प्रतिशत भाग अधिकृत किए हुए है, (ii) $82^0$30' पूर्वी देशांतर का उपयोग भारतीय मानक समय को निर्धारित करने के लिए किया जाता है

✷ भारतवर्ष आकार (क्षेत्रफल) में विश्व का **—सातवां सबसे बड़ा देश है**

✷ भारत का क्षेत्रफल संसार के क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है, परंतु इसकी जनसंख्या है **—17.5% (जनगणना, 2011 के अनुसार)**

✷ भारतवर्ष में गांवों की संख्या है **— लगभग 6 लाख 40 हजार 9 सौ 30 (जनगणना, 2011 के अनुसार)**

ii. अक्षांशीय विस्तार

✷ भारत विस्तृत है **—$8^0$4' उत्तर से 37^{0}6' उत्तरी अक्षांशों तथा $68^0$7' पूर्व से $97^0$25' पूर्वी देशांतरों के मध्य।**

✷ भारत के लगभग बीचो-बीच से होकर गुजरती है **—कर्क रेखा**

✷ सिक्किम से गुजरने वाला अक्षांश रेखा गुजरती है **—राजस्थान से**

✷ जिस जिले से 70^0 पूर्वी देशांतर रेखा गुजरती है, वह है **—जैसलमेर**

iii. भारत एवं कर्क रेखा

✷ कर्क रेखा इन राज्यों से होकर गुजरती है **—गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, प. बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम**

✷ भारत में कर्क रेखा गुजरती है **—8 राज्यों से**

✷ अगरतला, गांधीनगर, जबलपुर एवं उज्जैन में से कर्क रेखा से निकटतम दूरी पर स्थित नगर है **—गांधीनगर**

✷ दिल्ली, कोलकाता, जोधपुर तथा नागपुर शहरों में से कर्क रेखा के निकट है **—कोलकाता**

✷ भारत को दो लगभग बराबर भागों में विभाजित करने वाला अक्षांश है **—$23^0$30' उत्तरी अक्षांश (कर्क रेखा)**

✷ झारखंड, मणिपुर, मिजोरम तथा त्रिपुरा राज्यों में से कर्क रेखा के उत्तर में स्थित भारतीय राज्य है **—मणिपुर**

✷ हैदराबाद, चेन्नई, भोपाल तथा दिल्ली शहरों में से जून माह में दिन की अवधि अधिकतम होगी **—दिल्ली में**

iv. मानक समय

✷ जब भारतीय मानक समय के याम्योत्तर पर अर्द्धरात्रि है, एक स्थान पर सुबह का छः (6) बजता है, उस स्थान की अवस्थिति जिस याम्योत्तर पर है, वह है **—172^0 30' पू.**

✷ गुजरात के सबसे पश्चिमी गांव और अरुणाचल प्रदेश के सबसे पूर्वी छोर पर स्थित वालांग के समय में कितने घंटे का अंतराल होगा **—2 घंटे का**

✷ सत्य कथन हैं
—औरंगाबाद का अक्षांश वड़ोदरा व पुणे के अक्षांशों के बीच है
—चेन्नई की तुलना में बंगलुरू की अवस्थिति अधिक दक्षिणवर्ती है

✷ रीवा, सागर, उज्जैन तथा होशंगाबाद शहरों में से भारतीय मानक समय (आई. एस. टी.) देशांतर के निकटतम शहर है **—रीवा**

✷ यदि भारतीय मानक समय के अनुसार, पूर्वाह्न के 10 बजे हैं, तो 92^0 पूर्वी देशांतर पर शिलांग का स्थानीय समय होगा **—10.38 पूर्वाह्न**

✷ यदि भारतीय मानक समय याम्योत्तर पर मध्याह्न है, तो 120^0 पूर्वी देशांतर पर स्थानीय समय होगा **—14.30**

✷ आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश राज्यों में से भारतीय मानक समय की याम्योत्तर नहीं गुजरती है **—महाराष्ट्र से**

✷ भारतीय मानक समय की देशांतर रेखा (82^0 30') गुजरती है
—इलाहाबाद से

✷ भारत की 'प्रामाणिक मध्याह्न रेखा' कहलाती है
—82^0 30' पूर्वी देशांतर

✷ भारतीय मानक समय (IST) एवं ग्रीनविच माध्य समय (G.M.T.) में अंतर पाया जाता है **— $+5\frac{1}{2}$ घंटे का**

✷ यदि अरुणाचल प्रदेश में तिरप (Tirap) में सूर्योदय 5.00 बजे प्रातः (IST) होता है, तो गुजरात में कांडला में सूर्योदय होगा
—लगभग 7.00 बजे प्रातः

V. दूरस्थ बिंदु

✷ भारत का सुदूरस्थ दक्षिणी बिंदु (Southernmost Point) है
—इंदिरा प्वाइंट पर

✷ भारत का दक्षिणतम बिंदु स्थित है**—बड़ा निकोबार (ग्रेट निकोबार) में**

✷ भारत के राज्यों में सबसे पूर्वी और सबसे पश्चिमी राज्य को इंगित करता है **—क्रमशः अरुणाचल प्रदेश और गुजरात**

✷ भारत का सुदूर पश्चिम का बिंदु है**—68^0 7' पूर्व, (गौर मेता) गुजरात में**

vi. सीमावर्ती देश

✷ सत्य कथन हैं
—असम, भूटान तथा बांग्लादेश की सीमाओं से लगा हुआ है
—पश्चिम बंगाल, भूटान तथा नेपाल की सीमाओं से लगा हुआ है
—मिजोरम, बांग्लादेश तथा म्यांमार की सीमाओं से लगा हुआ है

✷ मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर तथा मिजोरम राज्यों में से वह राज्य जिसकी सीमा बांग्लादेश से नहीं मिलती है **—मणिपुर**

✷ बांग्लादेश की सीमा से लगे भारत के राज्य हैं
—मेघालय, असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा एवं मिजोरम

✷ सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल राज्यों में से भूटान के साथ सीमा नहीं मिलती है **—मेघालय की**

✷ वह भारतीय राज्य जिसकी अधिकतम सीमा म्यांमार से स्पर्श करती है
—अरुणाचल प्रदेश

✷ म्यांमार से उभयनिष्ठ सीमा नहीं है **—असम की**

✷ पाकिस्तान से सीमा बनाने वाले भारतीय राज्य हैं
—पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान तथा गुजरात

✷ नेपाल के पड़ोसी भारतीय राज्य हैं
—उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम

✷ भारत के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है **—बांग्लादेश की**

✷ असम, नगालैंड, मेघालय एवं मिजोरम राज्यों में से बांग्लादेश से अपनी सीमा नहीं बनाने वाला भारतीय राज्य है **—नगालैंड**

✷ भारत तथा पाकिस्तान के बीच सीमा निर्धारित की गई थी
—रेडक्लिफ रेखा द्वारा

✷ डूरंड लाइन भारत की सीमा निर्धारित करती है **—अफगानिस्तान से**

✷ भारत तथा पाकिस्तान के मध्य सीमा रेखा एक उदाहरण है
—परवर्ती सीमा का

✷ भारत और चीन की उत्तर-पूर्वी सीमा का सीमांकन करने वाली रेखा है
—मैकमोहन रेखा

✷ भारत-श्रीलंका से अलग होता है **—पाक जलडमरूमध्य द्वारा**

✷ नेपाल, भूटान एवं चीन की सीमाओं से मिलने वाला भारतीय राज्य है
—सिक्किम

✷ तीन तरफ से अंतरराष्ट्रीय सीमाओं (बांग्लादेश) से घिरा भारतीय राज्य है **—त्रिपुरा**

भौतिक विभाजन

i. भारत के प्राकृतिक प्रदेश

✷ भारत से उपबंध पुराचुंबकीय परिणामों से संकेत मिलते हैं कि भूतकाल में भारतीय स्थलपिंड सरका है **—उत्तर की ओर**

✷ भारतीय उपमहाद्वीप मूलतः एक विशाल भूखंड का भाग था, जिसे कहते हैं **—गोंडवानालैंड**

✷ भारत विभाजित है **—4 प्राकृतिक प्रदेशों में**

✷ उत्तराखंड में पाताल तोड़ कुएं पाए जाते हैं **—तराई क्षेत्र में**

✷ यदि हिमालय-पर्वत-श्रेणियां नहीं होतीं, तो भारत पर सर्वाधिक संभाव्य भौगोलिक प्रभाव है **—देश के अधिकांश भाग में साइबेरिया से आने वाली शीत लहरों का अनुभव होता, सिंधु-गंगा मैदान इतनी सुविस्तृत जलोढ़ मृदा से वंचित होता, मानसून का प्रतिरूप वर्तमान प्रतिरूप से भिन्न होता।**

✷ भारत में भू-आकारों की रचना के संबंध में सही हैं
—संरचनात्मक दृष्टि से मेघालय पठार दक्कन पठार का ही विस्तारित भाग है, कश्मीर घाटी की रचना एक समभिनति में हुई, गंगा मैदान की रचना एक अग्रगर्त में हुई।

✷ भारत के पश्चिमी समुद्र तट का निर्माण हुआ है
—भूमि के उत्थान एवं निर्गमन के कारण

✷ सही सुमेलन है

दकन ट्रैप	-	**क्रिटेशियस-आदि नूतन**
पश्चिमी घाट	-	**उत्तर नूतन**
अरावली	-	**प्री-कैम्ब्रियन**
नर्मदा-ताप्ती	-	**अत्यंत नूतन**
जलोढ़ निक्षेप		

✷ केरल का कुट्टानाड (या कुट्टानाडु) प्रसिद्ध है
—भारत के न्यूनतम ऊंचाई वाले क्षेत्र के रूप में,
—इसे केरल का 'धान का कटोरा' कहा जाता है।
—FAO द्वारा इसे वैश्विक महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (GIAHS) घोषित किया गया है।

ii. उत्तर का पर्वतीय प्रदेश

✷ **कथन (A) :** हिमालय से निकलने वाली सभी नदियां सतत वाहिनी हैं।
कारण (R) : हिमालय अपनी वर्षा का अधिकांश दक्षिणी-पश्चिमी मानसून से प्राप्त करता है।
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

✷ **कथन (A) :** हिमालय से निकलने वाली नदियां सतत वाहिनी हैं।
कारण (R) : हिमालयन नदियों का उद्‌गम स्रोत हिमानियों में स्थित है।
—(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की पुष्टि करता है।

✷ हिमालय की रचना समांतर वलय श्रेणियों से हुई है, जिसमें से प्राचीनतम श्रेणी है **—वृहत हिमालय श्रेणी**

✷ उत्तर भारत में उप-हिमालय क्षेत्र के सहारे फैले समतल मैदान को कहा जाता है **—भाबर**

✷ हिमालय का पर्वत पदीय प्रदेश है **—शिवालिक**

✷ शिवालिक पहाड़ियां हिस्सा है **—हिमालय का**

✷ शिवालिक श्रेणी का निर्माण हुआ
—सेनोजोइक (प्लायोसीन) युग में

✷ शिवालिक श्रेणियों की ऊंचाई है
—850-1200 मीटर के मध्य

✷ 'शिवालिक' शैल समूह के दक्षिण में भाबर क्षेत्र उदाहरण है
—गिरिपद की स्थिति का

✷ उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, सिक्किम एवं हिमाचल प्रदेश में से हिमालय पर्वत श्रेणियां हिस्सा नहीं है **—उत्तर प्रदेश का**

✷ हिमालय के तरुण वलित पर्वत (नवीन मोड़दार पर्वत) के साक्ष्य कहे जा सकते हैं
—गहरे खड्ड, U घुमाव वाले नदी-मार्ग, समानांतर पर्वत श्रेणियां, भूस्खलन के लिए उत्तरदायी तीव्र ढाल प्रवणता

✷ नीचे दिए हुए जम्मू-कश्मीर के मानचित्र की जांच कीजिए–

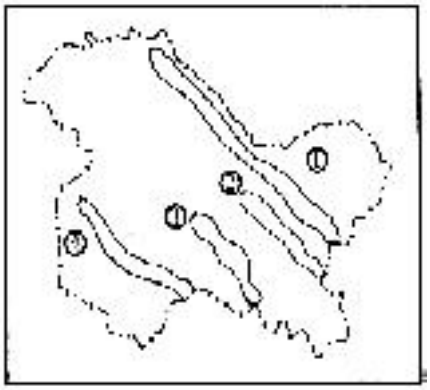

1, 2, 3 और 4 से अंकित पर्वत-श्रेणियां क्रमशः हैं
—काराकोरम, लद्‌दाख, जास्कर, पीर पंजाल

✷ लघु हिमालय स्थित है
—शिवालिक और महान हिमालय के मध्य में

✷ पश्चिमी भाग में हिमालय की श्रेणियों का दक्षिण से उत्तर की ओर सही क्रम है **—शिवालिक-लघु हिमालय-महान हिमालय**

✷ सबसे नवीन पर्वत श्रेणी है **—शिवालिक**

✷ दक्षिण भारत में नवीनतम चट्टान प्रणाली है **—गोंडवाना**

✷ उच्चावच आकृतियों का दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ते हुए सही क्रम हैं
—धौलाधर, जास्कर, लद्दाख और काराकोरम

✷ हिमालय में उत्तर दिशा की ओर के क्रम वाली पर्वत श्रेणी है
—पीर पंजाल पर्वत श्रेणी, जास्कर पर्वत श्रेणी, लद्दाख पर्वत श्रेणी, काराकोरम पर्वत श्रेणी

✷ हिमालय में पूर्व से पश्चिम की ओर पर्वत शिखरों का सही क्रम है
—कंचनजंगा, एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, धौलागिरि

✷ पूर्वी हिमालय की तुलना में ट्री-लाइन का ऊंचाई मान पश्चिमी हिमालय में होता है **—कम**

✷ हिमालय की पहाड़ी शृंखला में ऊंचाई के साथ-साथ इन कारणों से वनस्पति में परिवर्तन आता है
—तापमान में गिरावट, वर्षा में बदलाव, मिट्टी का अनउपजाऊ होना

✷ उत्पत्ति की दृष्टि से सबसे नवीनतम पर्वत श्रेणी है-
—पटकाई श्रेणियां (हिमालय)

✷ नगालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर एवं मिजोरम राज्यों में से पटकाई पहाड़ियों से संलग्न नहीं है **—त्रिपुरा**

✷ पीर पंजाल श्रेणी पाई जाती है **—जम्मू एवं कश्मीर में**

✷ कश्मीर घाटी स्थित है
—वृहत् हिमालय व पीर पंजाल श्रेणियों के मध्य

✷ अक्साई चिन का भाग है **—लद्दाख पठार**

✷ पश्चिमी हिमालय संसाधन प्रदेश के प्रमुख संसाधन हैं **—वन**

✷ ग्रेट हिमालय की ऊंचाई है **—8850 मी. ए.एस.एल. (8848 मी.)**

✷ हिमाचल पर्यायवाची है **—मध्य हिमालय का**

iii. दक्षिण एवं मध्य भारत की पर्वत श्रेणियां एवं पहाड़ियां

- भारत में सबसे प्राचीन पर्वत शृंखला है **—अरावली**
- राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा एवं आंध्र प्रदेश राज्यों में से अरावली श्रेणियां स्थित हैं **—राजस्थान में**
- अरावली श्रेणियों (Aravallis Ranges) की अनुमानित आयु है **—570 मिलियन वर्ष**
- 'रेजीड्युल पर्वत' का उदाहरण है **—अरावली**
- दक्षिण भारत की सबसे ऊंची चोटी है **—अनाइमुडी**
- भारतीय प्रायद्वीप की सबसे ऊंची चोटी है **—अनाइमुडी**
- नर्मदा एवं ताप्ती नदियों के मध्य स्थित है **—सतपुड़ा श्रेणियां**
- उत्तर से शुरू कर दक्षिण की ओर पहाड़ियों का सही अनुक्रम है **—नल्लामलाई पहाड़ियां—जवादी पहाड़ियां—नीलगिरि पहाड़ियां—अन्नामलाई पहाड़ियां**
- पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट मिलते हैं **—नीलगिरि पहाड़ियों में**
- कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु राज्यों के मिलन स्थल पर स्थित है **—नीलगिरि पहाड़ियां**
- नीलगिरि पर्वतमाला स्थित है **—केरल, कर्नाटक एवं तमिलनाडु राज्यों में**
- भारतीय समुद्रशास्त्रियों ने अरब सागर के तल में, मुंबई से पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में लगभग 455 किलोमीटर दूर, एक नए 1505 मीटर ऊंचे पर्वत की खोज की है। इस पर्वत का नाम रखा गया है **—रमन सागर पर्वत**
- अरावली, सतपुड़ा, अजंता और सह्याद्रि पर्वत श्रेणियों में से वह जो केवल एक ही राज्य में विस्तृत है **—अजंता पर्वत श्रेणी (महाराष्ट्र)**
- महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं गोवा में पश्चिमी घाट कहलाते हैं **—सह्याद्रि (Sahyadri)**
- पहाड़ियों का दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ते हुए सही अनुक्रम हैं **— सतमाला पहाड़ियां, पीर पंजाल श्रेणी, नागा पहाड़ियां, कैमूर पहाड़ियां**
- कार्डामम पहाड़ियां जिन राज्यों की सीमाओं पर स्थित हैं, वह हैं **—केरल एवं तमिलनाडु**
- शेवराए पहाड़ियां अवस्थित हैं **—तमिलनाडु में**
- बालाघाट श्रेणी, हरिश्चंद्र श्रेणी, मांडव पहाड़ियों तथा सतमाला पहाड़ियों में से महाराष्ट्र में स्थित नहीं है **—मांडव पहाड़ियां**
- सही सुमेलन है

(पहाड़ियां)		(क्षेत्र)
महादेव पहाड़ियां	-	मध्य भारत
मिकिर पहाड़ियां	-	पूर्वोत्तर भारत

- महादेव पहाड़ियां भाग है **—सतपुड़ा पर्वत श्रेणी का**
- धूपगढ़ चोटी स्थित है **—सतपुड़ा रेंज में**
- रामगिरि की पहाड़ियां भाग हैं- **—पूर्वी घाट या महेंद्र पर्वत का**

iv. पर्वत चोटियां

- 'माउंट एवरेस्ट' स्थित है **—नेपाल में**
- सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है **—माउंट एवरेस्ट**
- प्रथम भारतीय नारी जो एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने में सफल हुई थी, **—बछेन्द्री पाल**
- माउंट एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने वाली पहली महिला थीं **—जुंको ताबेई**
- दो बार माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने वाली महिला पर्वतारोही हैं **—संतोष यादव**
- एवरेस्ट पर चढ़ने वाली द्वितीय भारतीय महिला हैं **—संतोष यादव**
- भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी है **—K_2 गॉडविन ऑस्टिन**
- हिमालय की ऊंची चोटी कंचनजंगा स्थित है**—नेपाल एवं सिक्किम में**
- नंदा देवी चोटी **—गढ़वाल हिमालय का भाग है**
- नंदा देवी शिखर स्थित है **—उत्तराखंड में**
- गुरु शिखर पर्वत चोटी अवस्थित है **—राजस्थान में**
- अरावली का उच्चतम शिखर है **—गुरु शिखर**
- हिमालय की चोटियों का पूर्व से पश्चिम दिशा में सही क्रम है **—नमचा बरवा, कंचनजंगा, माउंट एवरेस्ट, नंदा देवी**
- गोसांई थान, कामेट, नंदा देवी एवं त्रिशूल पर्वत शिखरों में से भारत में अवस्थित पर्वत शिखर नहीं है **—गोसांई थान**
- सही सुमेलित है **—माउंट आबू-अरावली पहाड़ियां, —कोडाईकनाल-पलनी पहाड़ियां, —उटकमंड-नीलगिरि पहाड़ियां, —शिमला-धौलाधार श्रेणी**

v. घाटियां

- कुल्लू घाटी जिन पर्वत श्रेणी के बीच अवस्थित है, वे हैं **—धौलाधार तथा पीर पंजाल**
- नेलांग घाटी स्थित है **—उत्तराखंड राज्य में**
- सही सुमेलन है

सूची-I (घाटी)		सूची-II (राज्य)
मर्खा घाटी	-	जम्मू और कश्मीर
जुकू घाटी	-	नगालैंड
सांगला घाटी	-	हिमाचल प्रदेश
यूथांग घाटी	-	सिक्किम

- निम्नलिखित कथन सही हैं **—मौन घाटी (साइलेंट वैली) राष्ट्रीय वन के निकट पथरक्कडावु जलविद्युत परियोजना बनाने का प्रस्ताव है, —कुंती नदी मौन घाटी (साइलेंट वैली) के वर्षा-प्रचुर वनों से उद्भूत होती है।**

vi. दर्रे

- से ला दर्रा स्थित है **—अरुणाचल प्रदेश में**
- पालघाट स्थित है **—नीलगिरि और अन्नामलाई पहाड़ियों के मध्य में**
- भोर घाट स्थित है **—महाराष्ट्र में**
- लिपु लेख दर्रा स्थित है **—उत्तराखंड में**
- लेह जाने का रास्ता है **—जोजिला दर्रे से**
- नाथू ला दर्रा स्थित है **—सिक्किम में**
- वर्ष 2006 के लगभग मध्य में भारत और चीन के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए पुनः खोला गया **—नाथूला दर्रा**
- सही सुमेलन है

सूची-I (पहाड़ी दर्रा)		**सूची-II** (राज्य)
माणा	-	**उत्तराखंड**
जोजिला	-	**जम्मू एवं कश्मीर**
बनिहाल	-	**जम्मू एवं कश्मीर**
नाथूला	-	**सिक्किम**
नीति	-	**उत्तराखंड**

- सही सुमेलन है

सूची-I (पर्वतीय दर्रा)		**सूची-II** (राज्य)
बुम ला	-	**अरुणाचल प्रदेश**
जेलेप ला	-	**सिक्किम**
मुलिंग ला	-	**उत्तराखंड**
शिपकी ला	-	**हिमाचल प्रदेश**

- रोहतांग दर्रा अवस्थित है **—हिमाचल प्रदेश में**
- 'माना दर्रा' स्थित है **—उत्तराखंड में**
- पर्वतीय दर्रों का पश्चिम से पूर्व का सही क्रम है **—शिपकी-ला, लिपु लेख, नाथू ला, बोमडी ला**

vii. हिम रेखा एवं हिमनद

- हिमालय में हिम रेखा है **—4300 से 6000 मीटर के बीच पूर्व में**
- सबसे बड़ा हिमनद है **—सियाचिन**
- चौराबाड़ी ग्लेशियर स्थित है **—केदारनाथ मंदिर के उत्तर में**
- हिमालय के हिमनदों के पिघलने की गति **—सबसे अधिक है**
- उत्तराखंड के कुमाऊं प्रक्षेत्र में अवस्थित हिमनद है **—मिलाम हिमनद**

viii. पठार

- भारत के दक्कन के पठार पर बैसाल्ट-निर्मित लावा शैलों का निर्माण हुआ है **—क्रिटेशियस युग में**
- मेघालय का पठार भाग है **—प्रायद्वीपीय खंड का**
- भारत के अतिरिक्त प्रायद्वीपीय पर्वत निर्मित हुए **—पैलियोजोइक महाकल्प में**
- छोटानागपुर पठार का सर्वाधिक घना बसा जिला धनबाद है **—खनन उद्योग का विकास तथा औद्योगीकरण के कारण**
- छोटानागपुर पठार है **—एक अग्रगंभीर**
- नीचे दिए गए मानचित्र पर विचार कीजिए–

मानचित्र में A, B, C तथा D द्वारा अंकित स्थान क्रमशः हैं– **—रिफ्ट घाटी क्षेत्र, छत्तीसगढ़ मैदान, छोटा नागपुर पठार और वर्षा छाया क्षेत्र**

- मालवा का पठार, छोटा नागपुर का पठार, दक्कन का पठार तथा प्रायद्वीप का पठार में से अरावली एवं विंध्य शृंखलाओं के मध्य स्थित पठार है **—मालवा का पठार**
- दंडकारण्य क्षेत्र अवस्थित है **—छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा में**
- दंडकारण्य भारत में स्थित है **—मध्यवर्ती क्षेत्र में**

ix. तटीय भाग

a. भारत की तटरेखा

- भारत का औसत समुद्र तल नापा जाता है **—चेन्नई तट से**
- भारत के प्रादेशिक जल क्षेत्र का विस्तार है **—तट से 12 समुद्री मील तक**
- भारत की तटरेखा की कुल लंबाई है **— लगभग 7500 किमी.**
- भारत में सबसे अधिक लंबा समुद्री तट है **—गुजरात राज्य का**
- भारत में तटरेखा से लगे राज्य हैं **—9**
- प्राचीन भारतीय ऐतिहासिक भूगोल में 'रत्नाकर' नाम सूचक था **—हिंद महासागर का**

b. पश्चिमी तट

- भारतवर्ष के पश्चिम तटीय शहरों कन्नूर, नागरकोइल, जंजीरा एवं सिंधुदुर्ग का उत्तर से दक्षिण सही क्रम है **—जंजीरा, कन्नूर, नागरकोइल, सिंधुदुर्ग**
- ''आपको यत्र-तत्र कुछ अनोखे डेनमार्कवासी मिल जाएंगे, परंतु उसका कारण यह है कि–डेनमार्क की चौकी हुआ करती थी, यह अनूठा नगर, उसका दुर्ग और सुंदर गिरजाघर, नया जेरूशलम, सूनी सड़कें और उजड़ तटाग्र सब मिलकर अद्‌भुत रत्न बन जाते हैं।'' इस उक्ति में वर्णित स्थान है **—तमिलनाडु तट पर**

✷ नीचे दिए हुए मानचित्र पर ध्यान दीजिए–

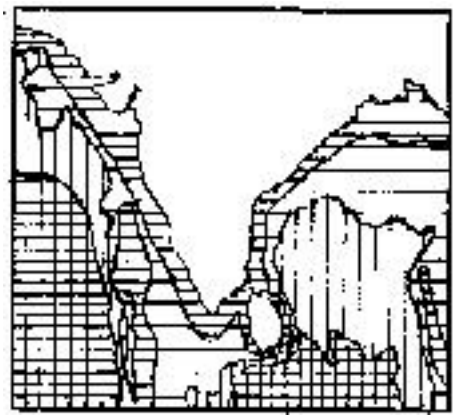

भारत के तटीय क्षेत्र पर के ये भाग द्योतित करते हैं–
–अंतर्जलीय उच्चावच रेखा

✷ जंजीरा, उडुपी, ओरोविले तथा तूतीकोरिन शहरों में से भारत के पश्चिमी तट पर अवस्थित शहर हैं **–जंजीरा, उडुपी**

✷ सुमेलित है

सूची-I (सागर पुलिन)		सूची-II (राज्य)
दीघा	-	पश्चिम बंगाल
गोपालपुर	-	ओडिशा
कलांगुट	-	गोवा
मरीना	-	तमिलनाडु

✷ तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश के तट का नाम है **–कोरोमंडल**

✷ भारत के तटों में कृष्णा डेल्टा एवं केप कॉमोरिन के मध्य स्थित है **–कोरोमंडल तट**

✷ 'केप कॉमोरिन' के नाम से भी जाना जाता है **–कन्याकुमारी**

x. द्वीपसमूह

a. बंगाल की खाड़ी के द्वीपसमूह

✷ अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह का सर्वोच्च शिखर 'पल्याण शिखर' (सैंडल पीक) स्थित है **–उत्तरी अंडमान में**

✷ अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह स्थित है **–बंगाल की खाड़ी में**

✷ अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में द्वीपों की संख्या है **–220**

✷ दस डिग्री चैनल पृथक करता है **–अंडमान को निकोबार द्वीप से**

✷ 'दश अंश जलमार्ग' द्वारा आपस में पृथक किया जाता है **–अंडमान एवं निकोबार को**

✷ बैरेन द्वीप अवस्थित है **–बंगाल की खाड़ी में**

✷ भारत के पश्चिमी तटीय मैदान के उत्तरी भाग को जिस अन्य नाम से भी जाना जाता है, वह है **–कोंकण**

✷ भारत का वह द्वीप जिसका उद्‌गम ज्वालामुखीय है **–बैरन द्वीप का**

✷ श्रीहरिकोटा द्वीप अवस्थित है **–पुलिकट झील के समीप**

✷ रामसेतु (Adam's Bridge) शुरू होता है **–धनुष्कोडि से**

b. अरब सागर के द्वीपसमूह

✷ लक्षद्वीप स्थित है **–अरब सागर में**

✷ भारत का प्रवाल द्वीप है **–लक्षद्वीप**

✷ लक्षद्वीप टापू अवस्थित है **–दक्षिण-प. भारत में**

✷ द्वीपों का समूह लक्षद्वीप है **–प्रवाल उत्पत्ति का**

✷ लक्षद्वीप में हैं **–36 द्वीप**

✷ भटकल, अरनाला, मिनीकॉय एवं हैनरी द्वीपों में से भारतीय तटरेखा के सुदूरवर्ती द्वीप की श्रेणी में आता है **–मिनीकोय द्वीप**

✷ भारत एवं श्रीलंका के मध्य स्थित द्वीप है **–रामेश्वरम**

✷ एक द्वीप पर निर्मित भारत का बड़ा नगर है **–मुंबई**

✷ भारत का सर्वाधिक आबादी वाला द्वीप है **–सालसेत**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (द्वीप)		सूची-II (अवस्थिति)
वेयंत शयोधर	-	कच्छ की खाड़ी
पिरम	-	खंभात की खाड़ी
द्वारका	-	अरब सागर तट
दीव	-	काठियावाड़ तट

✷ कोरी क्रीक (निवेशिका) स्थित है **–कच्छ के रन में**

✷ सर क्रीक विवाद है **–भारत-पाकिस्तान देशों के मध्य**

भारत के राज्य/केंद्रशासित प्रदेश

i. राज्य

✷ लातूर जिला है **–महाराष्ट्र में**

✷ 'विदर्भ' एक प्रादेशिक नाम है भारत में, और यह अंग है **–महाराष्ट्र का**

✷ 'पाट' अंचल (Pat Region) अवस्थित है **–झारखंड में**

✷ झुमरी तलैया (रेडियो पर गीतों की फरमाइश के लिए प्रसिद्ध) स्थित है **–झारखंड में**

✷ 'भारत का कोहिनूर' कहा जाता है **–आंध्र प्रदेश को**

✷ मणिपुर का अधिकांश धरातल है **–पर्वतीय**

✷ मणिपुर में कुछ लोग लटकी हुई गाद (Silt) से बंधे अपतृण (Weeds) और सड़ती वनस्पति के तैरते हुए द्वीपों (Floating Island) पर बने हुए मकानों में रहते हैं, इन द्वीपों को कहते हैं **–फूमडि**

✷ भारत में 'सिलिकॉन स्टेट' के नाम से जाना जाता है **–कर्नाटक को**

✷ भारत में सिलिकॉन वैली स्थित है **–बंगलुरू में**

✷ सही सुमेलित है

औरंगाबाद	-	महाराष्ट्र
पाल्नपुर	-	गुजरात
हुबली	-	कर्नाटक
गुंटूर	-	आंध्र प्रदेश

✷ सुमेलित है

छत्तीसगढ़	**-**	**छत्तीसगढ़ मैदान**
झारखंड	**-**	**छोटानागपुर पठार**
महाराष्ट्र	**-**	**वृष्टिछाया प्रदेश**
कर्नाटक	**-**	**मालनड**

✷ अम्बाला, खुर्जा, करनाल एवं रोहतक में से राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश में अवस्थित हैं **—खुर्जा, करनाल और रोहतक**

✷ दिल्ली के अतिरिक्त राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सम्मिलित है **—हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान के भाग (उपक्षेत्र)**

✷ मध्य प्रदेश की सीमा लगी है **—पांच राज्यों (गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र) से**

✷ क्षेत्रफल के क्रम में भारत के चार बड़े राज्य हैं **—राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश**

✷ भारत के समस्त राज्यों में क्षेत्रफलानुसार उत्तर प्रदेश का स्थान है **—चौथा**

✷ भारत के राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड का उनके क्षेत्रफल के अवरोही क्रम में सही क्रम है **—छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड**

✷ कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र का उनके भौगोलिक क्षेत्र के अनुसार घटता क्रम है **—राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु**

✷ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं उत्तराखंड राज्यों में क्षेत्रफल में सबसे छोटा है **—उत्तराखंड**

✷ भारत का लगभग 30 प्रतिशत क्षेत्र तीन राज्यों में समाहित है। ये तीन राज्य हैं **—राजस्थान,मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र**

✷ भारत में जनसंख्या के अनुसार, तीसरा एवं क्षेत्रफल में बारहवां राज्य है **—बिहार**

✷ उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती राज्य हैं **— हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार एवं उत्तराखंड तथा केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली**

✷ असम घिरा हुआ है **—7 राज्यों से**

✷ महाराष्ट्र, बिहार, ओडिशा एवं आंध्र प्रदेश में से छत्तीसगढ़ की सीमा उभयनिष्ठ नहीं है **—बिहार के साथ**

✷ दिल्ली, जोधपुर, नागपुर एवं बंगलुरू में से माध्य समुद्र तल से ऊंचाई अधिकतम है **—बंगलुरू की**

✷ राजस्थान के मरुक्षेत्र के लिए सही कथन है **—यह विश्व का सबसे घना बसा मरुस्थल है, यह लगभग 10,000 वर्ष पुराना है, जिसका कारण अत्यधिक मानवीय हस्तक्षेप रहा है, यहां केवल 40 से 60 प्रतिशत क्षेत्र ही कृषि हेतु उपयुक्त है, शुद्ध बोए गए क्षेत्र में वृद्धि के कारण चरागाह क्षेत्र के विस्तार पर कुप्रभाव पड़ा है।**

✷ भारत का एक विशेष राज्य, जो युक्त है इन विशेषताओं से
(i) यह उसी अक्षांश पर स्थित है, जो उत्तरी राजस्थान से होकर जाता है।
(ii) इसका 80 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र वन आवरणांतर्गत है।
(iii) 12 प्रतिशत से अधिक वनाच्छादित क्षेत्र इस राज्य के रक्षित क्षेत्र नेटवर्क के रूप में है। **—अरुणाचल प्रदेश**

✷ उत्तर-पूर्वी राज्यों की 'सात बहनों' का भाग नहीं है **—पश्चिम बंगाल**

✷ वर्ष 1953 में, जब आंध्र राज्य एक अलग राज्य बना, तब उसकी राजधानी थी **—कुर्नूल**

✷ सबसे अधिक जिले हैं **—उत्तर प्रदेश में**

✷ सोनभद्र जिले को स्पर्श करती हैं **—चार राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) की सीमाएं**

✷ चार दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में से सबसे अधिक भारतीय राज्यों के साथ सीमावर्ती है **—आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में से प्रत्येक**

✷ तेलंगाना राज्य की सीमा बनाता है **—आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़**

✷ मणिपुर की राजधानी है **—इम्फाल**

✷ गुजरात की राजधानी है **—गांधीनगर**

✷ राजस्थान की राजधानी है **—जयपुर**

✷ अरुणाचल प्रदेश की राजधानी है **— ईटानगर**

✷ भारत के उनतीसवें राज्य (तेलंगाना) की राजधानी है **—हैदराबाद**

✷ मिजोरम की राजधानी है **—आइजोल**

✷ चंडीगढ़, भुवनेश्वर, बंगलुरू एवं गांधीनगर में से सुनियोजित राजधानी नगर नहीं है **—बंगलुरू**

✷ सही सुमेलन है

असम	**-**	**दिसपुर**
नगालैंड	**-**	**कोहिमा**
मेघालय	**-**	**शिलांग**

ii. केंद्रशासित प्रदेश

✷ भारत में केंद्रशासित राज्यों की संख्या है **—7**

✷ भारत का सबसे बड़ा संघ राज्य है **—दिल्ली**

✷ भारत का सबसे छोटा केंद्रशासित क्षेत्र है **—लक्षद्वीप**

✷ पुडुचेरी का क्षेत्र विभाजित पाया जाता है **—तमिलनाडु, केरल एवं आंध्र प्रदेश राज्यों में**

✷ त्रिपुरा, दमन एवं दीव, लक्षद्वीप एवं पुडुचेरी में से केंद्रशासित क्षेत्र नहीं है **—त्रिपुरा**

✷ दमन और दीव के बारे में सत्य कथन है **—दमन और दीव के बीच खम्भात की खाड़ी है, इसकी राजधानी दमन है।**

✷ सिलवासा राजधानी है **—दादरा एवं नगर हवेली की**

✷ भारत के केंद्रशासित प्रदेश हैं **—दिल्ली, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, दादरा एवं नगर हवेली, पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा दमन व दीव।**

प्रजाति/जनजातियां

✷ ''ये पीले वर्ण के, तिर्यक नेत्र, उठी हुई कपोल अस्थि, छुटपुट केश और मध्यम ऊंचाई वाले व्यक्ति होते हैं।'' इसका संदर्भ है
—मंगोलायड जनों से

✷ उत्तर-पूर्वी भारत के पहाड़ी एवं जंगली क्षेत्रों में प्रजातीय समूह पाया जाता है **—मंगोलायड**

✷ प्रोटो-ऑस्ट्रेलॉयड प्रजाति से संबंधित भारतीय जनजाति है **—संथाल**

✷ भारत में जो एकमात्र मानवाभ कपि पाया जाता है, वह है
—असम का श्वेतभौं गिबन

✷ राज्य जिसमें जनजातीय समुदाय की पहचान नहीं की गई है, वह है
—हरियाणा

✷ सही सुमेलन है

जनजाति		मूल राज्य
थारू	-	उत्तराखंड
भोटिया	-	सिक्किम
मुंडा	-	झारखंड
कोल	-	महाराष्ट्र

✷ वह जनजाति जो दिवाली को शोक का त्योहार मानती है **—थारू**

✷ 'थारू' लोगों का निवास है **—उत्तर प्रदेश में**

✷ सुमेलित है

जनजाति		राज्य
लिम्बू	-	सिक्किम
कार्बी	-	असम
डोंगरिया कोंध	-	ओडिशा
बोंडा	-	ओडिशा

✷ अबोर, गद्दी, लेप्चा तथा थारू जनजातियों में से धौलाधर श्रेणी क्षेत्र की प्रमुख जनजाति है **—गद्दी**

✷ गद्दी (Gaddi) लोग निवासी हैं **—हिमाचल प्रदेश के**

✷ संथाल निवासी हैं **—पूर्वी भारत के**

✷ ऋतु-प्रवास किया करते हैं **—भूटिया**

✷ बोडो निवासी (Inhabitants) हैं **—गारो पहाड़ी के**

✷ गारो जनजाति है **—मेघालय, असम एवं मिजोरम की**

✷ 'खासी' एवं 'गारो' भाषा बोलने वाली जनसंख्या पाई जाती है
—मेघालय, असम एवं मिजोरम राज्यों में

✷ चेंचू, लेप्चा, डफला एवं डाफर जनजातियों में से केरल में पाई जाने वाली जनजाति है **— चेंचू**

✷ भारत की सबसे बड़ी जनजाति है **—भील जनजाति**

✷ टोडा एक जनजाति है, जो निवास करती है
—नीलगिरि की पहाड़ियों पर

✷ एक जनजाति, जो सरहुल त्योहार मनाती है, **—मुंडा**

✷ उत्तराखंड की सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति है **—जौनसारी**

✷ मिजोरम में बस्ती संरूप मुख्यत: कटकों के साथ-साथ 'रैखिक-प्रतिरूप' का है, क्योंकि **—घाटियां कटकों की अपेक्षा ठंडी हैं**

✷ सही सुमेलित है

भोटिया	-	उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश
खासी	-	मेघालय
संथाल	-	झारखंड
टोडा	-	तमिलनाडु

✷ सुमेलित है

बिहू	-	असम
ओणम	-	केरल
पोंगल	-	तमिलनाडु
बैसाखी	-	पंजाब

✷ सही सुमेलित है

राज्य		मुख्य भाषा
गोवा	-	कोंकणी
मेघालय	-	खासी
सिक्किम	-	लेप्चा

✷ सुमेलित है

अंगामी	-	नगालैंड
आपातानी	-	अरुणाचल प्रदेश
भोटिया	-	उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड
गोंड	-	मध्य प्रदेश

✷ भील जाति पाई जाती है
—महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में

✷ बहुपतित्व की प्रथा मानी जाती है **—जौनसारी, टोडा, खस, कोटा, बोटा, तिवान, इरावा एवं नायर जनजातियों में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (जनजाति)		सूची-II (निवास स्थल)
भील	-	राजस्थान
संथाल	-	झारखंड
राजी	-	उत्तराखंड

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (जनजाति)		सूची-II (क्षेत्र)
बीरहोर	-	झारखंड
भूटिया	-	सिक्किम
टोडा	-	तमिलनाडु
सेंटिनेलीज	-	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
टोडा	-	तमिलनाडु
लेप्चा	-	सिक्किम
बीरहोर	-	झारखंड
गारो	-	मेघालय

✷ सहरिया जनजाति के लोग, जो हाल में चर्चा में थे, निवासी हैं
—राजस्थान के

✷ सुमेलित है

सूची-I (जनजाति)		सूची-II (निवास स्थान)
जौनसारी	**–**	**उत्तराखंड**
भील	**–**	**मध्य प्रदेश**

✷ भारत में जनजातियों के निर्धारण का आधार है **—सांस्कृतिक विशेषीकरण और विभिन्न आवास**

✷ सुमेलित है

पहाड़ी कोरबा	**–**	**जशपुर**
बैगा	**–**	**मंडला**
मारिया	**–**	**पातालकोट (छिंदवाड़ा)**
सहरिया	**–**	**ग्वालियर**

✷ सुमेलित कीजिए जिस राज्य से वे सम्बन्धित हैं

मोपला	**–**	**केरल**
मुरिया	**–**	**छत्तीसगढ़**
टोडा	**–**	**तमिलनाडु**
मुंडा	**–**	**झारखंड**

✷ भारत के 'चांग्पा' समुदाय के संदर्भ में सही कथन है- **—वे अच्छे किस्म का ऊन देने वाले पश्मीना बकरों-बकरियों को पालते हैं, उन्हें अनुसूचित जनजातियों की श्रेणी में रखा जाता है।**

✷ निवास-स्थानों के युग्मों में सही सुमेलित है

बुक्सा	-	**पौड़ी-गढ़वाल**
कोल	-	**जबलपुर**
मुंडा	-	**छोटानागपुर**
कोरबा	-	**छत्तीसगढ़**

✷ राज्यों और जनजातियों के युग्मों में सही सुमेलित है

असम	-	**मीरी**
नगालैंड	-	**कोन्यक**
अरुणाचल प्रदेश	-	**अप्तानी**
राजस्थान	-	**लंबाडा**

✷ जुलू जनजाति निवास करती है **—दक्षिण अफ्रीका में**

✷ सही सुमलेन है

छिंदवाड़ा	**–**	**भारिया**
मंडला	**–**	**गोंड**
झाबुआ	**–**	**भील**
शिवपुरी	**–**	**सहरिया**

✷ 'लोहासुर' को अपना देवता मानती है **—अगरिया जनजाति**

✷ शोम्पेन जनजाति पाई जाती है **—निकोबार द्वीपसमूह में**

✷ केंद्रशासित प्रदेशों में से औंज जनजाति के लोग रहते हैं **—अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में**

✷ जारवा जनजाति के लोग, जो हाल में चर्चा में रहे, निवासी हैं **—अंडमान निकोबार के**

✷ भारत की सर्वाधिक आद्य जनजाति है **—जारवा**

✷ मंगानियार के नाम से जाना जाने वाला लोगों का समुदाय **—पश्चिमोत्तर भारत में अपनी संगीत परंपरा के लिए विख्यात है।**

✷ झूमिंग करते हैं **—खासी जनजाति के लोग**

भाषाएं

✷ भारतीय उपमहाद्वीप में बोली जाने वाली भाषाओं में बोलने वालों की सर्वाधिक संख्या के आधार पर हिंदी के बाद नंबर आता है **—बांग्ला भाषा का**

✷ आस्ट्रिक समूह की भाषा है **—खासी**

✷ भारत का सबसे बड़ा भाषायी समूह है **—इंडो-आर्यन**

✷ नीचे दिए गए मानचित्र पर विचार कीजिए–

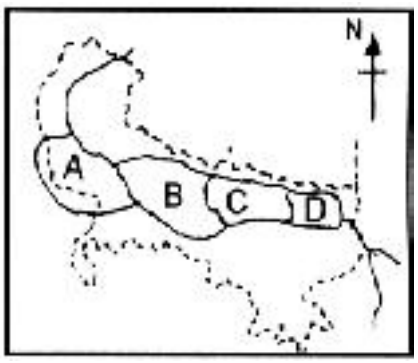

A,B,C तथा D द्वारा अंकित क्षेत्रों में मुख्यतः बोली जाने वाली भाषाएं क्रमशः हैं **—ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी तथा मैथिली**

अपवाह तंत्र

i. गंगा नदी तंत्र

✷ गंगा नदी उदाहरण है **—पूर्ववर्ती अपवाह का**

✷ बांग्लादेश में गंगा नदी को पुकारा जाता है **—पद्मा**

✷ सुंदरबन डेल्टा का निर्माण करने वाली नदियां हैं **—गंगा और ब्रह्मपुत्र**

✷ **कथन (A) :** गंगा बहुत ही प्रदूषित नदी है।
कारण (R) : जो नदी जितनी पवित्र होती है, वह उतनी ही अधिक प्रदूषित होती है **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है**

✷ गंगा की जलोढ़ मृदा की गहराई भूमि सतह के नीचे लगभग **—6000 मीटर तक होती है**

✷ सत्य कथन हैं **—देव प्रयाग अलकनंदा एवं भागीरथी नदी के संगम पर स्थित है, रुद्र प्रयाग अलकनंदा एवं मंदाकिनी नदी के संगम पर अवस्थित है, अलकनंदा नदी बद्रीनाथ से बहती है।**

✷ सुमेलित है

सूची-I (स्थल)		सूची-II (नदियों का संगम)
रुद्र प्रयाग	–	अलकनंदा-मंदाकिनी
नंद प्रयाग	–	अलकनंदा-मंदाकिनी
कर्ण प्रयाग	–	अलकनंदा-पिंडर
देव प्रयाग	–	अलकनंदा-भागीरथी

✷ अलकनंदा तथा भागीरथी का संगम होता है **—देवप्रयाग में**

✷ मंदाकिनी नदी जल प्रवाह अथवा मुख्य नदी संबंधित है
—अलकनंदा से

✷ केदारनाथ से रुद्र प्रयाग के मध्य बहती है **—मंदाकिनी नदी**

✷ वह नदी का तट जिस पर बद्रीनाथ का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है
—अलकनंदा

✷ भारत की सबसे बड़ी वाह नदी है **—गंगा**

✷ भागीरथी नदी निकलती है **—गोमुख से**

✷ गंगा नदी की एकमात्र सहायक नदी जिसका उद्‌गम मैदान में है
—गोमती

✷ **कथन (A) :** दिल्ली और आगरा के मध्य वर्ष के अधिकांश समय में यमुना नदी मृत हो जाती है।
कारण (B) : यमुना असतत वाहिनी नदी है।
—(A) सही है, परंतु (R) गलत है

✷ बेतवा, चम्बल, केन तथा रामगंगा नदियों में से यमुना की सहायक नदी नहीं है **—रामगंगा**

✷ यमुना नदी का उद्‌गम स्थान है **—बंदरपूंछ चोटी**

✷ बेतवा नदी मिलती है **—यमुना से**

✷ गंगा की वह सहायक नदी जो उत्तर वाहिनी है **—सोन**

✷ गंगा नदी में बाएं से नहीं मिलती है **—सोन नदी**

✷ यमुना और सोन के मध्य जलविभाजक का कार्य करने वाली श्रेणी है
—कैमूर श्रेणी

ii. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र

✷ तिब्बत में उत्पत्ति पाने वाली ब्रह्मपुत्र, इरावदी और मेकांग नदियां अपने ऊपरी पाटों में संकीर्ण और समांतर पर्वत श्रेणियों से होकर प्रवाहित होती हैं। इन नदियों में ब्रह्मपुत्र भारत में प्रविष्ट होने से ठीक पहले अपने प्रवाह में एक यू-टर्न (U-turn) लेती है। यह यू-टर्न बनता है
—भूवैज्ञानिकीय तरुण हिमालय के अक्षसंघीय नमन के कारण

✷ भारत में 'यरलूंग जंगबो नदी' को जाना जाता है **—ब्रह्मपुत्र नाम से**

✷ तिब्बत में मानसरोवर झील के पास जिस नदी का स्रोत है, वह है
—ब्रह्मपुत्र, सतलज, सिंधु

✷ अरुणाचल प्रदेश से होकर बहने वाली नदियां हैं
—लोहित और सुबनसिरि

✷ मानस नदी सहायक नदी है **—ब्रह्मपुत्र की**

✷ ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत में जानी जाती है **—सांग्पो नाम से**

✷ ब्रह्मपुत्र नदी का बहाव क्षेत्र है **—तिब्बत, बांग्लादेश, भारत**

✷ ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी है/नदियां हैं **—दिबांग, कमेंग, लोहित**

✷ वह नदियां जिनका स्रोत बिंदु लगभग एक ही है **—ब्रह्मपुत्र और सिंधु**

iii. दक्षिण भारत की नदियां

✷ **कथन (A) :** पश्चिमी घाट की नदियां डेल्टा का निर्माण नहीं करती हैं।
कारण (R) : वे छोटे मार्ग से तीव्र गति से कड़ी (कठोर) चट्टानों के ऊपर से प्रवाहित होती हैं। **—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है**

✷ **कथन (A) :** प्रायद्वीपीय भारत की सभी प्रमुख नदियां बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं, परंतु नर्मदा तथा तापी नदियां अरब सागर में गिरती हैं।
कारण (R) : नर्मदा और तापी नदियां विभ्रंश घाटी से होकर बहती हैं। **—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है**

✷ नर्मदा नदी पश्चिम की ओर बहती है, जबकि अधिकांश अन्य प्रायद्वीपीय बड़ी नदियां पूर्व की ओर बहती हैं, क्योंकि
—यह एक रेखीय विभ्रंश (रिफ्ट) घाटी में विस्तृत है।

✷ नर्मदा घाटी जिन पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित है, वह हैं
—विंध्य और सतपुड़ा

✷ **कथन (A) :** नर्मदा अपने मुहाने पर डेल्टा का निर्माण करती है।
कारण (R) : वह एक भ्रंश घाटी में बहती है।
—(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ भारत की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियां जो डेल्टा का निर्माण नहीं करती है **—नर्मदा, ताप्ती, पेरियार**

✷ कृष्णा, गोदावरी, तापी एवं कावेरी नदियों में से वह नदी जो भ्रंश घाटी से होकर प्रवाहित होती है **—तापी**

✷ राजनंदगांव, रायपुर, बस्तर एवं कोरबा जनपदों में से नर्मदा बेसिन का भाग है **—राजनंदगांव**

✷ अमरकंटक से उद्‌गम होता है **—नर्मदा नदी का**

✷ नर्मदा घाटी उदाहरण है **—भ्रंश घाटी का**

✷ 'रिफ्ट' घाटी या भ्रंश-द्रोणी (Fault Trough) से होकर बहने वाली नदी है **—नर्मदा**

✷ पश्चिम वाहिनी नदियों में दो पर्वत श्रेणियों के बीच बहने वाली नदी है
—नर्मदा

✷ 'तवा' सहायक नदी है **—नर्मदा की**

✷ गोदावरी, ताप्ती, कृष्णा एवं महानदी में से अरब सागर में गिरने वाली नदी है **—ताप्ती**

✷ वह नदी जो तीन बार दो धाराओं में विभक्त हो जाती है और कुछ मील आगे जाकर पुनः मिल जाती है और इस प्रकार श्रीरंगपट्टनम, शिवसमुद्रम और श्रीरंगम के द्वीपों का निर्माण करती है **—कावेरी**

✷ कावेरी नदी का उद्‌गम है **—ब्रह्मगिरि पहाड़ियों में**

✷ कावेरी नदी जिन राज्यों से होकर गुजरती है, वह हैं
—कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु

✷ दक्षिण की गंगा कहा जाता है **—कावेरी को**

✷ कृष्णा नदी जल विवाद है
—आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के मध्य

✷ वह नदी जिनको जोड़ने का कार्य किया गया **—गोदावरी और कृष्णा**

✷ गोदावरी, कावेरी, ताप्ती एवं महानदी में से वह नदी जो एश्चुअरी बनाती है **—ताप्ती**

✷ गोदावरी, महानदी, नर्मदा व ताप्ती नदियों की लंबाई के अवरोही क्रम में सही अनुक्रम है **—गोदावरी—नर्मदा—महानदी—ताप्ती**

✷ प्रायद्वीपीय भारत में पूर्व दिशा में बहने वाली नदियों का उत्तर-दक्षिण का सही क्रम है **—सुवर्ण रेखा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, पेन्नार, कावेरी और वेंगई**

✷ दक्षिण भारत की नदियों का प्रमुख अपवाह तंत्र है **—वृक्षनुमा**

✷ सोन, नर्मदा तथा महानदी निकलती हैं **—अमरकंटक से**

✷ वह नदी जो एश्चुअरी नहीं बनाती है, वह है **—महानदी**

✷ ओडिशा में अपना डेल्टा बनाती है **—महानदी**

✷ वह नदियां जिनके घाटों में जल का अभाव है **—साबरमती तथा ताप्ती के घाटों में**

✷ वह स्थान जहां से भारत की दो महत्वपूर्ण नदियों का उद्गम होता है, जिनमें एक उत्तर की तरफ प्रवाहित होकर बंगाल की खाड़ी की तरफ प्रवाहित होने वाली दूसरी महत्वपूर्ण नदी में मिलती है और दूसरी अरब सागर की तरफ प्रवाहित होती है **—अमरकंटक**

✷ केरल में पूर्व की ओर प्रवाहित होने वाली नदियां हैं **— पामबार, भवानी और कबानी**

✷ मध्य प्रदेश में पूर्व से पश्चिम की ओर प्रवाहित होने वाली नदियां हैं **—नर्मदा, ताप्ती और माही**

✷ नर्मदा, महानदी, गोदावरी एवं कृष्णा नदियों में से सर्वाधिक बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है **—गोदावरी नदी का**

✷ प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी है **—गोदावरी**

✷ वंशधारा, इंद्रावती, प्रणहिता एवं पेन्नार नदियों में से गोदावरी की सहायक नदियां हैं **—इंद्रावती और प्रणहिता**

iv. अन्य नदियां

✷ हिमालय की सभी श्रेणियों को काटने वाली नदी है **—सतलज**

✷ 'दूध-गंगा' नदी अवस्थित है **—जम्मू एवं कश्मीर,उत्तराखंड तथा महाराष्ट्र में**

✷ बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियां हैं **—गंगा, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी, महानदी, कृष्णा, कावेरी, पेन्नार, स्वर्ण रेखा तथा ब्राह्मणी**

✷ कृष्णा नदी की सहायक नदी है **—कोयना, यरला, डीना, वर्णा, घाट प्रभा आदि।**

✷ 'हगरी' सहायक नदी है **—तुंगभद्रा की**

✷ सोन नदी का वास्तविक स्रोत है **—शहडोल जिले में अमरकंटक से**

✷ उत्तर-दक्षिण दिशा के आधार पर नदियों का सही अनुक्रम है **— किशनगंगा, गंगा, बेनगंगा, पेनगंगा**

✷ हिमाचल प्रदेश से होकर बहने वाली नदियां हैं **—ब्यास, चेनाब, रावी, सतलुज और यमुना**

✷ दिए गए चित्र में प्रदर्शित 1, 2, 3 और 4 से अंकित नदियां क्रमशः हैं–

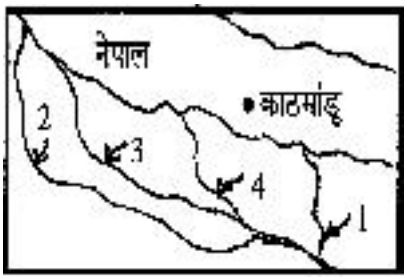

—गंडक, गंगा, गोमती और घाघरा

✷ दामोदर नदी से निकाली गई नहर है **—एडन नहर**

✷ दामोदर सहायक नदी है **—हुगली की**

✷ दामोदर नदी निकलती है **—छोटानागपुर के पठार से**

✷ पूर्व की ओर बहने वाली भारत की नदी जिसमें निम्नावलन (Down warping) के कारण विभ्रंश घाटी (Rift valley) है **—दामोदर**

✷ भारत की सर्वाधिक प्रदूषित नदी है **—दामोदर**

✷ भारत में भूमिबंधित नदी है **—लूनी**

✷ लूनी नदी के संदर्भ में, सही कथन है **—यह कच्छ की रन की दलदली भूमि में लुप्त हो जाती है**

✷ माही, घग्घर, नर्मदा एवं कृष्णा नदियों में से अंतःस्थलीय अपवहन नदी का उदाहरण है **—घग्घर**

✷ सबसे अधिक नदीपथ परिवर्तन (Maximum Shifting of Course) करने वाली नदी है **—कोसी नदी**

✷ खारी नदी जिस अपवाह तंत्र का अंग है, वह है **—बंगाल की खाड़ी**

✷ वह नदी जिसका स्रोत हिमनदों में नहीं है **—कोसी**

✷ त्रिवेणी नहर में पानी आता है **—गंडक नदी से**

✷ बिहार की वह नदी जिसने वर्ष 2008 में अपना मार्ग परिवर्तित किया एवं आपदा की स्थिति उत्पन्न की, थी **—कोसी**

✷ भारत की नदियों स्पीति, सतलज, श्योक तथा जास्कर में उत्तर से दक्षिण की ओर जाते हुए नदियों का सही अनुक्रम है **—श्योक—जास्कर—स्पीति—सतलज**

✷ संथाल परगना में लगने वाला दुमका का हिजला मेला आयोजित किया जाता है **—मयूराक्षी नदी पर**

✷ दो राज्यों में पहली बार दो नदियों को जोड़ने की परियोजना के संबंध में समझौते के स्मृति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राज्यों और नदियों के नाम हैं **—उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश : केन एवं बेतवा**

✷ उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश राज्यों में संयुक्त 'राजघाट नदी घाटी परियोजना' लागू की गई है, वह स्थित है **—बेतवा नदी पर**

✷ **कथन (A) :** काली नदी, भारत के दक्षिणी भाग में, पूर्व की ओर बहने वाली नदी है।
कारण (R) : दक्कन पठार अपने पश्चिमी किनारे पर उच्चता पर है और पूर्व में बंगाल की खाड़ी की दिशा में उसकी मंद प्रवणता है। **—(A) गलत है, परंतु (R) सही है**

✷ भारत में विश्व का सबसे ऊंचा पुल बनाया जा रहा है **—चिनाब नदी पर**

✷ महात्मा गांधी सेतु स्थित है **—बिहार में**

✷ वह नदी जिसका उद्गम-स्थल भारत में नहीं है **—सतलज**

✷ कपिली जिसकी सहायक नदी है, वह है **—ब्रह्मा (ब्रह्मपुत्र)**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (नदी)		सूची-II (सहायक नदी)
गोदावरी	–	मंजरा
कृष्णा	–	भीमा
ब्रह्मपुत्र	–	तिस्ता
गोदावरी	–	इंद्रावती

✷ अध्यारोपित नदी का उदाहरण है **—चंबल**
✷ संकोश नदी सीमा बनाती है **—असम एवं पश्चिम बंगाल के बीच**
✷ वह नदी जो मध्य प्रदेश से निकलती है और खम्भात की खाड़ी में गिरती है **—माही नदी**
✷ किशनगंगा एक सहायक नदी है **—झेलम की**
✷ मुंबई की मीठी नदी जिस झील से निकलती है, वह है **—विहार झील**

v. नदियों के किनारे स्थित नगर

✷ गंगा नदी के किनारे सबसे बड़ा शहर है **—कानपुर**
✷ भागीरथी नदी के किनारे स्थित शहर है **—उत्तरकाशी**
✷ लेह अवस्थित है **—सिंधु नदी के दाएं तट पर**
✷ लुधियाना अवस्थित है **—सतलज नदी के तट पर**
✷ हैदराबाद अवस्थित है **—मूसी नदी के तट पर**
✷ भुवनेश्वर अवस्थित है **—महानदी के तट पर**
✷ सुमेलित है

सूची-I (नगर)		सूची-II (समीपवर्ती नदी)
बेतूल	-	ताप्ती
जगदलपुर	-	इंद्रावती
जबलपुर	-	नर्मदा
कटक	-	महानदी
नासिक	-	गोदावरी
उज्जैन	-	क्षिप्रा

✷ गोविंद घाट अवस्थित है **—अलकनंदा एवं लक्ष्मण गंगा नदी के किनारे**

vi. प्रपात और झीलें

✷ हुंडू प्रपात निर्मित है **—सुवर्ण रेखा (स्वर्ण रेखा) नदी पर**
✷ सुमेलित हैं

जलप्रपात		नदी
कपिलधारा प्रपात	-	नर्मदा
जोग प्रपात	-	शरावती
शिवसमुद्रम प्रपात	-	कावेरी

✷ भारत का सबसे बड़ा जलप्रपात, जोग प्रपात स्थित है **—शरावती नदी पर**
✷ भारत का वह जलप्रपात जिसे लोकप्रिय रूप से नियाग्रा जलप्रपात के तौर पर जाना जाता है **—चित्रकूट प्रपात**
✷ भारत के गोवा में स्थित जलप्रपात है **—दूधसागर प्रपात**
✷ भेड़ाघाट पर स्थित जलप्रपात है **—धुआंधार**
✷ विश्व जलप्रपात डाटाबेस की वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारत का सबसे ऊंचा जलप्रपात है **—नोहकालीकई (मेघालय)**
✷ कुंचीकल जलप्रपात की सही ऊंचाई थी **—455 मीटर**
✷ वेम्बनाद झील है **—केरल में**
✷ पेरियार झील 55 किमी. क्षेत्रफल में फैली है, जो है **—कृत्रिम झील**
✷ चिल्का झील जहां स्थित है, वह है **—उत्तरी सरकार तट**
✷ चिल्का झील स्थित है **—ओडिशा में**
✷ लोकटक झील अवस्थित है **—मणिपुर राज्य में**
✷ दो भारतीय राज्यों की साझेदारी वाली झील है **—पुलिकट**
✷ फुल्हर झील स्थित है **—उत्तर प्रदेश (पीलीभीत) में**
✷ सही सुमेलित है

(झील)		(अवस्थिति)
लोनार	-	महाराष्ट्र
नक्की	-	राजस्थान
कोलेरू	-	आंध्र प्रदेश
डल	-	कश्मीर
पुलिकट	-	आंध्र प्रदेश-तमिलनाडु सीमा पर

✷ असम में अवस्थित झील है **—चपनाला**
✷ 'रहस्यमयी झील' कहा जाता है **—रूपकुंड झील को**
✷ जम्मू एवं कश्मीर में अवस्थित झील है **—अंचार झील (श्रीनगर)**
✷ सही सुमेलन है

सूची-I (झीलें)		सूची-II (अवस्थिति)
अष्टामुडी	-	केरल
पुलिकट	-	तमिलनाडु
रूपकुंड	-	उत्तराखंड
सूरजकुंड	-	हरियाणा

✷ बर्फ से ढकी झील घेपन स्थित है **—हिमाचल प्रदेश में**

जलवायु

i. मानसून

✷ 'मानसून' शब्द की व्युत्पत्ति हुई है **—अरबी भाषा से**
✷ निम्न कथनों पर विचार कीजिए

कथन (A) : भारत मूलतः एक मानसूनी देश है।
कारण (R) : उच्च हिमालय उसे जलवायु संबंधी विशिष्टता प्रदान करता है। **—(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है**

✷ **अभिकथन (दावा) (A) :**
भारत की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसून की तरह है।
तर्क (कारण) (R) :
भारत उष्णकटिबंधीय अक्षांशों के बीचों-बीच अवस्थित है।
—(A) सही है एवं (R) गलत है

✷ भारत का वह राज्य जहां मानसून का आगमन सबसे पहले होता है **—केरल**
✷ भारत में ग्रीष्मकालीन मानसून के प्रवाह की सामान्य दिशा है **—दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व**

✷ भारतीय उपमहाद्वीप पर ग्रीष्म ऋतु में उच्च ताप और निम्न दाब, हिंद महासागर से वायु का कर्षण (Draws) करते हैं, जिसके कारण प्रवाहित होती है **—दक्षिण-पश्चिमी मानसून**

✷ नीचे दिए हुए जलवायु आरेख पर ध्यान दीजिए–

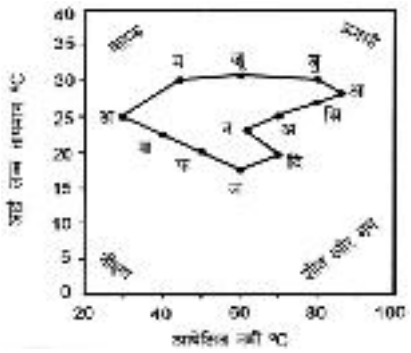

उपर्युक्त जलवायु आरेख प्रसंग में है **—भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के**

✷ भारत का सबसे सूखा स्थान है **—लेह**

✷ भारत को उष्णकटिबंध और उपोष्ण कटिबंध में विभाजन करने के आधार के रूप में मानी गई जनवरी की समताप रेखा है **—18^{0}C**

✷

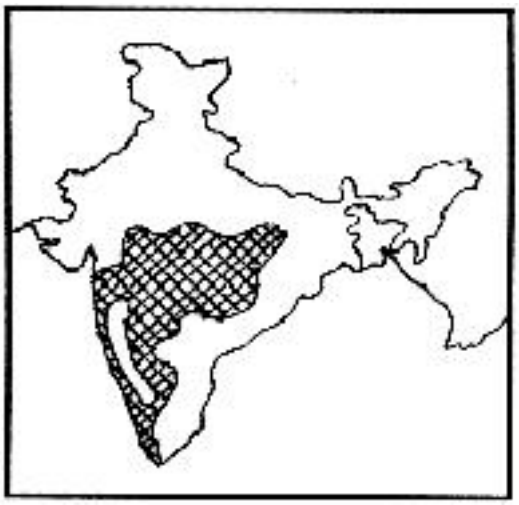

ऊपर दिए गए मानचित्र के छायांकित क्षेत्र में जुलाई माह के लिए माध्य तापमान परिवर्तित होता है **—25.0^0 C-27.5^0 C के बीच**

✷ भारत में सर्वाधिक दैनिक-तापांतर पाया जाता है
—राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों में

✷ तमिलनाडु में मानसून के सामान्य महीने हैं **—नवंबर-दिसंबर**

✷ भारतीय मानसून मौसमी विस्थापन से इंगित है, जिसका कारण है
—स्थल तथा समुद्र का विभेदी तापन

✷ दोनों कथन सत्य हैं **—(i) दक्षिणी भारत से उत्तरी भारत की ओर मानसून की अवधि घटती है।**
(ii) उत्तरी भारत के मैदानों में वार्षिक वृष्टि की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर घटती है।

✷ अमृतसर एवं शिमला लगभग एक ही अक्षांश पर स्थित हैं, परंतु उनकी जलवायु में भिन्नता का कारण है **—उनकी ऊंचाई में भिन्नता**

✷ छत्तीसगढ़ राज्य में फैलाव पाया जाता है
—आर्द्र-दक्षिण-पूर्व जलवायु का

✷ आर्द्र जलवायु का अनुभव होता है **—कोच्चि एवं तेजपुर में**

✷ मानसून का निवर्तन इंगित होता है
—साफ आकाश से, बंगाल की खाड़ी में अधिक दाब परिस्थिति से, स्थल पर तापमान के बढ़ने से

✷ सही कथन है **—पूरे वर्ष 30^{0}N और 60^{0}S अक्षांशों के बीच बहने वाली हवाएं पछुआ हवाएं (वेस्टरलीज) कहलाती हैं, भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में शीतकालीन वर्षा लाने वाली आर्द्र वायु संहतियां (मॉइस्ट एयर मासेज) पछुआ हवाओं के भाग हैं।**

ii. वर्षा

✷ भारत की सर्वाधिक वर्षा मुख्यत: प्राप्त होती है
—दक्षिण-पश्चिम मानसून से

✷ उत्तरी-पूर्वी मानसून से सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करने वाला राज्य है
—तमिलनाडु

✷ अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, केरल एवं जम्मू-कश्मीर राज्यों में से अधिकतम औसत वार्षिक वर्षा होती है **—सिक्किम में**

✷ ऐसे दो नगर जो लगभग एक ही अक्षांश पर अवस्थित हैं, फिर भी उनकी वार्षिक वर्षा की कुल मात्रा का अंतर सर्वाधिक सुस्पष्ट है
—अजमेर और शिलांग

✷ एक मौसम विज्ञान केंद्र का औसत वार्षिक तापमान 26 डिग्री सेल्सियस है, इसकी औसत वार्षिक वर्षा 63 सेमी. है और इसके तापमान का वार्षिक परिसर 9 डिग्री सेल्सियस है। संदर्भित केंद्र है **—चेन्नई**

✷ भारतीय नगरों पटना, कोच्चि, कोलकाता एवं दिल्ली में सामान्य वर्षा का सही अवरोही क्रम है **—कोच्चि—कोलकाता—पटना—दिल्ली**

✷ आम्र वर्षा (Mango Shower) संबंधित है **—आम की फसल से**

✷ भारत में सबसे कम वर्षा वाला स्थान है **—लेह**

✷ दक्षिण-पश्चिम मानसून काल में कोलकाता, मंगलौर, चेन्नई एवं दिल्ली में से सबसे कम वर्षा होती है **—चेन्नई में**

✷ चेरापूंजी अवस्थित है **—मेघालय राज्य में**

✷ भारतवर्ष में सर्वाधिक वर्षा वाला क्षेत्र है
—पश्चिमी घाट, हिमालय क्षेत्र तथा मेघालय

✷ भारत में वर्षा का आधिक्य होते हुए भी यह देश प्यासी धरती समझा जाता है। इसका कारण है **—वर्षा के पानी का तेजी से बह जाना, वर्षा के पानी का शीघ्रता से भाप बनकर उड़ जाना, वर्षा का कुछ थोड़े ही महीनों में जोर होना**

✷ वह जल प्रबंधन युक्ति, जो भारत में लागत का अधिकतम लाभ देने वाली है **—वर्षा के जल का संचयन**

✷ भारत में औसत दो सौ मिलीमीटर वर्षा होती है
—जम्मू और कश्मीर में

✷ झारखंड में वर्षा प्राप्त होती है **—दक्षिण-पश्चिमी मानसून से**

✷ नीचे दिए हुए मानचित्र पर ध्यान दीजिए–

भारत के रेखांकित भागों में वार्षिक वर्षा का माध्य कितने से कितने तक घटता बढ़ता है **–100 से 150 सेमी. तक**

✷ जब पुष्कर की पहाड़ियों में भारी वर्षा होती है, तो बाढ़ आती है **–बालोतरा में**

✷ भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की परिभाषा के अनुसार, वर्षा का दिन वह होता है, जब किसी विशेष स्थान पर इस वर्षा की मात्रा होती है **–24 घंटे में 2.5 मिमी. से ऊपर**

✷ **कथन (A) :** गंगा के मैदान में यदि कोई पश्चिम और उत्तर-पश्चिम को चले, तो मानसूनी वर्षा घटती हुई मिलेगी।
कारण (R) : गंगा के मैदान में कोई ज्यों-ज्यों ऊपर को बढ़ता जाएगा, आर्द्रताधारी मानसूनी पवन और ऊंची जाती मिलेगी। **–(A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है**

✷ नीचे दिए गए भारत के चित्र पर दर्शाया गया है

–अखिल भारतीय जल विभाजक को

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (जलवायु परिस्थितियां)		सूची-II (कारण)
कोलकाता की अपेक्षा चेन्नई अधिक गर्म है	-	अक्षांश
हिमालय में हिमपात	-	तुंगता
पश्चिमी बंगाल से पंजाब की ओर आते-आते वर्षा कम होती जाती है	-	समुद्र से दूरी
सतलज-गंगा मैदान में शीतकाल में कुछ वर्षा होती है	-	पश्चिमी दाब

✷ भारत के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में जल ढाल विकास का प्रमाणक चिह्न है– **–मौसमी नदियों से जल का तटबंधीकरण करके जलाशयों के तंत्र की स्थापना**

✷ भारत में मरुस्थली विकास योजना अब क्रियान्वित है **–40 जिलों में (7 राज्य)**

✷ **कथन (A) :** भारत में अंतर्देशीय जल मार्गों का पर्याप्त विकास नहीं हुआ है।
कारण (R) : भारत के अधिकतर भागों में वर्षा साल के चार महीनों में ही होती है। **–(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।**

iii. शीतकालीन वर्षा

✷ भारत के उत्तरी मैदानों में शीत ऋतु में वर्षा होती है **–प. विक्षोभों से**

✷ भारत में शरदकालीन वर्षा के क्षेत्र हैं **–पंजाब-तमिलनाडु**

✷ तमिलनाडु में शरदकालीन वर्षा अधिकांशतः जिन कारणों से होती है, वे हैं **–उत्तरी-पूर्वी मानसून**

✷ **कथन (A) :** भारत के उत्तरी मैदान में जाड़ों में कुछ वर्षा हो जाती है।
कारण (R) : जाड़े में उत्तर-पूर्वी मानसून सक्रिय होती है। **–(A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है**

✷ वह राज्य जिसमें जाड़े (Winter) के मौसम में बारिश मिलती है, वह है **–तमिलनाडु**

✷ **कथन (A) :** प्रति-चक्रवाती स्थितियां शीत ऋतु में तब बनती हैं, जब वायुमंडलीय दाब उच्च होता है और वायुताप निम्न होता है।
कारण (R) : उत्तर भारत में शीतकालीन वर्षा से निम्न तापों वाली प्रति-चक्रवाती स्थितियां पैदा होती हैं। **–(A) सही है, परंतु (R) गलत है**

✷ भारत में शीतकाल में वर्षा होती है **–उत्तर-पश्चिम में**

प्राकृतिक आपदाएं

✷ वर्ष 2004 की सुनामी द्वारा भारत के तटों में से सर्वाधिक दुष्प्रभावित हुआ था **–कोरोमंडल तट**

✷ 'हुदहुद चक्रवात' से भारत का जो तटीय क्षेत्र प्रभावित हुआ था, वह था **–आंध्र प्रदेश तट**

✷ भारत में 'सुनामी वार्निंग सेंटर' अवस्थित है **–हैदराबाद में**

✷ भारतीय मौसम विज्ञान विभाग स्थापित है **–नई दिल्ली में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (प्राकृतिक आपदाएं)		सूची-II (प्रदेश)
बाढ़	-	उत्तर प्रदेश तथा बिहार के मैदान
भूकंप	-	हिमालय का गिरिपाद क्षेत्र
सूखा	-	मध्य-पूर्वी भारत
चक्रवात	-	झारखंड तथा उत्तरी ओडिशा

✷ **कथन (A) :** हिमालय में भूस्खलन की आवृत्ति में वृद्धि हुई है।
कथन (R) : हाल के वर्षों में हिमालय में बड़े पैमाने पर खनन कार्य हुआ है। **—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।**

✷ बंगाल की खाड़ी के तटवर्ती क्षेत्रों में चक्रवात अधिक आते हैं **—बंगाल की खाड़ी में अधिक गर्मी के कारण**

✷ **कथन (A) :** पश्चिमी तट की तुलना में पूर्वी तट चक्रवातों द्वारा अधिक प्रभावित है।
कारण (R) : भारत का पूर्वी तट उत्तर-पूर्वी व्यापारिक हवाओं की मेखला में पड़ता है। **—(A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है**

✷ **कथन (A) :** महाराष्ट्र के कोयना क्षेत्र के निकट भविष्य में अधिक भूकंप प्रभावित होने की संभावना है।
कारण (R) : कोयना बांध एक पुराने भ्रंश-तल पर अवस्थित है, जो कोयना जलाशय में जल-स्तर के परिवर्तन के साथ अधिक सक्रिय हो सकता है। **—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है**

✷ आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार तथा गुजरात राज्यों में से सर्वाधिक प्राकृतिक आपदाएं आती हैं **—ओडिशा में**

✷ देश के पहले आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना जहां की जा रही है, वह है **—लातूर (महाराष्ट्र)**

✷ वह क्षेत्र जो उच्च तीव्रता की भूकंपीय मेखला में नहीं आता है **—कर्नाटक पठार**

✷ भारत को जिन भूकंपीय जोखिम अंचलों में विभाजित किया गया है, वह है **—4 जोन**

✷ सही सुमेलन है

नगर		भूकंप मंडल
भुज	-	V
हैदराबाद	-	III
श्रीनगर	-	V
चेन्नई	-	II

✷ **कथन (A) :** पिछले दो दशकों में उत्तर भारतीय मैदानों में बाढ़ की बारंबारता (Frequency of Flood) बढ़ गई है।
कारण (R) : गाद के निक्षेपण (Deposition of Silt) के कारण नदी घाटियों की गहराई में कमी हो गई है। **—(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है**

✷ भारत का सबसे अधिक बाढ़ग्रस्त राज्य है **—बिहार**

✷ उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है **—पूर्वी क्षेत्र**

मिट्टियां

i. काली मिट्टी

✷ वह मिट्टी जो बेसाल्ट लावा के उपक्षय के कारण निर्मित हुई है **—रेगुर मिट्टियां**

✷ 'रेगुर' (Regur) नाम है **—काली मिट्टी का**

✷ रेगुर (Regur) मिट्टी का विस्तार सबसे ज्यादा है **—महाराष्ट्र में**

✷ **कथन (A) :** दक्षिणी ट्रैप की रेगुर **मिट्टियां** काली होती हैं।
कारण (R) : उनमें ह्यूमस प्रचुर मात्रा में होता है। **—(A) सही है, किंतु (R) गलत है**

✷ **कथन (A) :** काली मिट्टी कपास की खेती के लिए उपयुक्त है।
कारण (R) : उनमें जैव तत्व प्रचुर मात्रा में होता है। **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**

✷ कपास की खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मिट्टी है **—रेगुर मिट्टी**

✷ **कथन (A) :** काली मिट्टी कपास की कृषि के लिए उपयुक्त होती है।
कारण (R) : उसमें नाइट्रोजन तथा जैव पदार्थ प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**

✷ 'स्वतः कृष्य मिट्टी' कहा जाता है **—कपास की काली मिट्टी को**

✷ लावा मिट्टियां पाई जाती हैं **—मालवा पठार में**

✷ मालवा पठार की प्रमुख मिट्टी है **—काली मिट्टी**

✷ वह मृदा जिसे सिंचाई की कम आवश्यकता होती है, क्योंकि वह नमी रोक कर रखती है **—काली मिट्टी**

ii. लैटेराइट मिट्टी

✷ भारत की लैटेराइट मिट्टियों के बारे में सही कथन है **—वे साधारणतः लाल रंग की होती हैं, इन मिट्टियों में टैपियोका और काजू की अच्छी उपज होती है।**

✷ **कथन (A) :** पश्चिम बंगाल की तुलना में आंध्र प्रदेश के शुद्ध रोपित क्षेत्र की उसके कुल क्षेत्रफल में प्रतिशतता कम है।
कारण (R) : अधिकांश आंध्र प्रदेश की मृदा मखरला (लैटेराइट) प्रकार की है। **—(A) सही है, किंतु (R) गलत है**

✷ लैटेराइट मिट्टी मिलती है **—महाराष्ट्र में**

✷ लैटेराइट मिट्टियों का प्राधान्य है **—मालाबार तटीय प्रदेश में**

✷ लैटेराइट मिट्टियों के लिए सही कथन है **—उनमें चूना प्रचुर मात्रा में नहीं पाया जाता है**

✷ वह मृदा प्रारूप जो लोहे का अतिरेक होने के कारण अनुर्वर होता जा रहा है **—लैटेराइट**

iii. दोमट या जलोढ़ मिट्टी

- भारत में सबसे अधिक उपजाऊ मृदा है **—जलोढ़ मृदा**
- भारत में सबसे बड़ा मिट्टी का वर्ग है **—कछारी मिट्टी**
- गंगा के मैदान की पुरानी कछारी मिट्टी कहलाती है **—बांगर**
- वह मृदा जिसकी जलधारण क्षमता सबसे कम होती है **—बलुई दोमट मृदा**
- दुम्मटी (लोम) मिट्टी में मिलते हैं **—मिट्टी के सभी प्रकार के कण**

iv. मिट्टी : विविध

- पश्चिमी राजस्थान की मिट्टियों में सर्वाधिक मात्रा होती है **—कैल्शियम की**
- आलू, सोर्धम, सूरजमुखी तथा मटर फसलों में से वह फसल जो मृदा को नाइट्रोजन से भरपूर कर देती है **—मटर**
- भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए जो फसल उगाई जाती है, वह है **—उड़द**
- भारत के कुछ भागों में यात्रा करते हुए आप देखेंगे कि कहीं-कहीं लाल मिट्टी पाई जाती है। मिट्टी के इस रंग का प्रमुख कारण है **—फेरिक ऑक्साइड की विद्यमानता**
- भारतीय मृदाओं में जिस सूक्ष्म तत्व की सर्वाधिक कमी है, वह है **—जस्ता**
- **कथन (A) :** हिमालय की मिट्टियों में 'ह्यूमस' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
  कारण (R) : हिमालय में सर्वाधिक क्षेत्र वनाच्छादित है।
  —(A) गलत है, परंतु (R) सही है
- पौधों को सबसे अधिक पानी मिलता है **—चिकनी मिट्टी में**
- मिट्टी का वह कण जिसका व्यास 0.002 मि.मी. से कम होता है **—मृत्तिका**

v. अम्लीय एवं क्षारीय मृदा

- सामान्य फसलें उगाने के लिए उर्वर भूमि का pH मान होने की संभावना है **—छः से सात**
- तेजाबी मिट्टी को कृषि योग्य बनाने हेतु उपयोग किया जा सकता है **—लाइम का**
- मिट्टी में खारापन एवं क्षारीयता की समस्या का समाधान है **—खेतों में जिप्सम का उपयोग**
- भारत में सर्वाधिक क्षारीय क्षेत्र पाया जाता है **—उत्तर प्रदेश राज्य में**
- भारत में लवणीय मृदा का सर्वाधिक क्षेत्रफल है **—गुजरात में**
- मृदा का लवणीभवन मृदा में एकत्रित सिंचित जल के वाष्पीकृत होने से पीछे छूटे नमक और खनिजों से उत्पन्न होता है। सिंचित भूमि पर लवणीभवन का जो प्रभाव पड़ता है, वह है **—यह कुछ मृदाओं को अपारगम्य बना देता है**
- चाय बागानों के लिए उपयुक्त मिट्टी है **—अम्लीय**

vi. मृदा अपरदन एवं सुधार

- भारत के जिस क्षेत्र में मृदा अपरदन (Soil Erosion) की समस्या गंभीर है, वह क्षेत्र है **—शिवालिक पहाड़ियों के पाद क्षेत्र एवं चंबल घाटी**
- चंबल घाटी के खोह-खड्डों के निर्माण का कारण अपरदन है, वह अपरदन प्रारूप है **—अवनालिका**
- मृदा-अपरदन प्रक्रियाओं (Processes of Soil- Erosion) के सही क्रम हैं **—आस्फाल अपरदन, परत अपरदन, रिल अपरदन, अवनालिका अपरदन**
- कृष्य भूमि में वह पौधा जिसके कारण भूमि का अपरदन अधिकतम तीव्रता से होता है **—सोर्घम**
- फसल चक्र आवश्यक है **—मृदा की उर्वरा शक्ति में वृद्धि हेतु**
- मृदा संरक्षण के संदर्भ में प्रचलित पद्धतियां हैं **—सस्यावर्तन (फसलों का हेरफेर), वेदिका निर्माण (टैरेसिंग), वायुरोध**
- भारत में मृदा अपक्षय समस्या संबंधित है/हैं **—वनोन्मूलन से**
- मृदा अपरदन रोका जा सकता है **—वनारोपण द्वारा**

प्राकृतिक वनस्पति

- भोजपत्र वृक्ष मिलता है **—हिमालय में**
- कत्था बनाने हेतु जिस पेड़ की लकड़ी का प्रयोग होता है, वह है **—खैर**
- वह वन जो भारत के सर्वाधिक वृहत् क्षेत्र में पाया जाता है **—उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन**
- सागौन तथा साल उत्पाद हैं **—उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ी वन के**
- पश्चिमी हिमालय की शीतोष्ण पेटी (Temperate Zone) में एक वृक्ष का बाहुल्य है, वह है **—देवदार**
- वह राज्य जहां सिनकोना वृक्ष नहीं उगता है **—छत्तीसगढ़**
- 'जंगल की आग' कहा जाता है **—ब्यूटिया मोनोस्पर्मा को**
- भारत में सागौन का वन पाया जाता है **—मध्य प्रदेश में**
- वह पौधे जिसमें फूल नहीं होते हैं **—फर्न**
- पश्चिमी हिमालय में उच्च पर्वतीय वनस्पति 3000 मीटर की ऊंचाई तक ही उपलब्ध होती है, जबकि पूर्वी हिमालय में वह 4000 मीटर की ऊंचाई तक उपलब्ध होती है। एक ही पर्वत श्रृंखला में इस विविधता का कारण है **—पूर्वी हिमालय का भूमध्य रेखा और समुद्र तट से पश्चिमी हिमालय की अपेक्षा अधिक निकट होना**
- ऐन्टिलोपो 'ऑरिक्स' और 'चीरू' के बीच अंतर है **—ऑरिक्स गर्म और शुष्क क्षेत्रों में रहने के लिए अनुकूलित है, जबकि चीरू ठंडे उच्च पर्वतीय घास के मैदान और अर्ध-मरुस्थली क्षेत्रों में रहने के लिए।**

✷ सही सुमेलन है

नगर		**भूकंप मंडल**
सागौन	**-**	**मध्य भारत**
देवदार	**-**	**हिमालय के उच्च क्षेत्र**
सुंदरी	**-**	**सुंदरबन**
सिनकोना	**-**	**हिमालय की तराई**

✷ सुंदरी का वृक्ष पाया जाता है **—पश्चिम बंगाल में**

✷ सही सुमेलित है

सूची-I		**सूची-II**
(वन प्रकार)		**(प्रदेश)**
उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती	**-**	**तराई**
उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती	**-**	**मध्य गंगा मैदान**
अल्पाइन	**-**	**अरुणाचल प्रदेश (हिमालयी भाग)**
उष्ण कटिबंधीय सदाबहार	**-**	**सह्याद्रि**

✷ लंबी जड़ों और नुकीले कांटों अथवा शूलयुक्त झाड़ियों और लघु वृक्षों वाले आरक्षित अवरुद्ध वन सामान्य रूप से पाए जाते हैं **—पश्चिमी आंध्र प्रदेश में**

✷ वह वृक्ष जो समुद्र तल में सर्वाधिक ऊंचाई पर पाया जाता है **—देवदार**

✷ वह राज्य जिसके वनों का वर्गीकरण अर्द्ध-उष्णकटिबंधीय के रूप में किया जाता है **—मध्य प्रदेश**

✷ महोगनी वृक्ष का मूल स्थान है **—उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र**

✷ सामाजिक वानिकी में प्रयुक्त बहुउद्देश्यीय वृक्ष का एक उदाहरण है **—खेजरी**

✷ लीसा प्राप्त होता है **—चीड़ के वृक्ष से**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
(कच्छ वनस्पति)	**-**	**(राज्य)**
अव्रा रत्नागिरि	**-**	**महाराष्ट्र**
कुडापुर	**-**	**कर्नाटक**
पिचवरम	**-**	**तमिलनाडु**
वेम्बनाड	**-**	**केरल**

✷ केरल की कच्छ वनस्पतियां पाई जाती हैं **—वेम्बनाड-कुन्नूर में**

सिंचाई एवं नहरें

✷ कथन (A) : प्रायद्वीपीय भारत में सिंचाई का एक प्रमुख साधन है, तालाब।
कथन (R) : प्रायद्वीपीय क्षेत्र की अधिकांश नदियां मौसमी हैं।
—दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A) की व्याख्या करता है।

✷ भारत के संदर्भ में सही कथन है **—देश में सिंचाई का प्रमुख स्रोत नलकूप हैं**

✷ भारत में सिंचाई के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र वाला राज्य है **—पंजाब (98.7% लगभग)**

✷ सूक्ष्म-सिंचाई की पद्धति के संदर्भ में कथन सही हैं **— मृदा से उर्वरक/पोषक हानि कम की जा सकती है। इससे कुछ कृषि क्षेत्रों में भौम जलस्तर को कम होने से रोका जा सकता है।**

✷ जीवन रक्षक अथवा बचाव सिंचाई इंगित करती है- **—पी.डब्ल्यू.पी. सिंचाई**

✷ गत 25 वर्षों में नलकूप सिंचाई का सर्वाधिक शानदार विकास हुआ है **—सरयू पार मैदान में**

✷ भारत का वह राज्य जिसमें सर्वाधिक सिंचाई नलकूपों से होती है **—उत्तर प्रदेश**

✷ भारत के राज्यों का सिंचाई के लिए उपलब्ध भूतल जल संसाधनों की दृष्टि से अवरोही क्रम में सही अनुक्रम है **—उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम**

✷ भारत में माला नहर तंत्र (Garland Canal System) को प्रस्तावित किया था **—दिनशॉ जे. दस्तूर ने**

✷ भारत की सिंचाई क्षमता का सर्वाधिक भाग पूरा होता है **—लघु एवं वृहद परियोजनाओं से**

✷ फरक्का नहर की जलवहन क्षमता **—40,000 क्यूसेक**

✷ मंगलम सिंचाई परियोजना है **—केरल में**

✷ सारण (Saran) सिंचाई नहर निकलती है **—गंडक से**

✷ इंदिरा गांधी नहर का उद्‌गम स्थल है **—हरिके बैराज**

✷ हरिके बैराज (इंदिरा गांधी नहर का प्रमुख जल स्रोत) जिन नदियों के संगम पर है, वह नदी है **—ब्यास और सतलज**

✷ राजस्थान (इंदिरा) नहर निकलती है **—सतलज से**

✷ इंदिरा गांधी नहर का निर्माण कार्य वर्ष 1958 से प्रारंभ हुआ और इसका उद्‌गम है **—सतलज नदी पर हरिके बांध से**

✷ इंदिरा गांधी नहर जल प्राप्त करती है **—ब्यास, रावी तथा सतलज नदियों से**

✷ ब्यास नदी के पोंग बांध के जल का उपयोग करती है **—इंदिरा गांधी नहर परियोजना**

✷ भारत में विश्व की सबसे पुरानी व विकसित नहर व्यवस्था है **—गंग नहर**

✷ गंग नहर, जो सबसे पुरानी नहरों में से है, का निर्माण गंग सिंह जी ने करवाया **—1927 में**

✷ शारदा सहायक समादेश विकास परियोजना के मुख्य लक्ष्य हैं **—कृषि उत्पादन बढ़ाना, बहु-फसली खेती द्वारा भूमि-उपयोग के प्रारूप को बदलना, भू-प्रबंधन का सुधार**

✷ निचली गंगा नहर का उद्‌गम स्थल है **—नरौरा (बुलंदशहर) में गंगा नदी पर**

✷ हरियाली (Haryali) एक नई योजना है **—जल संग्रहण से संबंधित विकास योजना एवं वृक्षारोपण के लिए।**

✷ 'एकीकृत जलसंभर विकास कार्यक्रम' को कार्यान्वित करने के लाभ हैं **—मृदा के बह जाने की रोकथाम, वर्षा-जल संग्रहण तथा भौम-जलस्तर का पुनर्भरण, प्राकृतिक वनस्पतियों का पुनर्जनन**

✷ सही सुमेलन है-

(कार्यक्रम/परियोजना)		(मंत्रालय)
सूखा-प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम	:	**भूमि संसाधन विभाग**
मरुस्थल विकास कार्यक्रम	:	**ग्रामीण विकास मंत्रालय**
वर्षापूरित क्षेत्रों हेतु राष्ट्रीय जलसंभर विकास परियोजना	:	**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

✷ ड्रप्स (ड्रिप) सिंचाई पद्धति के प्रयोग के लाभ हैं **—खरपतवार में कमी, मृदा अपरदन में कमी**

बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाएं

✷ सरदार सरोवर परियोजना से लाभान्वित होने वाले राज्य हैं **—गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान**

✷ सरदार सरोवर बांध बनाया जा रहा है **—नर्मदा नदी पर**

✷ सरदार सरोवर से सर्वाधिक लाभ मिलता है **—गुजरात को**

✷ सरदार सरोवर परियोजना के विरोध में हैं **—मेधा पाटेकर**

✷ बरगी, ओंकरेश्वर, इंदिरा सागर एवं बाण सागर बाधों में से वह बांध जो नर्मदा नदी पर नहीं है **—बाण सागर**

✷ इंदिरा सागर बांध स्थित है **—नर्मदा नदी पर**

✷ मध्य प्रदेश का हरसूद कस्बा जलमग्न हुआ है **—इंदिरा सागर जलाशय में**

✷ ओंकारेश्वर परियोजना संबद्ध है **—नर्मदा नदी से**

✷ नर्मदा बचाओ आंदोलन जिस बांध की ऊंचाई बढ़ाने के निर्णय का विरोध कर रहा है, वह बांध है **—सरदार सरोवर**

✷ भाखड़ा-नांगल एक संयुक्त परियोजना है **—हरियाणा-पंजाब-राजस्थान की**

✷ भाखड़ा-नांगल बांध बनाया गया है **—सतलज नदी पर**

✷ भारत का सबसे पुराना जलशक्ति उत्पादन केंद्र है **—शिवसमुद्रम**

✷ शिवसमुद्रम जलविद्युत परियोजना स्थित है **—कर्नाटक में**

✷ कावेरी नदी के जल बंटवारे का विवाद जिन राज्यों से संबंधित है, वह राज्य हैं **—तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल तथा पुडुचेरी**

✷ नागार्जुन सागर परियोजना अवस्थित है **—कृष्णा नदी पर**

✷ भारत में नागार्जुन सागर परियोजना स्थित है **—आंध्र प्रदेश में**

✷ हीराकुंड बांध बनाया गया है **—महानदी पर**

✷ वह जलाशय जो चंबल नदी पर बना है **—राणा प्रताप सागर**

✷ चंबल नदी पर निर्मित बांध है **—गांधी सागर**

✷ वह नदी घाटी परियोजनाएं जो एक से अधिक राज्यों को लाभान्वित करती हैं **—चंबल घाटी परियोजना एवं मयूराक्षी परियोजना**

✷ चंबल घाटी योजना से संबंधित है **—गांधी सागर, जवाहर सागर, राणा प्रताप सागर**

✷ टिहरी बांध उत्तराखंड में निर्मित किया जा रहा है **—भागीरथी नदी पर**

✷ टिहरी जलविद्युत परियोजना बनाई गई है **—भागीरथी एवं भिलंगना नदी पर**

✷ मैथॉन, बेलपहाड़ी एवं तिलैया बांध बनाए गए हैं, **—बाराकर नदी पर**

✷ **कथन (A) :** दामोदर घाटी कॉर्पोरेशन के विकास के पूर्व दामोदर नदी पश्चिम बंगाल में 'दु:ख की नदी' मानी जाती थी।
कारण (R) : दामोदर अपने ऊपरी भाग में तीव्रता से प्रवाहित होती है तथा निचले भाग में इसका बहाव बहुत धीमा हो जाता है। **—(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।**

✷ दामोदर घाटी निगम की स्थापना हुई थी **—1948 में**

✷ तवा परियोजना स्थित है **—नर्मदा नदी पर**

✷ सही सुमेलन है

हीराकुंड परियोजना	-	**ओडिशा**
हल्दिया रिफाइनरी	-	**पश्चिम बंगाल**
तारापुर परमाणु केंद्र	-	**महाराष्ट्र**
कुद्रेमुख पहाड़ियां	-	**कर्नाटक**

✷ हिमाचल प्रदेश बांध अब सतलज नदी पर बनाया जा रहा है, इस बांध को बनाने का मुख्य उद्देश्य है **—भाखड़ा बांध में आने वाली तलछट मिट्टी को रोकना**

✷ वह परियोजना जो भारत ने भूटान के सहयोग से बनाई है **—चुक्का बांध परियोजना**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (परियोजना)		सूची-II (अवस्थिति)
भाखड़ा	-	**सतलज**
हीराकुंड	-	**महानदी**
इडुक्की	-	**पेरियार**
नागार्जुन सागर	-	**कृष्णा**

✷ तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक की संयुक्त परियोजना है **—तेलगू-गंगा परियोजना**

✷ तेलगू-गंगा परियोजना से पेयजल प्रदान किया जाता है **—मद्रास को**

✷ बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं को 'आधुनिक भारत के मंदिर' कहा था **—जवाहरलाल नेहरू ने**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (नदियां)		सूची-II (बांध)
कावेरी	-	मेट्टूर
कृष्णा	-	अलमट्टी
नर्मदा	-	सरदार सरोवर
चंबल	-	गांधी सागर
बेतवा	-	माताटीला
ताप्ती	-	काकरापारा

✷ अलमट्टी बांध स्थित है —कृष्णा नदी पर

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
मेट्टूर	-	तमिलनाडु
मयूराक्षी	-	पश्चिम बंगाल
नागार्जुन सागर	-	आंध्र प्रदेश
हीराकुंड	-	ओडिशा

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (बहुउद्देशीय परियोजनाएं)		सूची-II (नदियां)
इडुक्की	-	पेरियार
माताटीला	-	बेतवा
नागार्जुन सागर	-	कृष्णा
पोचम्पाद	-	गोदावरी

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
शिवसमुद्रम	-	कावेरी
नागार्जुन सागर	-	कृष्णा
जायकवाड़ी	-	गोदावरी
टिहरी	-	भागीरथी

✷ कात्योंग जलविद्युत परियोजना अवस्थित है —अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में

✷ भारत में सबसे पुराना जलविद्युत स्टेशन है —सिद्रावाग

✷ भारत में प्रथम जलविद्युत संयंत्र की स्थापना की गई थी —दार्जिलिंग में

✷ सही सुमेलित है

सूची-I (बांध)		सूची-II (प्रदेश)
फरक्का	-	पश्चिम बंगाल
घाट प्रभा	-	कर्नाटक
हीराकुंड	-	ओडिशा
ककरापार	-	गुजरात

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
रिहंद	-	उत्तर प्रदेश
उकई	-	गुजरात
कोयना	-	महाराष्ट्र

✷ सही सुमेलित है

(बांध/झील)		(नदी)
गोविन्द सागर	-	सतलज
कोलेरू झील	-	कृष्णा एवं गोदावरी दोआब क्षेत्र
उकई जलाशय	-	ताप्ती
वुलर झील	-	झेलम

✷ कालागढ़ बांध बना हुआ है —रामगंगा नदी पर

✷ तवा परियोजना संबंधित है —होशंगाबाद से

✷ 'पोंग बांध' बनाया गया है —व्यास नदी पर

✷ मेजा बांध का निर्माण हुआ है —कोठारी नदी पर

✷ तुलबुल परियोजना का संबंध है —झेलम नदी से

✷ बगलिहार पॉवर प्रोजेक्ट, जिसके विषय में पाकिस्तान द्वारा विश्व बैंक के समक्ष विवाद उठाया गया, भारत द्वारा जिस नदी पर बनाया जा रहा है, वह है —चिनाब नदी

✷ बगलिहार पनविद्युत परियोजना, जो हाल में चर्चित रही, स्थित है —जम्मू और कश्मीर में

✷ सही सुमेलित है

(सिंचाई परियोजना)		(राज्य)
दमनगंगा	-	गुजरात
गिरना	-	महाराष्ट्र
पाम्बा	-	केरल

✷ तपोवन और विष्णुगढ़ जलविद्युत परियोजनाएं अवस्थित हैं —उत्तराखंड में

✷ महाकाली संधि जिन देशों के मध्य है, वह हैं —नेपाल और भारत

✷ सही सुमेलन है

कलपक्कम	-	तमिलनाडु
राणा प्रताप सागर	-	राजस्थान
नरौरा	-	उत्तर प्रदेश
तारापुर	-	महाराष्ट्र

✷ मीठे पानी की कल्पसर परियोजना अवस्थित है —गुजरात में

✷ वह राज्य जिसमें सुइल नदी परियोजना स्थित है —हिमाचल प्रदेश

✷ तीस्ता लो डैम प्रोजेक्ट-तृतीय, तीस्ता नदी पर प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट का स्थल है —पश्चिम बंगाल में

✷ 'तीस्ता जल विद्युत परियोजना' स्थित है —सिक्किम में

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (बहुउद्देशीय परियोजना)		सूची-II (संबंधित नदी)
रिहंद परियोजना	-	सोन
रानी लक्ष्मीबाई बांध परियोजना	-	बेतवा
राम गंगा परियोजना	-	राम गंगा

✷ उत्तर प्रदेश में 'रानी लक्ष्मीबाई बांध परियोजना' निर्मित है
—बेतवा नदी पर

✷ 'दुलहस्ती हाइड्रो पॉवर स्टेशन' अवस्थित है **—चिनाब नदी पर**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (जलाशय)		सूची-II (राज्य)
भद्रा	-	कर्नाटक
भवानी सागर	-	तमिलनाडु
गांधी सागर	-	मध्य प्रदेश
राणा प्रताप सागर	-	राजस्थान

✷ तिलैया बांध अवस्थित है
—बराकर नदी (झारखंड) पर

✷ गोविन्द बल्लभ पंत सागर जलाशय स्थित है **—उत्तर प्रदेश में**

✷ 'गंडक परियोजना' संयुक्त परियोजना है
—बिहार व उत्तर प्रदेश की

✷ वह प्रमुख राज्य जो प्रस्तावित 'किसाउ बांध' परियोजना से लाभान्वित होंगे **—उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (नदी घाटी परियोजना)		सूची-II (नदी)
पंचेट हिल बांध	-	दामोदर
राणा प्रताप सागर बांध	-	चंबल

✷ वह बांध जो सिंचाई के लिए नहीं है **—शिवसमुद्रम**

✷ अति-विवादित 'बबली प्रोजेक्ट' अवस्थित है **—महाराष्ट्र में**

कृषि

✷ 'भारतीय कृषि का इतिहास' लिखा था **—एम.एस.रंधावा ने**

✷ भारत में एग्रो-इकोलॉजिकल जोंस (कृषि पारिस्थितिकीय क्षेत्रों) की कुल संख्या है **—20**

✷ **कथन (A):** भारत की शुष्क पेटी की अर्थव्यवस्था प्रधानत: कृषि आधारित है।
कारण (R): इसमें द्वितीय हरित क्रांति के लिए बहुत क्षमता है।
—(A) एवं (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

✷ भारत की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के संदर्भ में विभिन्न फसलों की 'बीज प्रतिस्थापन दरों' को बढ़ाने से भविष्य के खाद्य उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है। किंतु इसके अपेक्षाकृत बड़े/विस्तृत कार्यान्वयन में बाध्यताएं हैं, वह हैं **—निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों की, उद्यान-कृषि फसलों की रोपण सामग्रियों और सब्जियों के गुणता वाले बीजों की पूर्ति में कोई सहभागिता नहीं है।**

✷ देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय है **—जी.बी.पी.ए.यू., पंतनगर**

✷ भारतवर्ष में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी वर्ष
—1960 में

✷ यदि खाद्यान्नों का सुरक्षित संग्रह सुनिश्चित करना हो, तो कटाई के समय उनका आर्द्रता अंश होना चाहिए **—14% कम**

✷ भारत में भूमि-उपयोग वर्गीकरण का सन्निकट निरूपण है
—नेट बुआई क्षेत्र 47%; वन 23%; अन्य क्षेत्र 30%

✷ कृषि में युग्म पैदावार का आशय है
—विभिन्न मौसमों पर दो फसल उगाने से

✷ 'मिश्रित खेती' की प्रमुख विशेषता है
—पशुपालन और शस्य उत्पादन को एक साथ करना

✷ प्रकृति पर अधिक निर्भरता, उत्पादकता का निम्न स्तर, फसलों की विविधता तथा बड़े खेतों की प्रधानता में से भारतीय कृषि की विशेषता नहीं है **—बड़े खेतों की प्रधानता**

✷ **कथन (A) :** पारंपरिक खेती के आधुनिक वैज्ञानिक खेती में रूपांतर में हरित क्रांति की तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
कारण (R) : इसमें सामाजिक एवं पर्यावरणीय लागत सम्मिलित नहीं होती।
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

✷ जनसंख्या का दबाव, प्रच्छन्न बेरोजगारी, सहकारी कृषि एवं भू-जोत का छोटा आकार में से एक भारतीय कृषि की निम्न उत्पादकता का कारण नहीं है **—सहकारी कृषि**

✷ भारत में संकार्य (चालू) जोतों का सबसे बड़ा औसत आकार है
—राजस्थान में

✷ भारत में कृषि को समझा जाता है **—जीविकोपार्जन का साधन**

✷ भारतीय कृषि के संदर्भ में, सही कथन है
—भारत में दालों की खेती के अंतर्गत आने वाला लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र वर्षा द्वारा पोषित है

✷ भारत में रासायनिक उर्वरकों के दो बड़े उपभोक्ता हैं
—उत्तर प्रदेश एवं आंध्र प्रदेश

✷ नई सुधारी गई ऊसर में हरी खाद के लिए उपयुक्त फसल है
—ढेंचा

✷ ढैंचा, शनई, बोड़ा (लोबिया) तथा ग्वार जैसे हरी खाद वाली फसलों में से नाइट्रोजन की मात्रा सर्वाधिक पाई जाती है **—बोड़ा (लोबिया) में**

✷ संतुलित उर्वरक प्रयोग किए जाते हैं
—उत्पादन बढ़ाने के लिए, खाद्य की गुणवत्ता उन्नत करने हेतु, भूमि की उत्पादकता बनाए रखने हेतु

✷ केरल तट, तमिलनाडु तट, तेलंगाना तथा विदर्भ में से दक्षिणी भारत में उच्च कृषि उत्पादकता का क्षेत्र पाया जाता है **—तमिलनाडु तट में**

✷ पुनर्भरण योग्य भौम जल संसाधन में सबसे संपन्न राज्य है **—उत्तर प्रदेश**

✷ भारत में ठेकेदारी कृषि को लागू करने में अग्रणी राज्य है **—पंजाब**

✷ 'हरित खेती' में सन्निहित है **—समेकित कीट प्रबंधन, समेकित पोषक पदार्थ आपूर्ति एवं समेकित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**

✷ भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण का प्रभाव है **—अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भारतीय किसानों के उत्पादों की पहुंच, नकदी फसल पर बल, आय-असमानता में वृद्धि, आर्थिक सहायता में कटौती आदि।**

✷ 'बीज ग्राम संकल्पना (सीड विलेज कॉन्सेप्ट)' के प्रमुख उद्देश्य का सर्वोत्तम वर्णन करता है **—किसानों को गुणतायुक्त बीज उत्पादन का प्रशिक्षण देने में लगाना और उनके द्वारा दूसरों को समुचित समय पर तथा वहन करने योग्य लागत में गुणतायुक्त बीज उपलब्ध कराना**

✷ एगमार्क है **—गुणवत्ता गारंटी की मोहर**

हरित क्रांति

✷ हरित क्रांति नई कृषि व्यूह-रचना का परिणाम थी, जो 20वीं सदी में प्रारंभ की गई थी **—सातवें दशक के दौरान**

✷ 'सदाबहार क्रांति' भारत में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाई गई **—एम.एस.स्वामीनाथन द्वारा**

✷ नॉर्मन अर्नेस्ट बोरलॉग, जो हरित क्रांति के जनक माने जाते हैं, वह संबंधित हैं **—संयुक्त राज्य अमेरिका से**

✷ विश्व में 'हरित क्रांति के जनक' हैं **—नॉर्मन ई. बोरलॉग**

✷ हरित क्रांति से गहरा संबंध रहा है **—डॉ. स्वामीनाथन का**

✷ हरित क्रांति से अभिप्राय है **—उच्च उत्पाद वैराइटी प्रोग्राम**

✷ मोटे अनाज, दलहन, गेहूं तथा तिलहन में से हरित क्रांति संबंधित है **—गेहूं उत्पादन से**

✷ वह फसल जिसको 'हरित क्रांति' का सर्वाधिक लाभ उत्पादन एवं उत्पादकता (Production & Productivity) दोनों में हुआ **—गेहूं**

✷ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत ने सर्वाधिक प्रगति की है **—गेहूं के उत्पादन में**

✷ हरित क्रांति में प्रयुक्त मुख्य पादप (फसल) थी **—मैक्सिकन गेहूं**

✷ भारत में द्वितीय हरित क्रांति के संबंध में सही है **—इसका लक्ष्य हरित क्रांति से अब तक लाभान्वित न हो सकने वाले क्षेत्रों में बीज,पानी,उर्वरक, तकनीक का विस्तार करना है। इसका लक्ष्य पशुपालन, सामाजिक वानिकी तथा मत्स्य पालन के साथ शस्योत्पादन का समाकलन करना है।**

✷ हरित-क्रांति के घटक हैं **—उच्च उत्पादन देने वाली किस्म के बीज, सिंचाई, ग्रामीण विद्युतीकरण, ग्रामीण सड़कें और विपणन**

✷ **कथन (A) :** भारत में हरित क्रांति के फलस्वरूप खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि हुई है।
कारण (R) : भारत में हरित क्रांति के परिणामस्वरूप क्षेत्रीय असमानताओं में वृद्धि हुई है। **—(A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।**

✷ इंद्रधनुषीय क्रांति का संबंध है **—इसमें कृषि क्षेत्र की सभी क्रांतियां शामिल हैं**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
खाद्य उत्पादन में वृद्धि	-	हरित क्रांति
दुग्ध उत्पादन	-	श्वेत क्रांति
मत्स्यपालन	-	नीली क्रांति
उर्वरक	-	भूरी क्रांति
उद्यान कृषी	-	सुनहरी क्रांति

✷ गुलाबी क्रांति संबंधित है **—प्याज से**

✷ जीरो टिल बीज एवं उर्वरक ड्रिल विकसित किया गया था **—जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में**

खाद्यान्न फसलें

i. रबी की फसलें

✷ रबी फसल की बुआई होती है **—अक्टूबर-नवंबर महीने में**

✷ 'रबी' फसल हैं **—सरसों, मसूर, चना, गेहूं आदि**

✷ गेहूं की अच्छी खेती आवश्यक परिस्थिति-समुच्चय है **—मध्यम ताप और मध्यम वर्षा**

✷ गन्ना, कपास, जूट तथा गेहूं में से नकदी फसल में सम्मिलित नहीं है **—गेहूं**

✷ नकदी फसल समूह है **—कपास, गन्ना, केला**

✷ तीन बड़े गेहूं उत्पादक राज्यों की दृष्टि से सही क्रम है **—उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं पंजाब**

✷ भारत का अधिकतम गेहूं उत्पादक राज्य है **—उत्तर प्रदेश**

✷ 'मही सुगंधा' प्रजाति है **—धान की फसल की**

✷ भारत में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है **—गेहूं, आलू और गन्ना के उत्पादन में**

✷ गेहूं की वह प्रजाति जो प्रेरित उत्परिवर्तन द्वारा विकसित की गई है **—सोनारा-64**

✷ गेहूं में बौनेपन का जीन है **—नोरिन-10**

✷ मैकरोनी गेहूं सबसे उपयुक्त है **—असिंचित परिस्थितियों के लिए**

✷ राज 3077 एक प्रजाति है **—गेहूं की**

✷ 'पूसा सिंधु गंगा' एक प्रजाति है **—गेहूं की**
✷ यूपी-308 एक प्रजाति है **—गेहूं की**
✷ गेहूं की फसल का रोग है **—रस्ट**
✷ कल्याण सोना एक किस्म है **—गेहूं की**
✷ गेहूं की अधिक पैदावार वाली किस्में हैं **—अर्जुन और सोनालिका**
✷ गेहूं के साथ दो फसली के लिए अरहर की उपयुक्त किस्म है **—यू.पी.ए.एस.-120**
✷ सही कथन है **—भारत में गेहूं का सर्वाधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश राज्य से प्राप्त होता है। उत्तर प्रदेश में अधिकतम क्षेत्रफल वाली फसल पद्धति धान-गेहूं है। एक प्रसार कर्मी के लिए राजनैतिक योग्यता आवश्यक नहीं है।**
✷ 'ट्रिटिकेल' जिन दो के बीच का संकर (क्रॉस) है, वह हैं **—गेहूं एवं राई**
✷ 'करनाल बंट' एक बीमारी है **—गेहूं की**

ii. खरीफ की फसलें

✷ धान की उत्पत्ति हुई **—दक्षिण-पूर्व एशिया में**
✷ खरीफ की फसलें हैं **—कपास, मूंगफली, धान आदि**
✷ चावल की खेती के लिए आदर्श जलवायु परिस्थितियां हैं **—100 सेमी. से ऊपर वर्षा और 25°C से ऊपर ताप**
✷ मसूर, अलसी, सरसों तथा सोयाबीन में से खरीफ की फसल है **—सोयाबीन**
✷ भारत में प्रमुख खाद्यान्न है **—चावल**
✷ खेती के अंतर्गत क्षेत्र के अनुसार भारत में सबसे महत्वपूर्ण खाद्य फसल है **—चावल**
✷ भारत में वह फसल जिसके अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल है **—धान**
✷ भारत में चावल की खेती के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र पाया जाता है **—उत्तर प्रदेश में**
✷ भारत में प्रति हेक्टेयर चावल का औसत उत्पादन वर्ष 2014-15 में था **—2390 किलोग्राम**
✷ भारत के 'चावल के कटोरे' क्षेत्र का नाम है **—कृष्णा-गोदावरी डेल्टा क्षेत्र**
✷ धान की उत्पादकता सर्वाधिक है **—पंजाब राज्य में**
✷ जया, पद्मा एवं कृष्णा उन्नत किस्में हैं **—धान की**
✷ 'अमन' धान उगाया जाता है **—जून-जुलाई (बुआई), नवंबर-दिसंबर (कटाई) में**
✷ पूसा सुगंधा-5 एक सुगंधित किस्म है **—धान की**
✷ 'बारानी दीप' है **—धान की किस्म**
✷ बासमती चावल की संकर प्रजाति है **—पूसा आर एच-10**
✷ बासमती चावल की रोपाई हेतु उपयुक्त बीज दर है **—15-20 किग्रा./हेक्टेयर**
✷ **कथन (A) :** पंजाब चावल का एक महत्वपूर्ण निर्यातक है।
कारण (R) : यह प्रदेश चावल के उत्पादन में अग्रणी है। **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**
✷ भारत में चावल का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है **—पश्चिम बंगाल**
✷ वह जीव जो चावल की फसल के लिए जैव उर्वरक का कार्य कर सकता है **—नील हरित शैवाल**
✷ **कथन (A) :** भारत में पश्चिमी तट की तुलना में पूर्वी तट में धान का उत्पादन अधिक होता है।
कारण (R) : भारत के पूर्वी तट पर पश्चिमी तट की तुलना में अधिक वर्षा होती है। **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**
✷ विगत एक दशक में, भारत में जिस फसल के लिए प्रयुक्त कुल कृष्य भूमि लगभग एक जैसी बनी रही है, वह है **—चावल**
✷ देश का आधे से अधिक उत्पादित चावल जिन चार राज्यों से प्राप्त होता है, वे हैं **—पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब और आंध्र प्रदेश**
✷ भारतवर्ष में चावल की खेती उन क्षेत्रों में होती है, जहां वार्षिक वर्षा **—100 सेमी. से अधिक है**
✷ वह राज्य जिसमें संकर धान की खेती के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल है **—उत्तर प्रदेश**
✷ वह फसलें जो जायद में मुख्यतः सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाती हैं **—मूंग एवं उड़द**

नकदी फसलें

i. कपास

✷ भारत में कपास का अधिकतम मात्रा में उत्पादन करने वाला क्षेत्र है **—उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी भारत**
✷ भारत का सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य है **—गुजरात**
✷ मध्य प्रदेश का वह जिला जो कपास की खेती के कारण 'सफेद सोने' का क्षेत्र कहा जाता है **—उज्जैन-शाजापुर**
✷ महाराष्ट्र में वह फसल जो 'श्वेत स्वर्ण' के नाम से जानी जाती है **—कपास**
✷ सत्य कथन है **— भारत कपास के पौधे का आदि निवास है। विश्व में भारत पहला देश है, जहां कपास की संकर किस्म विकसित हुई, जिसके परिणामस्वरूप वर्धित उत्पादन होता है।**
✷ कपास के रेशे प्राप्त होते हैं **—बीज से**
✷ महाराष्ट्र के काली मिट्टी के क्षेत्र में कपास को गन्ने की फसल से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण है **—सिंचाई सुविधाओं के प्रसार के कारण इस क्षेत्र में गन्ने की फसल अधिक लाभप्रद है**

ii. गन्ना

✷ भारत का वह राज्य जिसमें गन्ने की खेती के अंतर्गत सबसे अधिक भूमि है **—उत्तर प्रदेश**

✷ भारत की फसलों में से वह फसल जिसके अंतर्गत उसके शुद्ध सकल कृषि क्षेत्र के सिंचित क्षेत्र का सर्वाधिक प्रतिशत है **—गन्ना**

✷ भारत में तीन गन्ना उत्पादक राज्यों का घटते हुए (Decreasing Order) क्रम में सही अनुक्रम है **—उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक**

✷ भारत में सर्वाधिक गन्ना पैदा करने वाला राज्य है **—उत्तर प्रदेश**

✷ सत्य कथन हैं **— चीनी उत्पादन प्रक्रम में शीरा एक उपोत्पाद है। चीनी कारखानों में चीनी मिलों में से निकली खोई भाप बनाने के लिए बॉयलरों में ईंधन के रूप में प्रयोग की जाती है।**

✷ गन्ना उत्पादन के एक व्यावहारिक उपागम का, जिसे 'धारणीय गन्ना उपक्रमण' के रूप में जाना जाता है, महत्व है **—कृषि की पारंपरिक पद्धति की तुलना में इसमें बीज की लागत बहुत कम होती है। इसमें च्यवन (ड्रिप) सिंचाई का प्रभावकारी प्रयोग हो सकता है। कृषि की पारंपरिक पद्धति की तुलना में इसमें अंतराशस्यन की ज्यादा गुंजाइश है।**

✷ गन्ने में शर्करा की मात्रा घट जाती है, यदि **—पकने की अवधि में पाला गिर जाए**

✷ चीनी उद्योग से संबंधित कथन सही हैं **—विश्व में चीनी उत्पादन में भारत का हिस्सा 15 प्रतिशत से अधिक है। भारत में चीनी उद्योग दूसरा सबसे बड़ा कृषि आधारित उद्योग है। भारत चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है।**

✷ शक्कर नगर चीनी का एक प्रमुख उत्पादक केंद्र है **—आंध्र प्रदेश में**

✷ भारत का 'शक्कर का प्याला' कहलाता है **—उत्तर प्रदेश**

✷ 1903 में भारतवर्ष की प्रथम चीनी मिल स्थापित की गई **—प्रतापपुर (देवरिया) में**

✷ उत्तरी भारत से दक्षिणी भारत में चीनी उद्योग के स्थानिक स्थानांतरण का कारण है **—गन्ने का प्रति एकड़ उच्चतर उत्पादन, गन्ने में शर्करा का अधिक होना, पेराई का अधिक लंबा मौसम**

✷ गन्ने में प्रजनन का कार्य किया जा रहा है **—कोयम्बटूर में**

✷ गन्ने का बीज उत्पादित किया जाता है **—एस.बी.आई. कोयम्बटूर में**

✷ गन्ने की अडसाली फसल पकने के लिए समय लेती है **—18 माह**

तिलहन

✷ तिलहनी फसल है **—सूर्यमुखी, तिल, अलसी, सोयाबीन, अरंडी आदि।**

✷ पीली (पीत) क्रांति संबंधित है **—तिलहन उत्पादन से**

✷ शुष्क भूमि के लिए सर्वाधिक उचित फसल है **—मूंगफली**

✷ 'पेगिंग' एक लाभकारी प्रक्रिया है **—मूंगफली में**

✷ भारत में सोयाबीन का अग्रणी उत्पादक राज्य है **—मध्य प्रदेश**

✷ भारत में सोयाबीन की खेती का सर्वाधिक क्षेत्रफल है **—मध्य प्रदेश में**

✷ भारत में मूंगफली का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है **—गुजरात**

✷ मूंगफली के क्षेत्रांतर्गत कम परंतु, प्रति हेक्टेयर बहुत अधिक उत्पादन वाला भारत का राज्य है **—पंजाब**

✷ राजस्थान प्रमुख उत्पादक है **—सरसों का**

✷ नीचे दिए गए मानचित्र पर विचार कीजिए–

मानचित्र में A, B, C तथा D द्वारा अंकित स्थल क्रमशः प्रसिद्ध है **—मूंगफली, गन्ना, रागी तथा तम्बाकू के लिए**

✷ भारत में उत्पादित मुख्य तिलहन फसल है **—सोयाबीन, मूंगफली, सरसों, तिल**

✷ सरसों की प्रजातियां हैं **—वरुणा, पूसा बोल्ड एवं पितांबरी आदि**

✷ जिप्सम की अधिक मात्रा आवश्यक होती है **—मूंगफली की फसल में**

✷ 'कौशल' उन्नत प्रजाति है **—मूंगफली की**

दलहन

✷ वह देश जो दलहनी फसलों का मुख्य उत्पादक तथा उपभोक्ता है **—भारत**

✷ भारत में सामान्यतः निर्यात नहीं किया जाता है **—दालों का**

✷ **कथन (A) :** भारत में दालों की कमी है, परंतु प्रोटीन की नहीं।
कारण (R) : दालों की मांग की वरीयता है।
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✷ भारत में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है **—मध्य प्रदेश**
✷ हवा से नत्रजन संचित करने की क्षमता होती है **—दालों में**
✷ दलहनी फसलों के उत्पादन हेतु आवश्यक तत्व है **—कोबाल्ट**
✷ वायुमंडल के नत्रजन का स्थिरीकरण करने वाली दलहनी फसल है **—चना, मटर एवं मूंग**
✷ दलहनी फसलों में संतुलित खाद का अनुपात (एन.पी.के.) है **—1 : 2 : 2**
✷ अरहर का जन्म स्थान है **—भारतवर्ष**
✷ मालवीय चमत्कार एक प्रजाति है **—अरहर की**
✷ 'बहार' एक प्रसिद्ध प्रजाति है **—अरहर की**
✷ मटर की पत्तीविहीन जाति है **—अपर्णा**

रेशम

✷ भारत में सर्वाधिक रेशम पैदा करने वाला राज्य है **—कर्नाटक**
✷ भारत को 60 प्रतिशत से अधिक कच्चा रेशम प्राप्त होता है **—आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक से**
✷ सही सुमेलित है

(प्रकार)		(उत्पादन)
शहतूत रेशम	-	**कर्नाटक**
टसर रेशम	-	**झारखंड**
ईरी रेशम	-	**असम**
मूंगा रेशम	-	**असम**

✷ मूंगा रेशम की एक ऐसी किस्म है, जो पूरे विश्व में केवल भारत में होती है **—असम में**
✷ टसर रेशम का अग्रणी उत्पादक राज्य है **—झारखंड**

बागानी फसलें

i. कॉफी/कहवा

✷ राष्ट्रीय बागवानी परिषद (बोर्ड) की स्थापना हुई थी **—वर्ष 1984 में**
✷ यद्यपि कॉफी और चाय दोनों की खेती पहाड़ी ढलानों पर की जाती है, तथापि इनकी कृषि के संबंध में इन दोनों में कुछ अंतर पाया जाता है। इस संदर्भ में सत्य कथन हैं **—कॉफी के पौधे को उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की उष्ण और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है, जबकि चाय की खेती उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण दोनों क्षेत्रों में की जाती है। कॉफी बीजों के द्वारा प्रवर्धित की जाती है, लेकिन चाय केवल डाली कलम के द्वारा प्रवर्धित की जाती है।**
✷ भारत में सर्वाधिक कॉफी उत्पादन की जाती है **—कर्नाटक में**
✷ भारत में देश का 72.3 प्रतिशत से अधिक कॉफी अकेले पैदा करता है **—कर्नाटक**
✷ भारत में कहवा की खेती का क्षेत्र सर्वाधिक पाया जाता है **—कर्नाटक में**

ii. चाय एवं रबर

✷ वर्ष 2015 के आंकड़ों के अनुसार, चाय के उत्पादन एवं उपभोग में चीन का प्रथम तथा भारत का **—द्वितीय स्थान**
✷ भारत में वह नकदी फसल जिससे अधिकतम विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है **—चाय**
✷ भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है **—असम**
✷ भारत अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करता है **—चाय का**
✷ **कथन (A) :** भारत चाय में महत्वपूर्ण निर्यातक देश है।
कारण (R) : भारत में चाय की घरेलू खपत बहुत कम है। **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**
✷ एक ऐसे क्षेत्र में जहां वार्षिक वर्षा 200 सेमी. से अधिक होती है और ढलाव पहाड़ी स्थल है, खेती अभीष्ट (Ideal) होगी **—चाय की**
✷ ग्रीन गोल्ड किस्म है **—चाय की**
✷ बराक घाटी की महत्वपूर्ण फसल है **—धान**
✷ भारत में रबर का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य है **—केरल**

iii. अन्य बागानी फसलें

✷ भारत का वह राज्य जहां कहवा, रबर तथा तम्बाकू सभी की कृषि की जाती है **—कर्नाटक**
✷ भारत में बागानी कृषि के अंतर्गत उगाई जाने वाली मुख्य शस्य हैं **—चाय, रबर, नारियल, कहवा**
✷ सही कथन हैं **—चाय असम की मुख्य फसल है। तम्बाकू आंध्र प्रदेश में विस्तृत पैमाने पर उगाई जाती है।**
✷ भारत में तम्बाकू का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य है **—आंध्र प्रदेश**
✷ भारत में तम्बाकू की कृषि के अंतर्गत वृहत्तम क्षेत्र है **—आंध्र प्रदेश में**
✷ भारत में नारियल का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है **—तमिलनाडु**
✷ काली मिर्च का अधिकतम उत्पादन (विश्व में) होता है **—वियतनाम और भारत में**
✷ इलायची उत्पादन के लिए प्रसिद्ध राज्य हैं **—केरल, कर्नाटक एवं तमिलनाडु**
✷ केरल राज्य विश्वभर में जाना जाता है **—गरम मसालों के संवर्धन के लिए**
✷ 'मसालों का बागान' कहा जाने वाला राज्य है **—केरल**
✷ लौंग प्राप्त होता है **—पुष्पकली से**
✷ लौंग की खेती मुख्यतः होती है **—केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
जूट	-	पश्चिम बंगाल
चाय	-	असम
रबर	-	केरल
गन्ना	-	उत्तर प्रदेश

✷ भारत में काली मिर्च की खेती के लिए अनुकूल दशाएं हैं
—उष्ण और आर्द्र जलवायु, 200 सेंटीमीटर वार्षिक वर्षा, 1100 मीटर तक की ऊंचाई के पहाड़ी ढ़ाल, 15^0 C से 30^0 तक वार्षिक ताप परिसर

✷ भारत के 'काला सोना' के रूप में जाना जाता है
—काली मिर्च एवं कोयला

✷ भारत में मसालों का सर्वाधिक उत्पादक है **—गुजरात**

✷ काजू का प्रमुख उत्पादक राज्य है **—महाराष्ट्र**

झूमिंग कृषि

✷ झूमिंग अथवा पैड़ा पद्धति है **—जंगल काटकर सूखने को छोड़ना**

✷ झूमिंग सर्वाधिक व्यवहृत है **—नगालैंड में**

✷ चलवासी कृषि जिन राज्यों के पहाड़ी क्षेत्रों की प्रमुख समस्या है, वह राज्य हैं **—असम तथा झारखंड**

कृषि : विविध

✷ सही सुमेलित हैं

(राज्य)		(उत्पादन)
केरल	-	टैपियोका
गुजरात	-	कपास
पश्चिम बंगाल	-	पटसन
गुजरात	-	मूंगफली

✷ सही सुमेलित है

(फसल)		(वृहत्तम उत्पादक)
आलू	-	उत्तर प्रदेश
नारियल	-	केरल
केला	-	तमिलनाडु
तम्बाकू	-	आंध्र प्रदेश

✷ भारत में आलू का सर्वाधिक उत्पादन होता है **—उत्तर प्रदेश में**

✷ राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र स्थित है- **—त्रिची में**

✷ भारत में खाद्यान्नों का उनके उत्पादन (मिलियन टन में) का सही ह्रासवान क्रम है **—चावल — गेहूं — मोटे अनाज — दालें**

✷ भारत का वह राज्य, जो खाद्यान्न उत्पादन में अधिकतम अंशदान करता है **—उत्तर प्रदेश**

✷ भारत का वह राज्य जो कपास, मूंगफली एवं नमक के उत्पादों में प्रथम स्थान पर है **—गुजरात**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (कृषि उत्पादन)		सूची-II (अग्रणी उत्पादक)
चना	-	मध्य प्रदेश
काली मिर्च	-	केरल
अनन्नास	-	पश्चिम बंगाल

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (फसलें)		सूची-II (फसल नाशक जीव)
चावल	-	घुंडी मत्कुण
गेहूं	-	एफिड
गन्ना	-	शीर्ष प्ररोह वेधक शलभ
चना	-	गोलक शलभ

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (फसल का नाम)		सूची-II (बीमारी का नाम)
गन्ना	-	रेड राट
धान	-	खैरा
अरहर	-	उक्ठा (विल्ट)
आलू	-	झुलसा (लेट ब्लाइट)

✷ हरित बाल रोग पाया जाता है **—बाजरे में**

✷ गन्ना, चुकंदर, स्वीट पी, चना, अरहर और फरासबीन आते हैं
—त्रिपादप कुल के अंतर्गत

✷ वर्ष 2015-16 में भारत में कुल खाद्यान्न उत्पादन था
—251.57 मिलियन टन

✷ विश्व में फल उत्पादन में भारत का स्थान है **—दूसरा**

✷ भारत का सर्वाधिक पटसन-उत्पादक राज्य है **—पश्चिम बंगाल**

✷ भारत में जूट उद्योग प्रमुखतः केंद्रित है **—पश्चिम बंगाल में**

✷ गंगा के निचले मैदानों की यह विशेषता है कि यहां वर्षभर जलवायु उच्च तापमान के साथ आर्द्र बनी रहती है। इस क्षेत्र के लिए सबसे उपयुक्त फसल युग्म है **—धान और जूट**

✷ भारत में जूट का सर्वाधिक क्षेत्रफल है **—प. बंगाल में**

✷ वर्षभर बोई जाने वाली फसल है **—मक्का**

✷ मक्का के लिए सही कथन हैं
—मक्का का मंड के उत्पादन के लिए प्रयोग किया जा सकता है। मक्का से निष्कर्षित तेल जैव-डीजल के लिए फीडस्टॉक हो सकता है। मक्का के प्रयोग से एल्कोहॉली पेय उत्पन्न किया जा सकता है।

✷ मक्का की फसल पकने की अवधि है **—110 दिन**

✷ C4 पौधा है **—मक्का**

✷ भारत में तीन शीर्ष मक्का उत्पादक राज्य हैं
—कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं बिहार

✷ शक्तिमान-1 और शक्तिमान-2 आनुवंशिक परिवर्तित फसलें हैं
—मक्का की

✷ भारत में केसर का वाणिज्यिक स्तर पर उत्पादन होता है **—जम्मू और कश्मीर में**

✷ भारत में केसर की सबसे अधिक मात्रा उत्पन्न होती है **—कश्मीर में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (फसलें)	सूची-II (भौगोलिक परिस्थितियां)
जौ	- ठंडी जलवायु तथा अपेक्षाकृत कम उपजाऊ मृदा
चावल	- तप्त और नम जलवायु तथा उपजाऊ मृदा
मिलेट (ज्वार,बाजरा आदि)	- तप्त और शुष्क जलवायु तथा अल्प उपजाऊ मृदा
चाय	- गर्म और नम जलवायु तथा उच्च तुंगता

✷ सही सुमेलन है

सूची-I	सूची-II
कपास	- वर्षा 500-1000 mm; तापमान 18^0-22^0C
फ्लैक्स	- वर्षा 600-800 mm; तापमान 5^0-18^0C
चुकंदर	- वर्षा 500-600 mm; तापमान 18^0-22^0C
पटसन	- वर्षा 1500-2000 mm; तापमान 25^0-35^0C

✷ वह पौधा जिसकी खेती, पौध का प्रतिरोपण करके की जाती है **—प्याज**

✷ फसल चक्र जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समझा जाता है, वह है **—धान-मक्का-गेहूं**

✷ भागीरथी घाटी में राजमा और आलू की खेती प्रारंभ करने का श्रेय दिया जाता है **—विल्सन को**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I	सूची-II
कॉफी बोर्ड	- बंगलुरू
रबर बोर्ड	- कोट्टायम
चाय बोर्ड	- कोलकाता
तम्बाकू बोर्ड	- गुंटूर

✷ सब्जी उत्पादन में भारत का स्थान है **—द्वितीय**

✷ विश्व में सब्जियों का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला देश है **—चीन**

✷ आम की बीजरहित प्रजाति है **—सिंधु**

✷ आम की वह किस्म जो दशहरी एवं नीलम के क्रॉस से विकसित की गई है **—आम्रपाली**

✷ ललित उन्नत किस्म है **—अमरूद की**

✷ आम की नियमित फसल वाली प्रजातियां हैं **—दशहरी-51, बैंगालोरा (तोतापरी), नीलम, आम्रपाली आदि**

✷ 'कंचन' एक उन्नत किस्म है **—आंवला की**

✷ केले का अधिकतम उत्पादन होता है **—तमिलनाडु में**

✷ बोरलॉग पुरस्कार दिया जाता है **—कृषि विज्ञान के क्षेत्र में**

✷ प्रसंस्करण हेतु आलू की सबसे अच्छी किस्म है **—कुफरी चिप्सौना-2**

✷ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का एक लक्ष्य धारणीय रीति से देश के चुनिंदा जिलों में खेतीगत जमीन में बढ़ोत्तरी एवं उत्पादकता में वृद्धि लाकर कुछ फसलों की उत्पादकता में वृद्धि लाना है। ये फसलें हैं **—केवल चावल, गेहूं, दलहन, बाजरा एवं चारा की फसल**

✷ वह फसलें जो अधिकांशत: निर्वाहमूलक कृषि के अंतर्गत पैदा की जाती हैं **—मोटे अनाज तथा चावल**

✷ अदरक का तना जो मिट्टी में उगता है और खाद्य का संग्रहण करता है, वह कहलाता है **—प्रकंद**

✷ अनाज के दानों का उत्पाद है **—ओट मील**

✷ उत्तराखंड में उगाया जाने वाला अनाज 'मंडुआ' (कोदा) का निर्यात जिस देश में अधिकांशत: किया जा रहा है, वह देश है **—जापान**

✷ प्रमुखतया वर्षा आधारित फसल हैं **—मूंगफली, तिल, बाजरा**

✷ वह फसलें जो, दलहन, चारा और हरी खाद के रूप में प्रयुक्त होती हैं **—लोबिया, अरहर एवं मूंग**

✷ वह राज्य जिसमें सर्वोपयुक्त जलवायु-विषयक स्थितियां उपलब्ध हैं, जिसमें न्यूनतम लागत से आर्किड की विविध किस्मों की खेती हो सकती है, और वह इस क्षेत्र में निर्यात उन्मुख उद्योग विकसित कर सकता है **—अरुणाचल प्रदेश**

✷ देश का प्रथम पूर्ण रूप से जैविक-राज्य घोषित किया गया है **—सिक्किम को**

✷ गुजरात राज्य की विशिष्टताएं हैं **—उसका उत्तरी भाग शुष्क एवं अर्धशुष्क है। उसके मध्य भाग में कपास का उत्पादन होता है। उस राज्य में खाद्य फसलों की तुलना में नकदी फसलों की खेती अधिक होती है।**

✷ भारत में ग्वार (क्लस्टर बीन) का पारंपरिक रूप से सब्जी या पशु आहार के रूप में उपयोग किया जाता है, किंतु हाल ही में इसकी खेती ने महत्व का स्थान प्राप्त किया है। इस संदर्भ में सही कथन है **—इसके बीजों से निर्मित गोंद शेल गैस के निष्कर्षण में प्रयुक्त होता है।**

✷ **कथन (A) :** भारत में पश्चिम बंगाल मछली का सबसे बड़ा उत्पादक है। **कारण (R) :** पश्चिम बंगाल के सागर तट के किनारे मत्स्य उद्योग सुविकसित है। **—(A) सत्य है, परंतु (R) गलत है।**

✷ भारत में कुल मत्स्य उत्पादक अग्रणी राज्य क्रमश हैं **—आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु**

✷ PBW-343 और DBW-17 प्रजातियां हैं **—गेहूं की**

✷ धान की खैरा बीमारी के लिए प्रयोग किया जाता है **—जिंक सल्फेट**

✷ भारत में आम का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य हैं **—उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना**

✷ विश्व के फल उत्पादन में भारत का योगदान है **—15% लगभग**

पशुपालन

- स्टॉक फार्मिंग है —**पशुओं का प्रजनन**
- प्रति 100 हेक्टेयर सकल कृष्य क्षेत्र में मवेशियों की संख्या का घनत्व सबसे अधिक है —**बिहार में**
- भारत की लगभग एक तिहाई गाय-बैलों की संख्या तीन राज्यों में पाई जाती है, ये हैं —**मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल**
- सही कथन हैं —**मध्य प्रदेश में भारत के गाय-बैलों की सर्वाधिक संख्या पाई जाती है। उत्तर प्रदेश में भारत के भैंसों की सर्वाधिक संख्या पाई जाती है। आंध्र प्रदेश में भारत की भेड़ों की सर्वाधिक संख्या पाई जाती है। भारत में तमितनाडु गाय के दूध का सबसे बड़ा उत्पादक है।**
- भारत में सर्वाधिक दुग्ध देने वाली बकरी की नस्ल है —**जमनपारी**
- थारपरकर प्रजाति की गाय पाई जाती है —**राजस्थान के सीमावृत्ति क्षेत्र में**
- गाय की जो नस्ल अधिक दूध देती है, वह है —**साहिवाल**
- विश्व में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में भारत का स्थान है —**प्रथम**
- भारत में दुग्ध का सर्वाधिक उत्पादन होता है —**उत्तर प्रदेश में**
- 'ऑपरेशन फ्लड' का संबंध है —**दुग्ध उत्पादन एवं वितरण से**
- भारत की 'श्वेत क्रांति' का जनक कहा जाता है —**डॉ. वर्गीज कुरियन को**
- श्वेत क्रांति संबंधित है —**दुग्ध उत्पादन से**
- 'राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान' स्थित है —**करनाल में**

खनिज संसाधन

A. शैल तंत्र

- भारत का सबसे महत्वपूर्ण खनिजयुक्त रॉक तंत्र है —**धारवाड़ तंत्र**
- विंध्य शैलों में वृहद भंडार पाए जाते हैं —**चूना पत्थर के**
- भारत के खनिज संसाधनों के सबसे बड़े भंडार हैं —**दक्षिण-पूर्व में**
- खनिज संसाधनों की सर्वाधिक संपन्नता है —**कर्नाटक में**

B. धात्विक खनिज

i. लौह अयस्क

- भारत के भौमिकीय शैल क्रमों में लौह अयस्क का समृद्ध भंडार पाया जाता है —**धारवाड़ क्रम में**
- भारत में कोयला के कुल संचित भंडार की दृष्टि से संपन्न राज्य हैं —**झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, प. बंगाल एवं मध्य प्रदेश**
- भारत में कोयले के उत्पादन की दृष्टि से शीर्ष राज्य हैं —**छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश तथा तेलंगाना**
- कुद्रेमुख क्षेत्र संबंधित है —**लौह अयस्क से**
- वह भारतीय राज्य जहां लौह अयस्क उपलब्ध नहीं है —**पंजाब**
- राजस्थान की नाथरा-की-पाल क्षेत्र में पाया जाने वाला खनिज है —**लौह अयस्क**
- बैलाडिला खान संबंधित है —**लौह अयस्क से**
- भारत में सबसे बड़ी मशीनीकृत खान है —**बैलाडीला खान**

ii. जस्ता

- एशिया का श्रेष्ठ जस्ता एवं सीसा अयस्क भंडार उपलब्ध है —**भीलवाड़ा जिले के रामपुरा अगुचा में**
- राजस्थान का लगभग एकाधिकार है —**जस्ता में**

iii. चांदी

- भारत के प्रमुख चांदी उत्पादक राज्य हैं —**राजस्थान एवं कर्नाटक**

iv. तांबा

- मध्य प्रदेश में तांबा पाया जाता है —**मलाजखंड (बालाघाट जिला) में**
- वह राज्य जिसमें तांबा का सबसे अधिक भंडार है —**राजस्थान**
- भारत में तांबा के शीर्ष उत्पादक राज्य हैं —**मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड**
- भारत में सर्वाधिक निकेल उत्पादन होता है —**ओडिशा में**
- सही सुमेलन है

सूची-I (तांबा के क्षेत्र)		सूची-II (राज्य)
चंदरपुर	-	महाराष्ट्र
हासन	-	कर्नाटक
खम्माम	-	तेलंगाना
खेतड़ी	-	राजस्थान

v. बॉक्साइट

- बॉक्साइट अयस्क है —**एल्युमीनियम का**
- भारत के दो शीर्षस्थ बॉक्साइट उत्पादक राज्य हैं —**ओडिशा एवं गुजरात**

vi. टिन

- भारत में टिन अयस्क का प्रमुख भंडार है —**छत्तीसगढ़ में**
- भारत में टिन का अग्रगण्य उत्पादक राज्य है —**छत्तीसगढ़**

C. अधात्विक खनिज

i. अभ्रक

- भारत में अभ्रक का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है —**आंध्र प्रदेश**
- भारत में अभ्रक संसाधन सर्वाधिक हैं —**आंध्र प्रदेश में**

✷ भारत की सबसे बड़ी अभ्रक (Mica) मेखला वाले जिले हैं
—हजारीबाग, गया और मुंगेर

✷ विश्व में अभ्रक का अग्रणी उत्पादक है **—चीन**

ii. संगमरमर

✷ सर्वोत्तम किस्म का संगमरमर पाया जाता है **—मकराना में**

✷ संगमरमर है, एक **—कायांतरित चट्टान एवं पुनर्रवीकृत चूना पत्थर**

D. ऊर्जा खनिज

i. कोयला

✷ भारत के शैल तंत्रों में कोयला निचयों (डिपॉजिट्स) का प्रमुख स्रोत है
—गोंडवाना तंत्र

✷ भारतीय कोयले का अभिलक्षण हैं
—उच्च भस्म अंश, निम्न सल्फर अंश

✷ भारत के शैल समूहों में से गोंडवाना शैलों को सबसे महत्वपूर्ण मानने के लिए तर्क उपयुक्त है **—इनमें भारत का 90 प्रतिशत से अधिक कोयला भंडार पाया जाता है।**

✷ प्राप्त जानकारी की वर्तमान स्थिति और संसाधन परिस्थिति को देखते हुए भारत तीस वर्ष तक आत्मनिर्भर रहेगा **—कोककारी कोयला में**

✷ छोटा नागपुर औद्योगिक क्षेत्र का विकास संबंधित रहा है
—कोयला की खोज से

✷ देश में कुल कोयला-उत्पादन में झारखंड की भागीदारी है **—20%**

✷ वह राज्य जिसमें नामचिक-नामफुक कोयला क्षेत्र अवस्थित है
—अरुणाचल प्रदेश

✷ कोरबा कोयला क्षेत्र अवस्थित है **—छत्तीसगढ़ में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (कोयला-उत्पादक क्षेत्र)		सूची-II (कोयला खदान)
दामोदर घाटी	-	बराकर
सोन घाटी	-	उमरिया
गोदावरी घाटी	-	सिंगरेनी
महानदी घाटी	-	तलचर

✷ तलचर एक प्रसिद्ध कोयला क्षेत्र है **—ओडिशा में**

✷ भारत के कोयला उत्पादन में छोटा नागपुर का योगदान है, लगभग
—80 प्रतिशत

✷ कोयला क्षेत्र जिसमें कोयला भंडार सर्वाधिक हैं **—झरिया, रानीगंज**

✷ झारखंड में कोयला की खानें स्थित हैं **—झरिया में**

✷ **कथन (A) :** लिग्नाइट निकृष्ट कोटि का कोयला है, जिसमें कार्बन की मात्रा 35-40 प्रतिशत है।
कारण (R) : भारत में झारखंड लिग्नाइट का सर्वप्रमुख उत्पादक है।
—(A) सत्य है, परंतु (R) गलत है।

✷ भारत में लिग्नाइट कोयले का सर्वाधिक जमाव पाया जाता है
—तमिलनाडु में

✷ **कथन (A) :** कोयले का अंतर्राज्यीय परिवहन, रेलवे द्वारा संपन्न किए जाने वाले परिवहन का एक प्रमुख घटक है।
कारण (R) : बंगाल-झारखंड कोयले की खदानें पश्चिमोत्तर राज्यों की कोयला आपूर्ति का प्रमुख स्रोत हैं। **—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।**

✷ बिसरामपुर प्रसिद्ध है **—कोयला खनन के लिए**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (कोयला क्षेत्र)		सूची-II (राज्य)
करनपुरा	-	झारखंड
सिंगरेनी	-	आंध्र प्रदेश
नेवेली	-	तमिलनाडु
कोरबा	-	छत्तीसगढ़

✷ कोयले के वृहत सुरक्षित भंडार होते हुए भी भारत मिलियन टन कोयले का आयात करता है, क्योंकि
—भारत के अधिकतर विद्युत संयंत्र कोयले पर आधारित हैं और उन्हें देश से पर्याप्त मात्रा में कोयले की आंतरिक आपूर्ति नहीं हो पाती। इस्पात कंपनियों को बड़ी मात्रा में कोक कोयले की आवश्यकता पड़ती है, जिसे आयात करना पड़ता है।

✷ भारतीय कोयला उद्योग की समस्याएं हैं
—निम्न कोटि का कोयला एवं कोयला संचलन में बाधा, धुलाई संस्थानों की उपयोग क्षमता में कमी, कोकिंग कोयला के आयात पर बढ़ती निर्भरता, कार्य संचालन कीमतें

✷ कोयले का सर्वाधिक उपयोग होता है **—ऊर्जा उत्पादन में**

ii. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस

✷ भारत में सबसे पुराना तेल का भंडार /तेलशोधन इकाई अवस्थित है
—डिग्बोई (असम) में

✷ भारत में पेट्रोलियम का अग्रणी उत्पादक राज्य है **—राजस्थान**

✷ अंकलेश्वर प्रसिद्ध है **—पेट्रोल के भंडार के लिए**

✷ लुनेज पेट्रोल उत्पादक क्षेत्र स्थित है **—गुजरात में**

✷ नवग्राम तेल क्षेत्र स्थित है **—गुजरात में**

✷ भारत में सर्वप्रथम खनिज तेल का कुआं खोदा गया **—माकूम में**

✷ आंध्र प्रदेश में अवस्थित तेल परिशोधनशाला है
—विशाखापट्टनम तेलशोधन केंद्र

✷ पनागुडी (तमिलनाडु) प्रसिद्ध है
—पवन चक्कियों एवं राकेट इंजन प्लांट के लिए

✷ भारत में सर्वप्रथम तेल/ऊर्जा संकट प्रारंभ हुआ
—1970 और 1980 के दौरान

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (तेलशोधनशाला)		सूची-II (राज्य)
हल्दिया	-	पश्चिम बंगाल
जामनगर	-	गुजरात
कोच्चि	-	केरल
नुमालीगढ़	-	असम

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (तेलशोधक कारखाना)		सूची-II (राज्य)
तातीपाका	-	आंध्र प्रदेश
कोयाली	-	गुजरात
बरौनी	-	बिहार

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (तेल शोधशालाएं)		सूची-II (राज्य)
नूनमाटी	-	असम
मंगलौर	-	कर्नाटक
पानीपत	-	हरियाणा

✷ सही सुमेलन है

(तेल शोधनशाला)		(स्थापित)
बीना (म.प्र.)	-	बी.पी.सी.एल
तातीपाका (आंध्र प्रदेश)	-	ओ.एन.जी.सी.
डिग्बोई (असम)	-	आई.ओ.सी.एल.
कोयाली (गुजरात)	-	आई.ओ.सी.एल.

✷ मंगला-भाग्यम्, शक्ति एवं ऐश्वर्या हैं **—बाड़मेर-सांचौर बेसिन में खोजे गए तेल क्षेत्र**

✷ 14 एन.ई.एम.पी. ब्लॉक्स, 1 जे.वी. ब्लॉक्स, 2 नोमिनेशन ब्लॉक्स एवं 4 सी.बी.एम. ब्लॉक्स संबंधित हैं **—पेट्रोलियम अन्वेषण से**

✷ 'हाइड्रोजन विजन- 2025' संबंधित है **—पेट्रोलियम उत्पाद के भंडारण से**

✷ भारत में तेल अन्वेषण का कार्य किया जाता है **—ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा**

✷ एच.बी.जे. पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस का परिवहन होता है **—दक्षिणी बेसिन से**

✷ हजीरा-बीजापुर-जगदीशपुर (एचबीजे) गैस पाइप-लाइन निर्मित की गई है **—गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा**

✷ भारत में अधिकांश प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जाता है **—मुम्बई हाई से**

✷ मुम्बई हाई तेल क्षेत्र मुंबई तट से दूर है **—160 किमी.**

✷ केजी-डी-6 बेसिन में, जो अप्रैल, 2009 से लगातार चर्चा में है, भारी मात्रा में भंडार है **—गैस का**

✷ भारत के वह क्षेत्र जिसमें शेल गैस के संसाधन पाए जाते हैं **—कैम्बे बेसिन, कावेरी बेसिन, कृष्णा-गोदावरी बेसिन**

✷ कोयला, लकड़ी, डीजल तथा पेट्रोल में से जीवाश्म ईंधन नहीं है **—लकड़ी**

E. विविध : खनिज

✷ गोंडवाना संस्तरों में पाया जाता है **—कोयला निक्षेप**

✷ माइका सिटी ऑफ इंडिया कहा जाता है **—कोडरमा को**

✷ तांबा, गारनेट (तामड़ा), मैंगनीज एवं पाइराइट में से कायांतरित चट्टानों (मेटामॉरफिक चट्टान) से संबद्ध करेंगे **—गारनेट (तामड़ा) को**

✷ क्वार्ट्जाइट कायांतरित (Metamorphose) होता है **—बलुआ पत्थर से**

✷ इंडियन मिनरल बुक, 2015 के अनुसार, वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 में भारत में मैंगनीज का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य है **—मध्य प्रदेश**

✷ वर्ष 2014-15 में भारत में मैंगनीज उत्पादक राज्यों में उच्च से निम्न उत्पादन स्तर का सही क्रम है **—मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (खनिज)		सूची-II (शीर्ष उत्पादक राज्य)
लौह अयस्क	-	ओडिशा
तांबा	-	राजस्थान (प्रथम मध्य प्रदेश)
सोना	-	कर्नाटक
अभ्रक	-	आंध्र प्रदेश

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
खनिज तेल	-	गुजरात (प्रथम राजस्थान)
जिप्सम	-	राजस्थान
बॉक्साइट	-	ओडिशा

✷ हेमेटाइट, बॉक्साइट, जिप्सम तथा लिमोनाइट में से धातु खनिज नहीं है **—जिप्सम**

✷ भारत का प्रमुख जिप्सम उत्पादक राज्य है **—राजस्थान**

✷ वह उत्पादन जो चुरू-बीकानेर-श्रीगंगानगर पट्टी में बहुतायत मात्रा में पाया जाता है जो कि (1) पर्यावरण प्रदूषण का कारण है, (2) मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाने में काम आता है तथा (3) गुणात्मक संवर्धन (वेल्यू एडिशन) के उपरांत उसका उपयोग स्वास्थ्य तथा निर्माण क्षेत्र (सेक्टर) में होता है, है **—जिप्सम**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (खनिज)		सूची-II (प्राप्ति के प्ररूपी क्षेत्र)
कोयला	-	करनपुरा
स्वर्ण	-	हट्टी
अभ्रक	-	नेल्लोर
मैंगनीज	-	भंडारा

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (केंद्र)		सूची-II (खनिज)
मकुम	-	कोयला
डल्लीराजहरा	-	लौह अयस्क
कोरापुट	-	बॉक्साइट
चित्रदुर्ग	-	मैंगनीज

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (क्षेत्र)		सूची-II (खनिज)
बादाम पहाड़	-	लौह अयस्क
कोडरमा	-	अभ्रक
मोसाबानी	-	तांबा
रवा	-	खनिज तेल (पेट्रोलियम)

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (लौह-अयस्क क्षेत्र)		सूची-II (राज्य)
बादाम पहाड़	-	ओडिशा
डल्ली राजहरा	-	छत्तीसगढ़
कुद्रेमुख	-	कर्नाटक
नोआमुण्डी	-	झारखंड

✷ सही सुमेलन है

राखा	-	तांबा
अमरकंटक	-	बॉक्साइट
अंकलेश्वर	-	खनिज तेल
खेतड़ी	-	तांबा

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (खनिज पदार्थ)		सूची-II (खनन क्षेत्र)
ग्रेफाइट	-	राम्पा
सीसा	-	जावर
लवण	-	डिडवाना
चांदी	-	बेल्तारी

✷ तांबा, सोना, लोहा, कोयले का सही क्रम है- **—खेतड़ी-कोलार-कुद्रेमुख-झरिया**

✷ सही सुमेलन है

स्वर्ण	-	कोलार
लोहा	-	कुद्रेमुख
लौह अयस्क	-	क्योंझर
कोयला	-	कोरबा

✷ वह राज्य जिसका क्रोमाइट उत्पाद में लगभग एकाधिकार है **—ओडिशा**

✷ सही सुमेलन है

(खनिज)		(क्षेत्र)
जिप्सम	-	जामसर
तांबा	-	खो-दरीबा
रॉक फॉस्फेट	-	झामर-कोटड़ा
सीसा एवं जस्ता	-	रामपुरा-आगूचा

✷ सही सुमेलन है

बैलाडिला	-	छत्तीसगढ़
कमानगुंडी	-	कर्नाटक
सिंहभूम	-	झारखंड
मयूरभंज	-	ओडिशा

✷ सही सुमेलन है

हीरा	-	पन्ना
लौह अयस्क	-	बस्तर, दुर्ग
बाक्साइट	-	सरगुजा, मंडला, सतना,बालाघाट, बिलासपुर
कोयला	-	सीधी, सरगुजा, बिलासपुर, रायगढ़, शहडोल, छिंदवाड़ा, बैतूल

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
तांबा	-	खेत्री
गैस प्लांट	-	औरैया
एल्युमीनियम	-	कोरबा
पेट्रोलियम	-	कोची

✷ ग्रेनाइट पट्टियां तथा स्लेट बनाए जाते हैं **—ललितपुर में**

✷ भारत में हीरे की खानें अवस्थित हैं **—मध्य प्रदेश में**

✷ वह जिला जिसमें हीरा-युक्त किम्बरलाइट के बृहत भंडार पाए गए हैं **—रायपुर**

✷ सोनभद्र जनपद में पाई जाने वाली धातु है **—एंडलुसाइट, पायराइट, डोलोमाइट**

✷ केरल के कई भागों की समुद्र-तटीय बालू में पदार्थ पाए जाते हैं, वह पदार्थ हैं **—इल्मेनाइट, जिरकॉन, सिल्मेनाइट**

✷ केरल के समुद्री तट पर पाया जाने वाला परमाणु खनिज है **—मोनोजाइट**

✷ केरल की मोनाजाइट बालुका में पाया जाता है **—यूरेनियम**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (यूरेनियम केंद्र)		सूची-II (राज्य)
दोमाईसान	-	मेघालय
लंबापुर	-	आंध्र प्रदेश
रोहेल	-	राजस्थान
गोगी	-	कर्नाटक

✷ जादुगुड़ा प्रसिद्ध है **—यूरेनियम के लिए**

✷ छत्तीसगढ़ राज्य में प्राकृतिक रूप से मिलने वाले खनिज हैं **—बॉक्साइट, डोलोमाइट, लौह अयस्क, टिन**

✷ छोटा नागपुर पठार जिस संसाधन में समृद्ध है, वह है **—खनिज**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (खनिज)		**सूची-II (स्थान)**
कोयला	-	**गिरिडीह**
तांबा	-	**अलवर**
मैंगनीज	-	**धारवाड़**
भूरा कोयला (लिग्नाइट)	-	**जयनकोंडम**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (खनन क्षेत्र)		**सूची-II (खनिज)**
गुरुमहिसानी	-	**लौह अयस्क**
तलचर	-	**कोयला**
जादूगुड़ा	-	**यूरेनियम**
जावर	-	**सीसा**

✷ भारत में सर्वाधिक नमक उत्पादन होता है **—गुजरात में**

विद्युत ऊर्जा

i. तापीय

✷ सही सुमेलन है

इडुक्की	-	**जलविद्युत परियोजना**
शबरीगिरी	-	**जलविद्युत परियोजना**
घाटप्रभा	-	**सिंचाई परियोजना**
रामगंगा	-	**बहुउद्देश्यीय परियोजना**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
उकाई	-	**गुजरात**
पत्रातू	-	**झारखंड**
पेंच	-	**मध्य प्रदेश**
डाभोल	-	**महाराष्ट्र**

✷ उड़ान एक गैस आधारित शक्ति परियोजना है **—महाराष्ट्र में**

✷ भारत में ऊर्जा का सर्वाधिक स्रोत है **—कोयला**

✷ भारत में ऊर्जा-उत्पादन में सर्वाधिक अंश है **—ऊष्मीय (थर्मल) ऊर्जा का**

✷ भारत में शक्ति खंड में ऊर्जा स्रोतों के भाग का सही क्रम है **—तापीय > जलीय > वायु/पवन > आण्विक**

✷ पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय ताप ऊर्जा कॉर्पोरेशन (NTPC) द्वारा सुपर ताप विद्युत उत्पादन केंद्र स्थापित है **—फरक्का में**

✷ नेवेली तापविद्युत संयंत्र का भरण करते हैं **—तृतीयक कोयला (लिग्नाइट) से**

✷ रामागुंडम सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन अवस्थित है **—आंध्र प्रदेश में**

✷ वह देश जिसके सहयोग से ओबरा ताप विद्युत केंद्र की स्थापना की गई थी **—रूस**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (बिजली घर)		**सूची-II (राज्य)**
कोठागुदम	-	**आंध्र प्रदेश (वर्तमान में तेलंगाना)**
रायचूर	-	**कर्नाटक**
मेट्टूर	-	**तमिलनाडु**
वनकबोरी	-	**गुजरात**

✷ सही सुमेलन है

बदरपुर	-	**दिल्ली**
हरदुआगंज	-	**उत्तर प्रदेश**
उतारन	-	**गुजरात**
पारस	-	**महाराष्ट्र**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (राज्य)		**सूची-II (स्थापित तापीय शक्ति क्षमता में स्थान)**
गुजरात	-	**द्वितीय**
महाराष्ट्र	-	**प्रथम**
उत्तर प्रदेश	-	**तृतीय**
पश्चिम बंगाल	-	**चतुर्थ**

✷ बोकारो का तापीय बिजलीघर स्थित है **—झारखंड में**

✷ सही सुमेलन है

(परियोजना)		**(कंपनी)**
जॉजपुर में एकीकृत इस्पात संयंत्र (ओडिशा)	-	**एकीकृत इस्पात संयंत्र परियोजना टाटा स्टील**
जामनगर में बिजली संयंत्र (गुजरात)	-	**ऐस्सार पॉवर**
नबीनगर में बिजली संयंत्र (बिहार)	-	**भारतीय रेलवे**
कयमकुलम बिजली संयंत्र (केरल)	-	**राष्ट्रीय ताप, विद्युत निगम**

ii. नाभिकीय

✷ भारत में प्रथम न्यूक्लियर ऊर्जा स्टेशन की स्थापना हुई थी **—तारापुर में**

✷ वर्ष 2016 तक भारत में कुल उत्पादित ऊर्जा में नाभिकीय ऊर्जा का प्रतिशत था **—3.38 प्रतिशत (नवंबर, 2017 तक के आंकड़ों के अनुसार नाभिकीय ऊर्जा का प्रतिशत 2.1 है।)**

✷ भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध महत्वपूर्ण नाभिकीय ईंधन है
—थोरियम

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (नाभिकीय शक्ति केंद्र)		**सूची-II (राज्य)**
कोटा	-	**राजस्थान**
तारापुर	-	**महाराष्ट्र**
काकरापार	-	**गुजरात**
नरौरा	-	**उत्तर प्रदेश**

✷ सही सुमेलन है

(आण्विक संयंत्र)		**(चालू होने का वर्ष)**
कोटा	-	**1973**
काकरापार	-	**1993**
कैगा	-	**2000**
कलपक्कम	-	**1984**

✷ **कथन (A) :** भारत में देश की भावी ऊर्जा मांग की आपूर्ति का आशाप्रद स्रोत अणु ऊर्जा है।
कारण (R) : भारत में अणु खनिज सर्वत्र सुलभ हैं।
—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (परमाणु विद्युत संयंत्र/गुरुजल संयंत्र)		**सूची-II (राज्य)**
थाल	-	**महाराष्ट्र**
मानगुरु	-	**तेलंगाना**
कैगा	-	**कर्नाटक**
मुप्पांदल	-	**तमिलनाडु**

✷ तमिलनाडु के कुडनकुलम में परमाणु रिएक्टर्स की 6 इकाइयां लगाने हेतु राजी हुआ है **—रूस**

✷ कुडनकुलम नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है
—तमिलनाडु में

✷ भारत अपने 25वें परमाणु विद्युत संयंत्र का निर्माण कर रहा है
—रावतभाटा (राजस्थान) में

✷ भारत का बीसवां परमाणु बिजलीघर है **—कैगा (कर्नाटक)**

✷ परमाणु ऊर्जा हेतु भारी जल संयंत्र स्थापित है
—हजीरा, बडौदा, कोटा, मानगुरु, थाल आदि में

✷ 'मीठी-विरदी' परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा
—यू.एस.ए. के सहयोग से

✷ अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड एक संयुक्त उपक्रम है, भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम और **—एन.टी.पी.सी.का**

iii. जलविद्युत

✷ कोयना जलविद्युत गृह अवस्थित है **—महाराष्ट्र में**

✷ राणा प्रताप सागर पर विद्युतगृह स्थापित है **—कोटा में**

iv. ऊर्जा : विविध

✷ ऊष्मा विद्युत संयंत्र, पवन ऊर्जा संयंत्र, जलविद्युत ऊर्जा संयंत्र तथा नाभिकीय विद्युत संपन्न में से महाराष्ट्र का सतारा प्रसिद्ध है
—पवन ऊर्जा संयंत्र के लिए

✷ पवन ऊर्जा के उत्पादन में प्रथम स्थान रखता है **—तमिलनाडु**

✷ भारत में ऊर्जा उत्पादन एवं उपभोग के संबंध में कथन सही है
—भारत में उत्पादित कुल व्यावसायिक ऊर्जा में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का योगदान लगभग 14 प्रतिशत से अधिक है

✷ गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु एवं कर्नाटक राज्यों में से पवन ऊर्जा की एशिया की सबसे बड़ी परियोजना जिसकी क्षमता 150 मेगावॉट की है, स्थित है **—तमिलनाडु में (वर्तमान में सुजलान ग्रुप द्वारा गुजरात के कच्छ में निर्मित 1100 मेगावॉट की पवन ऊर्जा इकाई (wind form) एशिया की सबसे बड़ी इकाई है)**

✷ भारत में 'ज्वारीय ऊर्जा' उत्पादन का प्रमुख क्षेत्र है **—खंभात की खाड़ी**

✷ भारत में ज्वारीय ऊर्जा की सर्वाधिक संभावनाएं हैं
—भावनगर (गुजरात) में

✷ एमएमटीसी, एमटीएनएल, एनसीएल तथा एनएचपीसी में से विद्युत उत्पादन के क्षेत्र से संबंधित है **—एनएचपीसी**

✷ भारत का वह राज्य, जो बिजली की प्रति व्यक्ति क्षमता और उत्पादन में प्रथम स्थान पर है **—गुजरात**

✷ भारत में प्रति व्यक्ति प्राथमिक ऊर्जा की खपत वर्ष 2014-15 में थी
—423.5 किग्रा. तेल (17731 मेगाजूल) के बराबर

✷ भारत में अपना सौर ऊर्जा प्लांट लगाने वाला प्रथम गांव रामपुरा स्थित है **—उत्तर प्रदेश में**

✷ भारत में राज्य विद्युत बोर्डों की वित्तीय रुग्णता के कारण हैं
—कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को उत्पादन-लागत से कम पर बिजली का विक्रय, प्रसारण एवं संवितरण हानियां काफी ज्यादा होती हैं, राज्य विद्युत बोर्डों के लिए वाणिज्यिक स्वायत्तता में कमी, राज्य सरकारों ने राज्य विद्युत बोर्डों के माध्यम से सामाजिक परिदान नीतियों को क्रियान्वित किया है

✷ भूतापीय ऊर्जा पर आधारित मनीकरण बिजली संयंत्र स्थित है
—हिमाचल प्रदेश में

✷ सही सुमेलन है

(गर्म जल-स्रोत)		**(अवस्थिति)**
मनीकरन	-	**हिमाचल प्रदेश**
अनहोनी	-	**मध्य प्रदेश**
तप्तपानी	-	**ओडिशा**

✷ पेट्रोलियम, परमाणु ऊर्जा, प्राकृतिक गैस एवं बायोगैस में से ऊर्जा का व्यावसायिक स्रोत नहीं है **—बायोगैस**

✷ नवीनीकृत ऊर्जा संसाधन हैं
—पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, सूर्य की ऊर्जा, पृथ्वी की ऊर्जा

उद्योग

i. लौह इस्पात उद्योग

✷ स्टेनलेस स्टील मिश्र धातु है **—लोहा, क्रोमियम और निकेल की**

✷ धब्बारहित स्टील बनाने में लोहे के साथ प्रयुक्त होने वाली महत्वपूर्ण धातु है **—क्रोमियम**

✷ भारत में कतिपय लौह इस्पात संयंत्र पश्चिमी तट में से होकर आयोजित किए गए हैं। इस उद्योग के ऐसे अवस्थितीय स्थित्यांतरण का प्रमुख कारण है **—गोवा एवं मध्य प्रदेश के कुछ भागों में उत्तम श्रेणी के लौह अयस्क निक्षेपों का मिलना तथा इस क्षेत्र से इस्पात निर्यात की तुलनात्मक सुविधा**

✷ भारत में इस्पात उत्पादन उद्योग को आयात की अपेक्षा होती है **—कोककारी (कोकिंग) कोयला के**

✷ TISCO (जमशेदपुर), VSL (भद्रावती), HSL (दुर्गापुर) तथा HSL (भिलाई) में से कोयले की स्थानीय आपूर्ति (Local supply) उपलब्ध नहीं है **—VSL (भद्रावती) को**

✷ 'टिस्को' संयंत्र स्थित है **—टाटानगर के नजदीक**

✷ राउरकेला इस्पात संयंत्र स्थापित किया गया था **—जर्मनी के सहयोग से**

✷ भिलाई स्टील प्लांट संयुक्त उपक्रम है**—रूस एवं भारत सरकार का**

✷ चाय, जूट, लौह एवं इस्पात तथा चीनी उद्योग में से वह उद्योग जो भारत के लिए सबसे अधिक विदेशी मुद्रा कमाता है **—लौह एवं इस्पात उद्योग**

✷ सही सुमेलन है

भिलाई	-	**छत्तीसगढ़**
दुर्गापुर	-	**पश्चिम बंगाल**
जमशेदपुर	-	**झारखंड**
राउरकेला	-	**ओडिशा**

✷ राउरकेला इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क की आपूर्ति होती है **—क्योंझर से**

✷ भारत में इस्पात कारखानों का वह समूह जो स्वतंत्रता के पश्चात (द्वितीय पंचवर्षीय योजना में) बनाए गए थे **—भिलाई, दुर्गापुर तथा राउरकेला**

✷ सही सुमेलित है

(ऊष्ण स्त्रोत)		(भारत के राज्य)
लसुन्दरा	-	**गुजरात**
अवलोली	-	**महाराष्ट्र**
मणिकरन	-	**हिमाचल प्रदेश**
सोहना	-	**हरियाणा**

✷ सही सुमेलन है

(केंद्र)		(ऊर्जा)
पत्रातू	-	**तापीय**
झाकरी	-	**जलविद्युत**
कलपक्कम	-	**नाभिकीय**
कोरबा	-	**तापीय**

ii. एल्युमीनियम उद्योग

✷ छत्तीसगढ़ में कोरबा का महत्व है **—एल्युमीनियम उद्योग के कारण**

✷ टेल्को (TELCO) कंपनी संबंधित है **—ऑटोमोबाइल से**

✷ सही सुमेलित हैं

(कंपनी)		(अवस्थिति)
बाल्को	-	**कोरबा**
हिंडालको	-	**पिपरी (रेनूकूट)**
नाल्को	-	**भुवनेश्वर**
एच. सी. एल.	-	**खेत्री**
इंडियन एल्युमीनियम	-	**हीराकुंड**
नेशनल एल्युमीनियम	-	**कोरापुट**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (एल्युमीनियम संयंत्र)		सूची-II (राज्य)
अलुपुरम	-	**केरल**
अंगुल	-	**ओडिशा**
बेलगाम	-	**कर्नाटक**
कोरबा	-	**छत्तीसगढ़**

iii. विविध : उद्योग

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (केंद्र)		सूची-II (उद्योग)
काकीनारा	-	**जूट**
विरुधनगर	-	**सूती वस्त्र**
चन्ना पटना	-	**रेशम**
भदोही	-	**कालीन**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
भारी इंजीनियरिंग उद्योग	-	**रांची**
मशीन औजार	-	**पिंजौर**
एल्युमीनियम	-	**रेनूकूट**
उर्वरक	-	**सिंदरी**

✷ सही कथन हैं **—पेट्रोनेट एल.एन.जी. लिमिटेड मंगलौर में एक और एल.एन.जी. टर्मिनल लगा रहा है, ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का मुख्य कार्यालय विशाखापत्तनम में है,नारवापहाड़ खान भारतीय यूरेनियम निगम लिमिटेड द्वारा संचालित की जाती है।**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (हस्तशिल्प केंद्र)		सूची-II (राज्य)
मोन	-	नगालैंड
नलबाड़ी	-	असम
पासीघाट	-	अरुणाचल प्रदेश
तूरा	-	मेघालय

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (स्थान)		सूची-II (जिसके लिए जाने जाते हैं/ चर्चा का विषय थे)
काकीनाड़ा	-	बायो-डीजल संयंत्र
डुंडीगल	-	भारतीय वायुसेना अकादमी
मडगांव	-	स्काईबस मेट्रो रेल परीक्षण यात्रा
भद्राचलम	-	ITC कागज बोर्ड इकाई

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (केंद्र)		सूची-II (उद्योग)
आंवाला	-	उर्वरक
मोदीनगर	-	रबर
बाराबंकी	-	पॉलीफाइबर
कानपुर	-	विस्फोटक

✷ भारत का सबसे प्राचीन उद्योग है **—सूती वस्त्र**

✷ सही सुमेलन है

जरी के बटुए	-	भोपाल
भैरवगढ़ के प्रिंट	-	उज्जैन
बाग की हस्तशिल्प (हैंडीक्राफ्ट)	-	धार
चंदेरी की साड़ियां	-	अशोकनगर

✷ मसूरिया साड़ी का संबंध है **—कोटा जिले से**

✷ उत्तर प्रदेश में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. स्थापित है **—गाजियाबाद में**

✷ चुनार प्रसिद्ध है **—सीमेंट उद्योग के लिए**

✷ इंडियन मिनरल बुक, 2015 के आंकड़ों के अनुसार, विश्व स्तर पर सीमेंट उत्पादन में भारत का स्थान है **—दूसरा**

✷ जिप्सम, चूना पत्थर, राख तथा मटिपार में से सीमेंट का मुख्य संघटक है **—चूना पत्थर**

✷ बिहार में डालमिया नगर प्रसिद्ध है **—सीमेंट के लिए**

✷ मध्य प्रदेश में कीटनाशक उद्योग हेतु प्रसिद्ध है **—भोपाल**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (स्थान)		सूची-II (उद्योग)
विशाखापत्तनम	-	पोत निर्माण
मूरी	-	एल्युमीनियम
गुड़गांव (गुरुग्राम)	-	मोटर-गाड़ियां
पनकी	-	उर्वरक

✷ सही सुमेलन है

(उद्योग)		(केंद्र)
सीमेंट	-	पोरबंदर
पेट्रो रसायन	-	नागथेन
लोहा एवं इस्पात	-	राउरकेला

✷ भारत में पंजिम, बंगलुरू, पुडुचेरी तथा औरंगाबाद औद्योगिक क्षेत्रों में से रबर उद्योग स्थित है **—पंजिम में**

✷ पिपरी (उत्तर प्रदेश) में उद्योग है **—जलविद्युत**

✷ भारत का प्रथम उर्वरक संयंत्र लगा था **—सिंदरी में**

✷ सहकारिता क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा उर्वरक कारखाना स्थित है- **—फूलपुर (उ.प्र.) में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
ब्रजराज नगर (ओडिशा)	-	कागज
कैमूर (मध्य प्रदेश)	-	सीमेंट
हल्दिया (प. बंगाल)	-	पेट्रो-रसायन
फूलपुर (उ. प्र.)	-	उर्वरक

✷ भारत का सबसे बड़ा पेट्रो-रसायन कारखाना स्थित है **—गुजरात में**

✷ स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की स्थापना का वर्ष है **—1974 ई.**

✷ सही सुमेलित है

अमलाई	-	मध्य प्रदेश
बल्लारपुर	-	महाराष्ट्र
ब्रजराजनगर	-	ओडिशा
राजामुन्द्री	-	आंध्र प्रदेश

✷ भारत में सर्वाधिक कागज मिलें स्थित हैं **—गुजरात में**

✷ **कथन (A) :** यद्यपि भारत के कुछ ही भागों में कपास उत्पादित की जाती है, परंतु सूती वस्त्र उद्योग पूरे देश में फैला हुआ है।

कथन (R) : कच्चा माल, वस्त्र बनाने की प्रक्रिया में अपना भार नहीं खोता।

—कथन सही है और कारण भी सही है।

✷ 1818 ई. में पहला सूती वस्त्र कारखाना शुरू हुआ **—पश्चिम बंगाल में फोर्ट ग्लास्टर में**

✷ भारत में प्रथम कपास मिल (सूती-वस्त्र उद्योग) की स्थापना हुई थी **—कलकत्ता में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (उद्योग)		सूची-II (केंद्र)
रेशम वस्त्र	-	मैसूर (कर्नाटक)
पेट्रो-रसायन	-	जवाहर नगर (गुजरात)
उर्वरक	-	तलचर (ओडिशा)
औषधि-निर्माण	-	ऋषिकेश (उत्तराखंड)

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि.	-	दिल्ली
हिंदुस्तान जिंक लि.	-	उदयपुर
हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लि.	-	रांची
इन्स्ट्रूमेंटेशन लि.	-	कोटा

✷ सही सुमेलन है

(स्थल)		(राज्य)
कोयाली	-	गुजरात
नागपट्टिनम	-	तमिलनाडु
नुमालीगढ़	-	असम
मनाली	-	तमिलनाडु

✷ सही सुमेलन है

(स्थान)		(राज्य)
मुरी	-	झारखंड
अल्वाय	-	केरल
धर्मापुरी	-	तमिलनाडु
कोयाली	-	गुजरात

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
(औद्योगिक इकाई)		(केंद्र)
एटलस साइकिल कंपनी लि.	-	सोनीपत
भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड	-	बंगलौर
इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स	-	कलोल
नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड	-	भुवनेश्वर

✷ 'डायमंड पार्क'

—ये वे औद्योगिक केंद्र हैं, जो हीरों, सिंथेटिक जवाहरातों तथा आभूषणों के निर्माण और निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए हैं

✷ सही सुमेलन

सूची-I		सूची-II
(प्रतिष्ठित व्यक्ति)		(कार्यक्षेत्र)
बी.वी. राव	-	कुक्कुट पालन
सी.के. प्रहलाद	-	प्रबंधन विज्ञान
जॉन कुरियन	-	मत्स्य उद्योग अर्थव्यवस्था
किरण कार्णिक	-	सूचना प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया सामग्री (सॉफ्टवेयर)

✷ पंजाब में होजरी उद्योग के लिए प्रसिद्ध है **—लुधियाना**

✷ भारत में वह उद्योग जो पानी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है **—ताप शक्ति**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
(उद्योग)		(स्थान)
कागज	-	टीटागढ़
सीमेंट	-	लखेरी
लोहा और इस्पात	-	भिलाई
खनिज तेल शोधनशाला	-	अम्बाला मुकुल

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
(उद्योग)		(केंद्र)
एल्युमीनियम	-	जे.के. नगर
तांबा	-	मलांजखंड
जस्ता	-	टुण्डू
जूट	-	भाटपाड़ा

✷ सही सुमेलन है

सूची-I	-	सूची-II
(उद्योग)	-	(अवस्थिति)
उर्वरक	-	श्रीगंगानगर
कांच	-	जयपुर
सीमेंट	-	उदयपुर
कृत्रिम रेशम	-	कोटा

✷ देश में पेट्रो-रसायन के उत्पादन का सबसे बड़ा केंद्र स्थित है **—जामनगर में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
(केंद्र)		(उद्योग)
काकीनाड़ा	-	जूट
विरुधनगर	-	सूती वस्त्र
चन्नापटना	-	रेशम
भदोही	-	कारपेट

✷ पारंपरिक साड़ी/वस्त्र उत्पादन के लिए सुख्यात हैं **—चंदेरी एवं कांचीपुरम**

✷ बनारसी जरी और साड़ियां, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा तथा तिरुपति लड्डू में से 'भौगोलिक सूचना' (जिओग्रॉफिकल इंडिकेशन) की स्थिति प्रदान की गई है **—बनारसी जरी और साड़ियां तथा तिरुपति लड्डू को**

✷ शिवकाशी औद्योगिक क्षेत्र अवस्थित है **—तमिलनाडु में**

✷ भारत में शिवकाशी केंद्र स्थित है **—मदुरई-कोयम्बटूर-बंगलुरू औद्योगिक प्रदेश में**

✷ मध्य प्रदेश में पीतमपुर को जाना जाता है **—ऑटोमोबाइल के लिए**

भारत के अनुसंधान केंद्र

✷ 1988 में अंटार्कटिका महाद्वीप पर भारत ने अपना दूसरा वैज्ञानिक शोध केंद्र 'मैत्री' स्थापित किया था। इस शोध केंद्र का प्रमुख कार्य है **—समुद्री जैवशास्त्र के क्षेत्र में अनुसंधान**

✷ अंटार्कटिका में तीसरे भारतीय शोध केंद्र की आधारशिला जिस नाम से रखी गई, वह है **—भारती**

✷ 'दक्षिण गंगोत्री' के नाम से जाना जाता है **—भारत का प्रथम अंटार्कटिक शोध केंद्र**

✷ इंटरनेशनल क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स (आईसीआरआईएसएटी) स्थित है **—हैदराबाद में**

✷ केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (CRIDA) अवस्थित है **—हैदराबाद में**

✷ केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान स्थित है **—बीकानेर में**

✷ राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी अवस्थित है **—हैदराबाद में**

✷ 'राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान' स्थित है **—जयपुर में**

✷ उद्यान एवं वानिकी विश्वविद्यालय स्थित है **—सोलन में**

✷ सेंट्रल फूड टेक्नॉलोजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट स्थित है **—मैसूर में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान	-	नागपुर
केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान	-	मैसूर
केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान	-	शिमला
केंद्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान	-	राजामुंद्री

✷ शस्य वानिकी का राष्ट्रीय शोध केंद्र अवस्थित है **—झांसी में**

✷ खेतों में प्रयुक्त होने वाले औजारों और मशीनों पर शोध और विकास कार्य 'सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग' द्वारा किया जा रहा है, जो स्थित है **—भोपाल में**

✷ भारतीय चावल शोध-संस्थान स्थित है **—कटक में**

✷ राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान स्थापित है **—करनाल में**

✷ भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान स्थित है **—कानपुर में**

✷ भारतीय शाकभाजी अनुसंधान संस्थान स्थित है **—वाराणसी में**

✷ केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान अवस्थित है **—लखनऊ में**

✷ 'इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस' का मुख्यालय अवस्थित है **—नागपुर में**

✷ केंद्रीय खनन अनुसंधान संस्थान स्थित है **—धनबाद में**

✷ भारतीय हीरा संस्थान स्थापित है **—सूरत में**

✷ राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड स्थित है **—आनंद में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (संस्था)		सूची-II (स्थान)
राष्ट्रीय शर्करा संस्थान	-	कानपुर
मिश्र धातु निगम लिमिटेड	-	हैदराबाद
सैन्य विधि संस्थान	-	काम्टी
राष्ट्रीय अखंडता संस्थान	-	पुणे

✷ 'भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान' स्थित है **—लखनऊ में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
केंद्रीय धान अनुसंधान संस्थान	-	कटक
खेती प्रणाली अनुसंधान निदेशालय	-	मेरठ
भारतीय मृदाविज्ञान संस्थान	-	भोपाल
शस्य वानिकी का राष्ट्रीय शोध केंद्र	-	झांसी

✷ 'राष्ट्रीय एटलस और थिमेटिक मानचित्र संगठन' स्थित है **—कोलकाता में**

✷ भारत में नेचुरल हिस्ट्री का राष्ट्रीय संग्रहालय स्थापित है **—नई दिल्ली, मैसुरू, भोपाल एवं भुवनेश्वर में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (संस्थान)		सूची-II (स्थान)
सी.एस.एस.आर.आई.	-	करनाल
सी.टी.सी.आर.आई.	-	त्रिवेंद्रम
आई.आर.आर.आई.	-	मनीला
सी.ए.जेड.आर.आई.	-	जोधपुर

✷ पौध संरक्षण, संगरोध एवं भंडारण निदेशालय अवस्थित है **—फरीदाबाद में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (फसलों के परियोजना निदेशालय)		सूची-II (स्थान जहां स्थित हैं)
डी.आर.आर.	-	हैदराबाद
डी.डब्ल्यू.आर.	-	करनाल
डी.एम.आर.	-	नई दिल्ली
डी.पी.आर.	-	कानपुर

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (संस्थान)		सूची-II (स्थिति)
भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान	-	लखनऊ
राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक अनुसंधान ब्यूरो	-	नई दिल्ली
राष्ट्रीय पौध सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान	-	हैदराबाद
गेहूं अनुसंधान निदेशालय	-	करनाल

✷ राष्ट्रीय जैविक खेती केंद्र (एन.सी.ओ.एफ.) स्थित है **—गाजियाबाद में**

परिवहन

i. सड़क परिवहन

✷ भारत में देश के कुल यातायात में सड़क यातायात का भाग है **—80 प्रतिशत**

✷ भारत में कुल राष्ट्रीय राजमार्ग और उनकी कुल लंबाई तकरीबन है **—क्रमशः 250 से अधिक और 100087 किमी.**

✷ भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है
—राष्ट्रीय राजमार्ग 7

✷ राष्ट्रीय मार्ग क्र. 4 निम्नलिखित से होकर जाता है
—महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु से

✷ वह राज्य जिसमें राष्ट्रीय राजमार्गों की सर्वाधिक लंबाई पाई जाती है
—उत्तर प्रदेश

✷ भारत का वह राज्य जिसमें प्रांतीय राजमार्गों की सकल लंबाई सबसे अधिक है **—महाराष्ट्र**

✷ स्वर्ण चतुर्भुज परियोजना का संबंध है
—राजमार्ग के विकास से

✷ भारत की स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना जोड़ती है
—दिल्ली - मुंबई - चेन्नई- कोलकाता को

✷ 'प्रधानमंत्री भारत जोड़ो परियोजना' संबंधित है
—राजमार्गों के विकास से

✷ दो राष्ट्रीय राजमार्ग-कन्याकुमारी-श्रीनगर राजमार्ग एवं पोरबंदर-सिल्चर राजमार्ग, जो राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के अंतर्गत निर्मित हो रहे हैं, एक दूसरे से मिलेंगे
—झांसी में

✷ उत्तर-दक्षिण गलियारे (North-South Corridor) पर स्थित नगरों का उत्तर से दक्षिण का क्रम है
—आगरा, ग्वालियर, नागपुर, कृष्णागिरि

✷ महाराष्ट्र में 6 पथ एक्सप्रेस मार्ग द्वारा संबद्ध किया गया है
—मुंबई तथा पुणे को

✷ आगरा, भोपाल, धुले तथा ग्वालियर में से वह नगर जो राष्ट्रीय राजमार्ग 3 से नहीं जुड़ा है **—भोपाल**

✷ प्रधानमंत्री की ग्राम सड़क योजना है
—उन गांवों में सामुदायिक जीवन के विकास हेतु जो सड़क से भली-भांति संबद्ध नहीं हैं

✷ भारतीय राज्यों का उनके प्रति 100 वर्ग किमी. क्षेत्र में उनकी भूतल मार्गों की लंबाई के अवरोही क्रम में सही अनुक्रम है **—पंजाब, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, हरियाणा**

✷ सही कथन हैं
—राष्ट्रीय राजमार्ग संपूर्ण सड़क परिवहन आवश्यकता के लगभग 40 प्रतिशत की पूर्ति करते हैं, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 देश का सबसे बड़ा राजमार्ग है

✷ अमृतसर से दिल्ली होकर कोलकाता तक के राष्ट्रीय राजमार्ग की संख्या है **—2**

✷ भारत का 40 प्रतिशत सड़क परिवहन होता है
—राष्ट्रीय राजमार्ग से

✷ वह राष्ट्रीय राजमार्ग जिसकी मध्य प्रदेश में लंबाई सर्वाधिक है
—एन. एच.-3 आगरा-ग्वालियर-देवास (मुंबई)

✷ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के संबंध में सही कथन हैं
—यह दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई को जोड़ता है। इसकी कुल लंबाई 5846 किमी. है। उत्तर-दक्षिण गलियारा - श्रीनगर से कन्याकुमारी पूर्व-पश्चिम गलियारा - सिलचर से पोरबंदर

✷ 'जवाहर सुरंग' गुजरती है **—बनिहाल दर्रे से**

ii. रेल परिवहन

✷ भारत में सबसे पहले रेलमार्ग तैयार हुआ था **—1853 में**

✷ भारत की पहली रेलवे लाइन बनी थी**—मुंबई-थाणे के बीच 1853 में**

✷ 'बड़ी लाइन' की दो पटरियों के बीच की दूरी होती है **—$5\frac{1}{2}$ फीट**

✷ गोरखपुर से मुंबई की रेलयात्रा का न्यूनतम दूरी वाला मार्ग है
—इलाहाबाद होकर

✷ भारत के रेल मंत्रालय की बुलेट-ट्रेन चलाने की योजना है,
—मुंबई - अहमदाबाद के मध्य

✷ सही सुमेलन है

(रेलवे जोन)		(मुख्यालय)
उत्तर-पूर्व रेलवे	-	गोरखपुर
दक्षिण-पूर्व रेलवे	-	कोलकाता
पूर्वी रेलवे	-	कोलकाता
दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे	-	बिलासपुर

✷ सत्य कथन हैं
—उत्तर-पश्चिम रेलवे का मुख्यालय जयपुर में स्थित है। फेयरी क्वीन विश्व के सबसे पुराने चालू इंजन को प्रयोग करने वाली गाड़ी है तथा भारतीय रेलवे इसके द्वारा वन्यजीवन तथा विरासत स्थलों की यात्रा आयोजित करती है।

✷ रेलवे का जोन मुख्यालय-हाजीपुर स्थित है **—बिहार में**

✷ उत्तर-मध्य रेलवे जोन (क्षेत्र) का मुख्यालय स्थित है **—इलाहाबाद में**

✷ नीचे दिए हुए मानचित्र पर ध्यान दीजिए–

दिल्ली से चले दो पर्यटक, जिनमें से एक को कराची जाना है और दूसरे को भुज, साथी की तलाश में हैं। जिस रेलवे जंक्शन जहां तक वे साथ चल सकते हैं, उसे मानचित्र में दर्शाया है, वह है **—बालोतरा**

✷ यद्यपि रेलवे भारत में सबसे अधिक व्यापक परिवहन साधन है, परंतु स्वतंत्रता के बाद की अधिकांश अवधि में सड़क परिवहन को सर्वाधिक प्रोत्साहन मिला है। इसके कारण हैं

—रेल परिवहन परिचालन में सस्ता है, पर उसकी संबद्ध पूंजी लागत बहुत अधिक है। मानव बस्तियों का भौगोलिक विस्तार इतना अधिक है कि केवल रेलवे से ही परिवहन की सारी आवश्यकताओं की पूर्ति की आशा करना वास्तविक नहीं है। रेलवे का स्वरूप अविभाज्य होने के कारण जनता के लिए प्रायः इसका लाभ उठाना उतना सुविधाजनक नहीं होता जितना निजी कारों, बसों तथा दुपहिया वाहनों से लाभ उठाना होता है।

✷ सही सुमेलन है

(सूची-I)		(सूची-II)
रेल कोच फैक्ट्री	-	कपूरथला
व्हील एवं एक्सल संयंत्र	-	बंगलुरू
डीजल लोकोमोटिव वर्क्स	-	वाराणसी
इंटीग्रल कोच फैक्टरी	-	पेरम्बूर

✷ डीजल रेल इंजन बनाए जाते हैं **—मडुवाडीह में**

✷ वह राज्य जहां यात्री रेल डिब्बों का बड़ी मात्रा में निर्माण होता है **—पंजाब और तमिलनाडु**

✷ रेलवे स्टाफ कालेज स्थित है **—बड़ौदा में**

✷ साल की लकड़ी का उपयोग अधिकतर होता है **—रेलवे स्लीपर बनाने के उद्योग में**

✷ गुजरात के कच्चे रूपरेखा मानचित्र में 1, 2, 3, 4 अंकों से दिखाए गए चार रेलवे जंक्शन क्रमशः हैं–

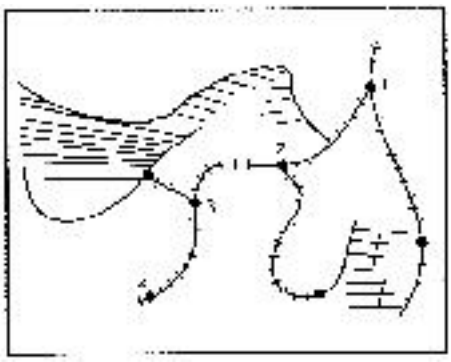

—मेहसाना, सुरेंद्रनगर, राजकोट और जूनागढ़

✷ तीसरी रेल कोच फैक्टरी स्थापित की जा रही है **—रायबरेली में**

✷ वह रेल खंड जहां पर प्रथम सी.एन.जी. ट्रेन शुरू की गई **—रेवाड़ी-रोहतक खंड पर**

✷ वह पहला राज्य जहां पी.पी.पी. मॉडल पर रेल ट्रैक बनाया गया है **—गुजरात**

✷ कोंकण रेलवे जोड़ता है **—रोहा से मैंगलोर को**

✷ कोंकण रेलवे से सर्वाधिक लाभान्वित राज्य हैं **—गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल**

✷ बेलगाम, मडगांव, रत्नागिरी एवं उडुपी में से कोंकण रेलमार्ग नहीं जोड़ता है **—बेलगाम को**

✷ वह दो रेलवे स्टेशनों जिन्हें जोड़ने वाली रेल लाइन को यूनेस्को ने धरोहर के रूप में मान्यता दी है **—सिलीगुड़ी तथा दार्जिलिंग**

✷ भारत में वह राज्य जो रेल सेवा से वंचित है **—सिक्किम**

✷ रेल सुरंगों का लंबाई के अनुसार सही अवरोही क्रम है **—पीर पंजाल, कारबुद, नाथूवाड़ी, बरदेवादी**

iii. नौ/वायु परिवहन

✷ मालाबार, कोंकण, कोरोमंडल तथा उत्तरी सरकार तटों में से 'कोच्चि बंदरगाह' से संबंधित है **—मालाबार तट**

✷ सत्य कथन हैं

—नौपरिवहन (Navigation) और मत्स्यग्रहण (Fishing) में ज्वार-भाटा (Tides) अत्यंत सहायक होता है। उच्च ज्वार-भाटा बड़े जलयानों को बंदरगाह (Harbour) में सुरक्षित प्रवेश करने या निकलने योग्य बनाता है। ज्वार-भाटा बंदरगाहों में सादन (Siltation) रोकता है। कांडला तथा डायमंड हार्बर ज्वारीय बंदरगाह (Tidal ports) हैं।

✷ भारत में सबसे बड़ा पोत-प्रांगण (शिपयार्ड) है **—कोच्चि (कोचीन)**

✷ भारत के मुख्य ज्वारीय पत्तन हैं **—कोलकाता तथा कांडला**

✷ कांडला बंदरगाह जो एक प्राकृतिक बंदरगाह है, स्थित है **—कच्छ की खाड़ी (पूर्वी तट)**

✷ भारत का सबसे गहरा पत्तन है **—विशाखापत्तनम**

✷ पारादीप का विकास जिन बंदरगाहों का भार कम करने के लिए किया गया था, वे हैं **—कोलकाता-विशाखापत्तनम**

✷ पारादीप बंदरगाह अवस्थित है **—ओडिशा राज्य में**

✷ मर्मुगाओ पत्तन स्थित है **—गोवा में**

✷ भारत का सर्वाधिक आयात नौभार तथा निर्यात नौभार वहन किया **—कांडला पत्तन ने**

✷ भारत में कृत्रिम पत्तन हैं **—चेन्नई एवं तूतीकोरिन**

✷ दिए गए मानचित्र में A, B, C और D से चिह्नांकित बंदरगाहों के नाम हैं

—A- माहे, B- कराईकल, C- पुडुचेरी, D- यनम

✷ आंध्र प्रदेश का बंदरगाह नगर है **—काकीनाडा**

✷ भारत के कच्चे रूपरेखा मानचित्र में दिखाए गए निम्नलिखित बंदरगाहों में से नदी तटीय (Riverine) बंदरगाह है

—4 (कोलकाता)

✷ पत्तन जहां एल. एन. जी. टर्मिनल नहीं है, वह है **—कांडला**

✷ वह स्थान जहां पर तीन अर्द्ध-चंद्राकार समुद्र तट मिलते हैं **—कन्याकुमारी**

✷ सेतुसमुद्रम परियोजना में नौपरिवहन नहर की लंबाई है **—167 किलोमीटर**

✷ सेतुसमुद्रम परियोजना, जिन्हें जोड़ती हैं, वे हैं **—मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
कांडला	-	गुजरात
न्हावा शेवा	-	महाराष्ट्र
पारादीप	-	ओडिशा
तूतीकोरिन	-	तमिलनाडु

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (समुद्री बंदरगाह)		सूची-II (राज्य)
अलेप्पी	-	केरल
एन्नौर	-	तमिलनाडु
पारादीप	-	ओडिशा
काकीनाडा	-	आंध्र प्रदेश

✷ कृष्णापट्टनम बंदरगाह के संवर्धन से सर्वाधिक लाभान्वित राज्य होगा **—आंध्र प्रदेश**

✷ भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह है **—मुंबई में**

✷ गंगा नदी का वह भाग, जिसको राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है **—इलाहाबाद से हल्दिया तक**

✷ देश का सबसे लंबा आंतरिक जलमार्ग है **—इलाहाबाद - हल्दिया**

✷ वह राष्ट्रीय जलमार्ग जो कोट्टापुरम तथा कोल्लम को जोड़ता है **—केरल तटीय नहर जलमार्ग**

✷ राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (NINI) अवस्थित है **—पटना में**

✷ भारत का कोयले को संचालित करने वाला बारहवां प्रमुख पत्तन विकसित हो रहा है **—चेन्नई के निकट (एन्नौर में)**

✷ जामनगर, ओखा, पोरबंदर एवं बेरावल में से गुजरात का बंदरगाह कस्बा नहीं है **—जामनगर**

✷ भारत का खुला सागरीय बंदरगाह है **—चेन्नई**

✷ भारत में 'बाह्य पत्तन' का विशिष्ट उदाहरण है **—हल्दिया**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (शिपयार्ड)		सूची-II (राज्य)
गार्डेन रीच	-	पश्चिम बंगाल
हिंदुस्तान शिपयार्ड	-	आंध्र प्रदेश
मझगांव डॉक्स	-	महाराष्ट्र
कोचीन शिपयार्ड	-	केरल

✷ सार्वजनिक सीमित कंपनी के स्वामित्व वाला भारत का सर्वप्रथम विमानपत्तन है **—कोचीन विमानपत्तन**

✷ राजा सांसी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है **—अमृतसर में**

✷ दमन, जंजीरा, कराईकल एवं रत्नागिरी बंदरगाहों में से वह जो भारत के पश्चिमी तट पर स्थित नहीं है **—कराईकल बंदरगाह**

✷ भारत का सबसे बड़ा जहाज तोड़ने का यार्ड में स्थित है **—अलंग (गुजरात के भावनगर) में**

✷ वर्तमान मुंबई बंदरगाह के दबाव को कम करने के लिए जिस पत्तन का निर्माण किया गया, वह है **—न्हावा शेवा (ज.ल.न.पत्तन)**

✷ वह राज्य जिसमें लंबे नौसंचालन चैनल द्वारा समुद्र से जोड़े जाने के लिए एक कृत्रिम अंतर्देशीय बंदरगाह के निर्माण की संभावना का पता लगाया है **—राजस्थान में**

✷ सही सुमेलन है

मोरमुगाव	-	गोवा
पारादीप	-	ओडिशा
मंगलौर	-	कर्नाटक
मुंद्रा	-	गुजरात

पर्यटन स्थल

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (पर्यटन स्थल)		सूची-II (राज्य)
चकराता	-	उत्तराखंड
हफ्लांग	-	असम
कालिमपोंग	-	पश्चिम बंगाल
कुफरी	-	हिमाचल प्रदेश

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (राज्य)		सूची-II (पर्यटक केंद्र)
जम्मू एवं कश्मीर	-	गुलमर्ग
हिमाचल प्रदेश	-	कसौली
गुजरात	-	उडवाड़ा
तमिलनाडु	-	प्वाइंट कैलीमर

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
हिमाचल प्रदेश	-	कीलांग
उत्तराखंड	-	औली
कर्नाटक	-	चिकमंगलूर
तमिलनाडु	-	ऊटी

✷ भारत में 'गुलाबी नगरी' कहते हैं **—जयपुर को**

✷ भारत में 'झीलों का नगर' कहा जाता है **—उदयपुर को**

✷ दक्षिण भारत के भगवान रंगनाथा (जिन्हें भगवान वेंकटेश भी कहते हैं), का मंदिर स्थित है **—बिलिगिरि रंगा पहाड़ी पर**

✷ भारतीय पर्यटन मंत्रालय ने भारत में पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु जिस अवधारणा को लोकप्रिय करने का उपयोग किया है, वह है **—अतुल्य भारत**

✷ सबरीमाला स्थित है **—केरल राज्य में**

✷ भारत के ध्वस्त नगरों (घोस्ट टाउन) में हैं **—कुलधारा, धनुषकोडी एवं लखपत नगर**

✷ सही सुमेलन है

(तीर्थस्थान)		(अवस्थिति)
श्रीशैलम	-	नल्लमला पहाड़ियां
ओंकारेश्वर	-	मान्धाता पहाड़
पुष्कर	-	अरावली

विविध

✷ वह संयंत्र जो शक्ति तथा खाद दोनों दे सकता है **—बायोगैस संयंत्र**

✷ 'कूरियर सेवा' से प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय डाक विभाग ने 'द्रुत डाक सेवा' का आरंभ किया गया था **—1986 में**

✷ विश्व का वह देश जो नाइट्रोजनी उर्वरक उत्पादक तथा उपभोक्ता के रूप में दूसरे स्थान पर है **—भारत**

✷ टिड्डियां भारत में प्रवेश करती हैं **—पाकिस्तान से**

✷ सही सुमेलन है

(स्थान)		(राज्य)
श्रीहरिकोटा	-	आंध्र प्रदेश
थुम्बा	-	केरल
भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर	-	मुंबई
पोखरन	-	राजस्थान

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (नगर)		सूची-II (विशिष्टताएं)
अलीबाग	-	अवकाश सदन (Holiday Resort)
बालापुर	-	शैल-रासायनिक संकुल (Petro-Chemical Complex)
न्हावा शेवा	-	बंदरगाह (Port)
रत्नागिरि	-	मत्स्ययन केंद्र (Fishing Centre)

✷ थुम्बा में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र की स्थापना के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण है **—थुम्बा का भू-चुम्बकीय विषुवत रेखा पर स्थित होना**

✷ 'दि हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट' स्थित है **—दार्जिलिंग में**

✷ सही सुमेलन है

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय	-	मध्य प्रदेश
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	-	उत्तर प्रदेश
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय	-	छत्तीसगढ़
आचार्य एन.जी. रंगा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी	-	आंध्र प्रदेश

✷ केयर्न (CAIRN) एनर्जी का मुख्यालय है **—स्कॉटलैंड में**

✷ सही सुमेलन है

रामेश्वरम	-	तमिलनाडु
द्वारका	-	गुजरात
सारनाथ	-	उत्तर प्रदेश
महाकाल मंदिर	-	मध्य प्रदेश

✷ सही सुमेलन है

एशबाग स्टेडियम	-	भोपाल
ब्रेबर्न स्टेडियम	-	मुंबई
ग्रीनपार्क	-	कानपुर
इडेन गार्डेन्स	-	कोलकाता

✷ सही सुमेलन है

भूमिगत रेलवे	-	कलकत्ता
आम	-	रत्नागिरी
ताले	-	अलीगढ़
चावल	-	देहरादून

✷ डायमंड हार्बर तथा साल्ट लेक सिटी अवस्थित हैं **—कोलकाता में**

✷ डिंडीगुल नाम है **—तमिलनाडु में एक नगर का**

✷ हरित राजमार्ग का लक्ष्य है **—वृक्षारोपण**

✷ भारत में पीतल के बर्तनों के लिए प्रसिद्ध है **—मुरादाबाद (उ.प्र.)**

✷ 'जंगल महल' कहलाने वाला क्षेत्र अवस्थित है **—पश्चिम बंगाल में**

✷ भारत के प्रथम परमाणु रिएक्टर का नाम है **—अप्सरा**

✷ भारतवर्ष में सर्वप्रथम दूरभाष का प्रादुर्भाव हुआ था **—1850 में**

✷ भारत में टेलीग्राफ सेवा सर्वप्रथम शुरू हुई थी **— कलकत्ता और डायमंड हार्बर के मध्य**